निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, रविवार 28 जून 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 42 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

दुमका के सरैयाहाट प्रखंड अंतर्गत बनियारा पंचायत में व्याप्त जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर ग्रामीणों ने पंचायत सचिवालय परिसर में प्रदर्शन किया

संक्षिप्त समाचार

सीएनजी टाटा मैजिक जलकर राख

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। पटना से गिरिडीह आ रही सीएनजी टाटा मैजिक गिरिडीह-महेशमुंडा मुख्य सड़क पर मुफस्सिल थाना इलाके के पांडेयडीह मोड़ के पास आग लगने से पूरी तरह से जलकर राख हो गया। हालांकि आग लगते ही सूझ-बूझ का परिचय देते हुए चालक वाहन से कूद गया जिससे उसकी जान बच गई। इस घटना में चालक का मोबाइल और नकद राशि वाहन में ही जलकर राख हो गया। वाहन चालक मिथलेश कुमार ने बताया कि यह सीएनजी वाहन था। उनके अनुसार अचानक सीएनजी सिलेंडर फटने से आग लग गई।

बीसीसीएल कर्मी को अपराधियों ने मारी गोली

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। सोनारडीह ओपी क्षेत्र में अपराधियों ने बीसीसीएल कर्मी को गोली मार दी है। घटना सोनारडीह ओपी से महज कुछ कदम की दूरी पर बोकारो-धनबाद एनएच-32 के किनारे स्थित बीसीसीएल के समरसेबल पंप के पास हुई। यहां रात्रि पाली में ड्यूटी कर रहे पंप ऑपरेटर उमेश रविदास को केबल चोरों ने गोली मारकर घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात करीब 1 से डेढ़ बजे के बीच अपराधी समरसेबल पंप से केबल चोरी कर रहे थे। इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात बीसीसीएल कर्मी उमेश रविदास ने चोरी का विरोध किया। विरोध करने पर अपराधियों ने उन पर गोली चला दी। गोली उमेश रविदास के दाएं पैर में लगी और आर-पार हो गई।

रहस्यमय बीमारी से तीसरी मौत

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के पड़वा प्रखंड के सिक्का गांव में कुलदीप महतो के परिवार में रहस्यमय बीमारी से तीसरी मौत हो गई है। 21 जून को कुलदीप महतो और उनकी बेटी की मौत हो चुकी थी। अब उनकी बेटी इंदु कुमारी की भी मौत हो गई है। कुलदीप महतो की पत्नी लाखो देवी, बहू श्वेता कुमारी, बेटा नकुल महतो और बेटी इंदु कुमारी गंभीर रूप से बीमार पड़ गए थे। पूरे परिवार के सदस्यों के शरीर में सूजन की शिकायत थी। सभी को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। स्वास्थ्य विभाग ने इंदु कुमारी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की जानकारी मिल सकेगी।

हाथियों के हमले में एक व्यक्ति की मौत

गढ़वा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के रंका वन क्षेत्र के बांदु चूतरू गांव में अहले सुबह हाथियों के झुंड ने हमला कर दिया। इस दौरान पूरे गांव में अफरा तफरी का माहौल हो गया। मौके पर झुंड ने डिगर मांझी को अपनी चपेट में ले लिया और पटक पटककर उसे मौत के घाट उतार दिया। वहीं एक अन्य व्यक्ति सरदार मांझी को घायल कर दिया। हाथियों के झुंड ने गांव में करीब दो घंटा रहकर उत्पात मचाते हुए चार घरों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है।

झारखंड में खुले दो करोड़ से अधिक जनधन खाते : अठावले

केंद्रीय राज्य मंत्री ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक

विकास और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए केंद्र ने दोहराई सरकार की प्रतिबद्धता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने शनिवार को रांची स्थित राजकीय अतिथि गृह में झारखंड सरकार के समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के उपरांत आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने सामाजिक न्याय, शिक्षा, संविधान तथा केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रेस वार्ता के दौरान श्री अठावले ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित भारतीय संविधान देश की आत्मा है। उन्होंने कहा कि संविधान ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत आधार प्रदान किया है। उन्होंने भगवान बुद्ध के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में जन्मा बौद्ध धर्म विश्व के अनेक देशों तक पहुंचा है तथा शांति, समानता और मानवता का संदेश दे रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास की गति तेज हुई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 की तुलना में भारत ने आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और आज देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों से लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के सभी वर्गों के

सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि देश में लगभग तीन करोड़ महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं तथा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत लगभग 58 करोड़ लोगों को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि देश ने लगभग 79 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड निर्यात का आंकड़ा प्राप्त किया है तथा रक्षा निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सड़क, रेल और हवाई संपर्क के क्षेत्र में व्यापक विस्तार हुआ है जिससे देश के समग्र विकास को नई गति मिली है। झारखंड में केंद्र सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए श्री अठावले ने कहा कि राज्य में प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत लगभग 2 करोड़ 56 लाख लोगों को लाभ मिला है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से लगभग 1 करोड़ 73 लाख लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत लगभग 39.82 लाख परिवारों को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। इससे पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री श्री अठावले ने रामगढ़ स्थित राधा गोविंद विश्वविद्यालय में 'आर्थिक असमानता एवं बेरोजगारी के संदर्भ में डॉ. भीमराव अंबेडकर का समग्र दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का सपना केवल सामाजिक समानता तक सीमित नहीं था बल्कि वे आर्थिक न्याय, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के माध्यम से एक सशक्त भारत का निर्माण करना चाहते थे। युवाओं को उनके विचारों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

अलग-अलग स्थानों पर फंदे से लटके मिले दो शव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गोड्डा। जिले के ललमटिया थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों से दो व्यक्तियों के शव फंदे से लटके हुए बरामद किए गए हैं। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। पहला शव डकैता चौक के पास चर्च के पीछे जंगल से मोहम्मद सरफराज अंसारी (25) का बरामद हुआ। सुबह शौच के लिए जंगल जा रहे लोगों ने पेड़ से लटकता शव देखा जिसके बाद उन्होंने ललमटिया पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही ललमटिया थाना प्रभारी रौशन कुमार सिंह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की। वहीं दूसरा शव पियारम जंगल से सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र के रामपुर निवासी अमीन लोहार (40) का बरामद किया गया है। अमीन की पत्नी बेनुका देवी ने बताया कि उनके पति मानसिक रूप से विक्षिप्त थे और अक्सर घर से बाहर रहते थे। अमीन लोहार अपने ससुराल पियारम में रहते थे। मृतक अपने पीछे एक बेटे को छोड़ गए हैं। ललमटिया थाना प्रभारी रौशन कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र से दो शव बरामद हुए हैं। डकैता चौक के पास मिला शव प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है। हालांकि दोनों शवों की मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

सेल अध्यक्ष ने कैप्टिव खदानों के भावी विकास की रूपरेखा का किया आंकलन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

किरीबुरू। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. ए. के. पांडा ने कंपनी के ओडिशा ग्रुप ऑफ माइंस (ओजीओएम) तथा झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस (जेजीओएम) का दौरा कर खनन कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों से संवाद किया। सेल की कैप्टिव खदानों के भावी विकास की रूपरेखा का आकलन किया। अपने दौरे के दौरान डॉ. पांडा ने बरसुआ, तालडीह, कालता, बोलानी, गुआ, किरीबुरू एवं मेघाहातुबुरू लौह अयस्क खदानों के परिचालन का निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मचारियों की प्रतिबद्धता एवं उत्कृष्ट कार्य-निष्पादन की सराहना करते हुए कहा कि सभी खनन गतिविधियों में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके पश्चात उन्होंने किरीबुरू स्थित लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर में जेजीओएम एवं ओजीओएम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सुरक्षा, उत्पादन वृद्धि, खदान विकास,

परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, डिजिटल परिवर्तन तथा परिचालन उत्कृष्टता से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. पांडा ने वर्ष 2030-31 तक सेल की 35 मिलियन टन क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता प्राप्त करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कंपनी की कैप्टिव खदानों से प्रतिवर्ष 100 मिलियन टन लौह अयस्क उत्पादन सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे इस्पात उत्पादन की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ घरेलू बाजार की मांग को भी प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि मजबूत एवं सक्षम खनन परिचालन रॉ मटेरियल की निर्बाध उपलब्धता, लागत प्रतिस्पर्धात्मकता तथा सेल की दीर्घकालिक विकास रणनीति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सेल के प्रॉफिट में उल्लेखनीय वृद्धि के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दक्ष खनन संचालन, संसाधनों का इष्टतम उपयोग तथा लौह अयस्क उत्पादन में वृद्धि इस उद्देश्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने उत्पादकता, सुरक्षा तथा सतत खनन पद्धतियों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए एआई सहित डिजिटल प्रौद्योगिकियों के व्यापक उपयोग पर भी विशेष बल दिया। यह दौरा सुरक्षित, प्रौद्योगिकी-संचालित एवं सतत खनन प्रणाली के विकास के प्रति सेल की प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित करता है। साथ ही यह कंपनी की विस्तार योजनाओं को गति देने तथा 'आत्मनिर्भर भारत' के राष्ट्रीय विजन को साकार करने की दिशा में सेल के सतत प्रयासों का भी परिचायक है।

बीसीसीएल का पहला कोल नीर प्रोजेक्ट जल्द होगा शुरू : सीएमडी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। कोयला खनन करने वाली बीसीसीएल अब शुद्ध पेयजल बाजार में उतराने की तैयारी कर रही है। धनबाद के पुटकी में बीसीसीएल एक नया प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है। पुटकी-बलिहारी क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में करीब दो करोड़ रुपये की लागत से बन रहे बीसीसीएल के पहले 'कोल नीर प्रोजेक्ट' का सीएमडी मनोज अग्रवाल ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन वाटर बॉटलिंग प्लांट की प्रगति का जायजा लिया और पदाधिकारियों से परियोजना की पूरी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान बीसीसीएल के निदेशक (तकनीकी, योजना एवं परियोजना) संजय सिंह और निदेशक (वित्त) राजेश कुमार भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि प्लांट का उद्घाटन अगले एक सप्ताह के भीतर किया जाएगा। इस परियोजना के तहत खदानों से निकलने वाले भूमिगत पानी को अत्याधुनिक आरओ तकनीक से शुद्ध कर बोतलबंद किया जाएगा। कोल नीर प्रोजेक्ट के तहत 250 एमएल, 500 एमएल और एक लीटर की बोतलों में पेयजल तैयार किया जाएगा। बीसीसीएल के सीएमडी मनोज अग्रवाल ने बताया कि कोल इंडिया के अंतर्गत यह अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट है। शुरुआत में तैयार पानी का उपयोग बीसीसीएल के कार्यालयों और प्रतिष्ठानों में किया जाएगा। सीएमडी ने कहा कि यह परियोजना खनन क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले समय में इसे बाजार में भी उतारने की योजना है। धनबाद बीसीसीएल का यह कोल नीर प्रोजेक्ट न सिर्फ भूमिगत जल के उपयोग को बढ़ावा देगा बल्कि कंपनी की एक नई व्यावसायिक पहल के रूप में भी देखा जा रहा है।

सीसीएल सिरका चेकपोस्ट पर फायरिंग, दो गार्ड बाल-बाल बचे

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। रामगढ़ थाना क्षेत्र के सिरका स्थित सीसीएल चेकपोस्ट पर अपराधियों ने गोलीबारी की। इस घटना में सीसीएल गार्ड अनिल डोम और होमगार्ड चरवा उराव बाल-बाल बच गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और इसे लेवी से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ डीएसपी और थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने चेकपोस्ट पर गोली के निशान, टूटे शीशे और अन्य स्थलों का जायजा लिया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। बताया गया कि दो बदमाश आये थे जिनमें से एक ने कपड़े से चेहरा ढककर फायरिंग की जबकि दूसरा गिद्दी नईसराय मुख्य सड़क पर बाइक स्टार्ट कर खड़ा था। भागते समय बदमाशों ने सड़क पर एक हवाई फायरिंग भी की। यह सिरका में गोलीबारी की पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी अपराधी ऐसी घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। पूर्व में राहुल दुबे गैंग द्वारा भी फायरिंग की गई थी। सिरका कॉलोनी में कई बार लेवी को लेकर पर्चे भी छोड़े गए हैं।

हाइटेंशन तार से टकराया ताजिया, नौ लोग घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। जिले के कुसुमडीह गांव में मुहर्रम जुलूस के दौरान शनिवार को बड़ा हादसा हो गया जब ताजिया बिजली के हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गया। इस घटना में ताजिया उठा रहे नौ श्रद्धालु करंट की चपेट में आ गए जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गांव से ताजिया लेकर श्रद्धालु मेला स्थल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पांडेय दुकान के समीप सड़क के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार से ताजिया अचानक टकरा गया। तार के संपर्क में आते ही तेज करंट प्रवाहित हुआ और ताजिया पकड़े लोग झटके से गिर पड़े। घटना के बाद जुलूस में शामिल लोगों के बीच भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल भेजा। इस घटना में गांव निवासी रजाउल अंसारी गंभीर रूप से झुलस गए जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार हुआ है। सभी खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। अन्य घायलों को भी हल्की चोटें आई हैं जिनका इलाज स्थानीय स्तर पर किया गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय जनप्रतिनिधि और पूर्व मुखिया दिनेश मंडल अस्पताल पहुंचे और चिकित्सकों से बातचीत कर घायल के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित कराई।

नशे में धूत पुत्र ने ले ली पिता की जान

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। जिले के गोमिया प्रखंड के तिलैया पंचायत के कारीपानी गांव में रिश्ते को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। बताया जाता है कि अर्जुन करमाली शराब के नशे में धुत था। पिता जयलाल करमाली ने उसे फटकार लगाई। इसके बाद घर में रखी टांगी उठाई और अपने पिता के सिर पर वार कर दिया जिससे मौके पर ही मौत हो गई।

पीवीयूएनएल की तीसरी इकाई मार्च 2027 तक होगी चालू : एके सहगल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। पतरातु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की तीसरी इकाई से अगले वर्ष मार्च तक 800 मेगावाट बिजली का उत्पादन करने का काम शुरू हो जायेगा। यह बात पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एके सहगल ने शनिवार को प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पीवीयूएनएल की विद्युत उत्पादन क्षमता 1600 मेगावाट है। पहले चरण की तीसरी 800 मेगावाट इकाई को 15 मार्च 2027 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि पुराने ताप विद्युत संयंत्र के स्थान पर अत्याधुनिक सुपर क्रिटिकल एवं पर्यावरण अनुकूल संयंत्र स्थापित करने का उद्देश्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत पतरातू में 800-800 मेगावाट की कुल पांच इकाइयां स्थापित की जानी है। पहले चरण में तीन इकाइयों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें पहली इकाई पांच नवंबर 2025 को और दूसरी इकाई 25 जून 2026 को वाणिज्यिक उत्पादन से जुड़ चुकी है। तीसरी इकाई का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और इसे भी चालू वित्तीय वर्ष के भीतर उत्पादन से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं दूसरे चरण की शेष दो इकाइयों की स्वीकृति एवं निर्माण प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। रोजगार के मुद्दे पर सीईओ ने कहा कि पीवीयूएनएल की प्राथमिकता रामगढ़ जिले और झारखंड के स्थानीय युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराना है। निर्माण कार्य के दौरान परियोजना में करीब आठ से नौ हजार श्रमिक कार्यरत

थे। अब दो इकाइयों के चालू होने के बाद संचालन एवं अनुरक्षण (ओएंडएम) कार्यों में भी बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जा रहा है। अनुभवी स्थानीय कर्मियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्य से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष जुलाई से छह सहकारी समितियों का गठन किया गया है जिनसे वर्तमान में 400 से 550 लोग जुड़े हैं। भविष्य में इन समितियों को ओएंडएम कार्यों सहित अन्य गतिविधियों में भी अवसर दिए जाएंगे। फ्लाई ऐश आधारित उत्पादों के निर्माण के माध्यम से भी स्वरोजगार को बढ़ावा देने की योजना पर काम चल रहा है। महिला सशक्तिकरण के तहत 30 गांवों की 30 महिलाओं को 15 दिवसीय प्रशिक्षण देकर फ्लाई ऐश से सजावटी एवं उपयोगी उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया है। इन उत्पादों को झारक्राफ्ट सहित अन्य बाजारों से जोड़कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की योजना है। सीईओ ने बताया कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में विद्युत वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए रामगढ़ जिले के आसपास के गांवों के 20 युवाओं को जमशेदपुर स्थित प्रशिक्षण संस्थान में चार माह का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में 11 केवी ट्रांसफॉर्मर के रखरखाव के साथ सुरक्षा के सभी पहलुओं पर विशेष जोर दिया जा रहा है ताकि प्रशिक्षित युवा स्वरोजगार स्थापित कर सकें और राज्य की विद्युत व्यवस्था को भी सहयोग दे सकें। उन्होंने यह भी घोषणा की कि अगले तीन माह के भीतर पीवीयूएनएल प्लांट गेट से पतरातू रेलवे गेट तक मुख्य सड़क के किनारे सोलर हाईमास्ट/सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। इससे रात के समय आवागमन सुरक्षित होगा और स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी। मौके पर ईडी (प्रोजेक्ट) अनुपम मुखर्जी, जीएम (ओएंडएम) मनीष खेत्रपाल, जियाउर रहमान, अमित रौतेला, लाची गोला, सीएमओ शिप्रा रानी उपस्थित थे।

दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु समग्र कार्ययोजना पर होगा अमल : उपायुक्त

सड़क सुरक्षा प्राथमिकता : उपायुक्त और एसपी ने एनएच का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने पुलिस अधीक्षक ,पलामू कपिल चौधरी के साथ पोखराहा खुर्द स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-39 एवं पांकी मेदिनीनगर मार्ग के संगम (इंटरसेक्शन) का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जोड़ मार्ग (इंटरसेक्शन) का भी निरीक्षण कर सड़क सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक सुधारात्मक उपायों का आकलन किया तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि किसी भी सड़क दुर्घटना में होने वाली जनहानि केवल एक परिवार की ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की अपूरणीय क्षति होती है। उन्होंने कहा कि यह प्रशासन की सामूहिक जिम्मेदारी है कि सड़क अभिकल्पना, यातायात प्रबंधन तथा आवश्यक सुरक्षा उपायों के माध्यम से भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की

पुनरावृत्ति को रोका जाए तथा किसी भी व्यक्ति को मानवीय भूल अथवा तकनीकी कमियों के कारण अपने प्राण न गंवाने पड़ें। उपायुक्त ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक को निर्देश दिया कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों एवं दोनों ओर के संगम स्थलों पर भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के मानकों के अनुरूप चेतावनी संकेतक, दिशा-सूचक पट्ट, गति सीमा संबंधी सूचना पट्ट एवं परावर्तक सुरक्षा संकेत तत्काल लगाए जाएं। उन्होंने संगम स्थल पर आधुनिक यातायात संकेत (ट्रैफिक सिग्नल) स्थापित करने का निर्देश देते हुए कहा कि दोनों दिशाओं में सुव्यवस्थित संकेत प्रणाली विकसित की जाए, ताकि राष्ट्रीय राजमार्ग एवं राज्य मार्ग से आने-जाने वाले वाहनों का आवागमन सुरक्षित, नियंत्रित एवं सुचारु रूप से संचालित हो सके। उपायुक्त ने दृश्यता (विजिबिलिटी) बढ़ाने के लिए सड़क किनारे मौजूद अवरोधों को हटाने, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्पष्ट सड़क रोड मार्किंग, परावर्तक कैट्स-आई, चेतावनी पट्ट एवं अन्य आवश्यक सड़क सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया कि राज्य मार्ग से राष्ट्रीय राजमार्ग में मिलने वाले ढलानदार संपर्क मार्गों (स्लांटिंग रोड) के ढाल (ग्रेडियंट) को तकनीकी मानकों के अनुरूप कम किया जाए, ताकि मुख्य मार्ग पर प्रवेश करने से पूर्व वाहनों की गति नियंत्रित रहे और तीव्र त्वरण के कारण दुर्घटना की संभावना उत्पन्न न हो। उपायुक्त ने आवश्यक स्थानों पर गति अवरोधक (स्पीड ब्रेकर) एवं पुलिस बैरिकेडिंग का वैज्ञानिक एवं उपयुक्त ढंग से निर्धारण करने का निर्देश दिया, जिससे यातायात का प्रभावी प्रबंधन हो तथा दुर्घटनाओं की संभावना न्यूनतम हो। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक को निर्देश दिया कि स्थायी एवं दीर्घकालिक समाधान के लिए 10 जुलाई तक विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) में आवश्यक संशोधन कर क्षेत्रीय कार्यालय को अनुमोदन हेतु भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि संशोधित प्रतिवेदन में सड़क सुरक्षा अंकेक्षण (रोड सेफ्टी ऑडिट) की अनुशंसाओं, यातायात घनत्व, भविष्य की आवश्यकताओं तथा आधुनिक सड़क अभियांत्रिकी के सभी मानकों का समावेश किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन सड़क सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। दुर्घटना संभावित स्थलों की नियमित समीक्षा की जाएगी तथा सभी संबंधित विभागों के समन्वय से अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक सुधारात्मक कार्य समयबद्ध ढंग से पूरे कराए जाएंगे। उन्होंने आम नागरिकों से भी यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा सड़क संकेतों का अनुपालन करने की अपील करते हुए कहा कि सुरक्षित यातायात व्यवस्था प्रशासन और समाज, दोनों की साझा जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं अभियंता उपस्थित थे।

डीएसओ ने पीडीएस दुकानों एवं राज्य खाद्य निगम गोदामों का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रमोद कुमार द्वारा शनिवार को जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानों एवं राज्य खाद्य निगम (एसएफसी) गोदामों का निरीक्षण कर खाद्यान्न वितरण एवं भंडारण व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के क्रम में चैनपुर प्रखंड के जन वितरण प्रणाली विक्रेता अनिरुद्ध प्रसाद तथा सदर मेदिनीनगर प्रखंड के विक्रेता राजा कुमार गुप्ता की दुकान का निरीक्षण किया गया। इस दौरान दुकानों में उपलब्ध खाद्यान्न स्टॉक, राशन वितरण कार्य, लाभुकों के बीच नमक, चना दाल, धोती, साड़ी एवं लुंगी वितरण की स्थिति की जानकारी प्राप्त की गई। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने संबंधित विक्रेताओं को प्रतिदिन दुकान की साफ-सफाई सुनिश्चित करने, कार्डधारियों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न एवं अन्य सामग्री का नियमित वितरण करने तथा वितरण कार्य में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने का निर्देश दिया। इसके पश्चात जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा राज्य खाद्य निगम के चैनपुर एवं बैरिया, मेदिनीनगर स्थित गोदामों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गोदामों में खाद्यान्न के सुरक्षित भंडारण, रख-रखाव, साफ-सफाई व्यवस्था एवं अभिलेखों के संधारण की समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित सहायक गोदाम प्रबंधकों को खाद्यान्न का सुरक्षित एवं वैज्ञानिक तरीके से भंडारण सुनिश्चित करने, गोदाम परिसर की नियमित साफ-सफाई बनाए रखने, सभी पंजीयों का अद्यतन संधारण करने तथा गोदाम संचालन से संबंधित आवश्यक उपकरणों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत लाभुकों को समय पर एवं निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराना तथा खाद्यान्न की गुणवत्ता एवं सुरक्षा बनाए रखना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए वितरण केंद्रों एवं गोदामों में निर्धारित मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

पेपर लीक और नीट छात्रों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने केंद्र पर साधा निशाना

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। देशभर में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों एवं नीट छात्रों की समस्याओं को लेकर शनिवार को स्थानीय परिसदन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता देबू चटर्जी एवं अब्दुल करीम अंसारी ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया। प्रेस वार्ता में वक्ताओं ने कहा कि लगातार हो रहे परीक्षा पेपर लीक से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं ने छात्रों का विश्वास डगमगा दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार से परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी एवं सुरक्षित बनाने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा प्रभावित छात्रों को न्याय दिलाने की मांग की वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी छात्रों के हितों की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी और युवाओं के भविष्य से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर अशोक विश्वकर्मा, अहमद राजा, नूरी मनीर आलम, साबिर खान, निशब अहमद, राजेश तुरी, अमित भास्कर, धनंजय सिंह, जुनेद आलम एवं सोनू खान सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता में मौजूद नेताओं ने छात्रों की आवाज को मजबूती से उठाने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन जारी रखने का संकल्प भी व्यक्त किया।

मुहर्रम को लेकर प्रशासन रहा मुस्तैद

देर रात तक उपायुक्त व एसपी ने किया शहर का भ्रमण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय रहा। देर रात तक उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार तथा उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने शहर के विभिन्न संवेदनशील एवं प्रमुख क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था और विधि व्यवस्था का जायजा लिया भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों पुलिस पदाधिकारियों एवं सुरक्षा बलों को पूरी सतर्कता, संवेदनशीलता और समन्वय के साथ अपने दायित्वों

का निर्वहन करने का निर्देश दिया। साथ ही जुलूस मार्गों, चौक-चौराहों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए इस दौरान नगर आयुक्त विजय सिंह बीरूआ, अपर समाहर्ता वैभव कुमार सिंह, आईएएस प्रशिक्षु यश कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी भी मौजूद रहे। जिला नियंत्रण कक्ष से पूरे जिले में निकाले जा रहे मुहर्रम एवं ताजिया जुलूसों की लगातार मॉनिटरिंग की गई। विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों से प्राप्त सूचनाओं पर प्रशासन की सतत नजर रही, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उपायुक्त रामनिवास यादव और पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने जिलेवासियों से सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारा एवं शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सभी पर्व-त्योहारों को सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है प्रशासन की सतर्क निगरानी, सुरक्षा बलों की मुस्तैदी तथा आम नागरिकों, शांति समिति के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवकों और मीडिया के सहयोग से पूरे जिले में मुहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। जिला प्रशासन ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रखंडों में लगेगा विशेष ड्राइविंग लाइसेंस कैंप

अब घर के नजदीक मिलेगी लाइसेंस की सुविधा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने में होने वाली परेशानी से राहत देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सभी 13 प्रखंडों में विशेष दो-दिवसीय ड्राइविंग लाइसेंस कैंप आयोजित करने का निर्णय लिया है। उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर 1 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक चरणबद्ध तरीके से इन कैंपों का आयोजन किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य परिवहन सेवाओं को अधिक सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाना है ताकि लोगों को लाइसेंस बनवाने के लिए जिला मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। उपायुक्त रामनिवास यादव ने जिले के सभी पात्र युवाओं एवं वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने-अपने प्रखंड में निर्धारित तिथि पर आयोजित कैंप में पहुंचकर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया पूरी करें और इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को कैंप का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें कैंप के दौरान आवेदकों को एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आवेदन जमा करने, दस्तावेजों के सत्यापन, ऑनलाइन प्रक्रिया, ड्राइविंग टेस्ट तथा अन्य औपचारिकताओं के साथ-साथ मेडिकल जांच, ब्लड ग्रुप परीक्षण एवं शारीरिक फिटनेस प्रमाण-पत्र की भी व्यवस्था रहेगी। इसके लिए सभी प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारियों को आवश्यक चिकित्सकों एवं लैब तकनीशियनों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि प्रत्येक कैंप का आयोजन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बेंगाबाद में 1 एवं 2 जुलाई, जमुआ में 4 एवं 6 जुलाई, तिसरी में 8 एवं 9 जुलाई, देवरी में 10 एवं 11 जुलाई, गावां में 14 एवं 15 जुलाई, धनवार में 17 एवं 18 जुलाई, गिरिडीह सदर में 21 एवं 22 जुलाई, पीरटांड़ में 24 एवं 25 जुलाई, डुमरी में 27 एवं 28 जुलाई, बगोदर में 31 जुलाई एवं 1 अगस्त, बिरनी में 4 एवं 5 अगस्त, सरिया में 7 एवं 8 अगस्त तथा गांडेय में 12 एवं 13 अगस्त को संबंधित प्रखंड मुख्यालय में कैंप लगाए जाएंगे जिला परिवहन पदाधिकारी ने सभी आवेदकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने संबंधित प्रखंड परिसर में पहुंचकर इस विशेष ड्राइविंग लाइसेंस कैंप का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आज से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान शुरू

जिले के 4.91 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी जीवनरक्षक खुराक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार, 28 जून से किया जाएगा। तीन दिवसीय इस अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के 4,91,038 बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक दो बूंद पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के पहले दिन जिले के 2403 पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी, जबकि 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों को दवा पिलाएंगी, जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच पाएंगे।उपायुक्त रामनिवास यादव ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए सभी अभिभावक अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर अवश्य लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि 'कोई भी बच्चा न छूटे' अभियान की सफलता का मूल मंत्र है और पोलियो मुक्त समाज के निर्माण में जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि पोलियो मुक्त गिरिडीह के संकल्प को साकार करने के लिए हर स्तर पर सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया जाए अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में 4793 स्वास्थ्य कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इनके अलावा सुपरवाइजर, ट्रांजिट टीम एवं मॉनिटरिंग टीमों को भी तैनात किया गया है ताकि अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने वैक्सीन की उपलब्धता, सुरक्षित आपूर्ति और कोल्ड चेन व्यवस्था सहित सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस जनहितकारी अभियान में बढ़-चढ़कर सहयोग करें और अपने आसपास के सभी छोटे बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलवाएं, ताकि 'कोई भी बच्चा न छूटे, पोलियो को जड़ से मिटाएं' का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया जा सके।

कृषि के माध्यम से ही भारत को बना सकते हैं विश्व गुरू : स्वामी भावेशानंद

रांची में आयोजित प्राकृतिक खेती एवं श्री अन्न कार्यशाला में हुआ विचारों का आदान प्रदान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची स्थित दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र, मोराबादी में प्राकृतिक खेती एवं श्री अन्न (मिलेट्स) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन भाजपा किसान मोर्चा, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी भावेशानंद, भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी, सहित सैकड़ों किसानों ने सहभागिता की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए किसान मोर्चा, झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष पवन साहू ने किसानों से रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों के अंधाधुंध

उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रासायनिक खेती से मिट्टी की उर्वरा शक्ति लगातार घट रही है, उत्पादन लागत बढ़ रही है तथा मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाकर कम लागत में अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त करने का आह्वान किया। प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह ने श्री अन्न विशेषकर मडुवा (रागी) की खेती के महत्व, इसकी कम लागत, कम पानी में बेहतर उत्पादन तथा किसानों की आय बढ़ाने में इसकी उपयोगिता पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों में श्री अन्न की खेती किसानों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रही है। डॉ. बिसाखा सिंह ने श्री अन्न के पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्व पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मडुवा सहित अन्य मोटे अनाज कैल्शियम, आयरन, फाइबर एवं अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। उन्होंने श्री अन्न से तैयार विभिन्न खाद्य उत्पादों के नियमित सेवन से होने वाले स्वास्थ्य लाभों की जानकारी भी किसानों को दी। डॉ. अजित कुमार सिंह ने प्राकृतिक खेती में गोमूत्र, गोबर, बेसन एवं गुड़ से तैयार जैविक घोल एवं खाद के उपयोग की विधि तथा उसके लाभों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि इन प्राकृतिक संसाधनों से तैयार जैविक खाद मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने, फसल की गुणवत्ता सुधारने, उत्पादन लागत कम करने तथा पर्यावरण संरक्षण में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होती है। कार्यशाला में प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह, राजेश कुशवाहा, अरबिंद्र सिंह खुराना, विनोद ठाकुर, अजय मुंडा, राँची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, ग्रामीण जिला पूर्वी अध्यक्ष धीरज कुमार महतो, सुरेंद्र महतो, सज्जन कुमार पंकज, संजय मंडल, अबधेश दुबे एवं श्री बिट्टू सहदेव मणि शंकर, धर्मेंद्र सिंह, वृन्द साहू, सुनील साहू, पिंटू सिंह, रामकुमार महतो, परन महतो, अतुल कुमार दास, सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

मुहर्रम शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कटिहार। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार एवं नगर निगम आयुक्त संतोष कुमार की ओर से बेहतर व्यवस्था दिया गया। अधिकारियों ने मुहर्रम जुलूस मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, संवेदनशील स्थलों एवं आवश्यक प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा की। सभी संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बलों प्रतिनियुक्ति की गई। सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी अपने स्थलों पर उपस्थित होकर लगातार विधि व्यवस्था का संधारण किया। जिला नियंत्रण कक्ष सभी स्थलों से लगातार संपर्क स्थापित कर विधि व्यवस्था साधारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी पुलिस पदाधिकारी एवं काफी संख्या में सशस्त्र पुलिस बल विधि व्यवस्था का संधारण किया। मोहर्रम सभी स्थलों पर हर्षोल्लास वातावरण में शांति पूर्ण ढंग से

मनाया गया। जिला प्रशासन के द्वारा सुरक्षा की अभूतपूर्व व्यवस्था की गई है।चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात हैं। चार स्तरीय दंडाधिकारी जुलूस पर पैनी नजर बनाए हुए थे। असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए जिला प्रशासन चौकस रही। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और भाईचारे के वातावरण में मनाने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा व्यापक व्यवस्था की गई । इसके तहत सीसीटीवी कैमरा, ड्रोन सिविल ड्रेस में पुलिस लगातार निगरानी कर रही है। जिला से लेकर नगर निगम क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि निगम पार्षद जिन्होंने अपने अपने स्थानीय थाना क्षेत्र के थाना के अध्यक्ष एवं अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर बढ़ चढ़कर अपना सहयोग किया। इसके लिए सब बधाई के पात्र हैं। सबों ने जिला प्रशासन व नगर निगम का आभार व्यक्त किया। विधि व्यवस्था बनाये रखने में एडीएम डॉ. विनोद कुमार, डीडीसी अमित कुमार, एसडीओ प्रद्युम्न सिंह यादव, एसडीपीओ विशाल आनंद, नगर थानाध्यक्ष कुन्दन कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक हरेन्द्र कुमार, तरूण कुमार तरूनेश यातायात के मुकेश कुमार मंडल, दिनेश प्रसाद सहित अन्य पदाधिकारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देर रात तक शहर के आखाडा के खलीफा ने नगर थाना परिसर में लाठी के खेल का प्रदर्शन कर सम्मानित हुये।

अकीदत और परंपरा के साथ संपन्न हुआ पहलाम

मनिहारी/कटिहार। मोहर्रम के अवसर पर शनिवार को मनिहारी अनुमंडल क्षेत्र में अकीदत और परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ पहलाम की रस्म संपन्न हुई। विभिन्न अखाड़ों के ताजिए नगर के निर्धारित मार्गों से होते हुए कर्बला पहुंचे, जहां धार्मिक परंपरा के अनुसार पहलाम किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे और पूरे माहौल में गम, अनुशासन तथा आपसी भाईचारे की झलक देखने को मिली। पहलाम के दौरान लोगों ने हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की कुर्बानी को याद करते हुए उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश किया। अखाड़ों के सदस्यों ने परंपरा के अनुरूप धार्मिक रस्मों का निर्वहन किया और अमन, इंसानियत तथा भाईचारे का संदेश दिया।

कटिहार रेलवे यार्ड में चोरी का खुलासा

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। रेल सुरक्षा बल ने कटिहार रेलवे यार्ड में बड़ी कार्रवाई करते हुए डीजल लोकोमोटिव से चोरी की गई कॉपर वायर के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार इस संबंध में आरपीएफ ईस्ट पोस्ट में केस संख्या 17/26, धारा 3(ए) रेलवे संपत्ति अधिनियम के तहत दर्ज मामले दर्ज किया गया है। आरपीएफ इंस्पेक्टर विक्रम कुमार के नेतृत्व में एलएसआई सरिका कुमारी ने आरपीएफ टीम के साथ कटिहार यार्ड क्षेत्र में छापेमारी एवं घेराबंदी अभियान चलाया। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। जिसके पास से डीजल लोको से काटकर चोरी की गई कॉपर वायर बरामद हुई। वही पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 24 जून की रात कटिहार रेलवे यार्ड में खड़ी डीजल लोकोमोटिव से कॉपर वायर काटकर चोरी की थी। बरामदगी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

डीएम-एसपी ने लिया जुलूस मार्ग व कर्बला मैदान की सुरक्षा का जायजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

अररिया। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आया। शनिवार को अररिया के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने जोकीहाट का औचक दौरा कर अखाड़ों, जुलूस मार्गों और कर्बला मैदान का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, विधि-व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों का बारीकी से जायजा लेते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम और एसपी ने जुलूस मार्गों पर तैनात दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों से सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली। संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटने के लिए पूरी तैयारी

रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि मुहर्रम आपसी भाईचारे, अनुशासन और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक पर्व है तथा इसे शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों ने लगातार गश्त, ड्रोन एवं सीसीटीवी निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने तथा अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। आम लोगों से अपील की गई कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस या प्रशासन को सूचना दें। इधर, नगर पंचायत जोकीहाट में निकले भव्य मुहर्रम जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। पूरे जुलूस मार्ग पर सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम देखने को मिले। हर प्रमुख चौक-चौराहे पर पुलिस बल, दंडाधिकारी और वरीय अधिकारी तैनात रहे। पूरे जुलूस की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की गई।

भाजपा संगठन विस्तार को लेकर बैठक, मंडलों में 24 घंटे प्रवास करेंगे पदाधिकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भाजपा जिला महानगर की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को हरिचक स्थित जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष रंजीत राय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला एवं महानगर पदाधिकारियों के साथ सभी मंडल अध्यक्ष शामिल हुए। बैठक का संचालन महानगर महामंत्री संदीप डांगेच ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन महानगर महामंत्री सिकंदर हेम्ब्रम ने किया बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील सोरेन ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कहा कि सभी मंडल पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में 24 घंटे का प्रवास करेंगे। इस दौरान मंडल, शक्ति केंद्र एवं बूथ अध्यक्षों के साथ बैठक कर संगठन की मजबूती की रणनीति तैयार की जाएगी उन्होंने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव को देखते हुए ऐसे प्रभावशाली एवं सामाजिक जीवन से जुड़े लोगों से भी संपर्क किया जाए, जो जीत की क्षमता रखते हों। यदि वे अभी पार्टी से जुड़े नहीं हैं तो उन्हें भाजपा से जोड़ने का प्रयास किया जाए। उन्होंने एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रेविशन) अभियान के संबंध में कहा कि पात्र मतदाताओं का नाम किसी भी स्थिति में नहीं कटना चाहिए और अपात्र लोगों का नाम मतदाता सूची में नहीं जुड़ना चाहिए। इसके लिए बीएलओ-2 कार्यकर्ताओं को पूरी सतर्कता से कार्य करने के निर्देश दिए गए।जिलाध्यक्ष रंजीत राय ने बताया कि 7 जुलाई तक सभी मंडलों में बैठकें आयोजित की जाएंगी। प्रत्येक मंडल में प्रभारियों का प्रवास तय कर दिया गया है तथा सभी शक्ति केंद्रों के लिए भी प्रभारी नियुक्त किए गए हैं, जो वहां बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों को गति देंगे। उन्होंने रविवार को आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को अधिक से अधिक बूथों पर सामूहिक रूप से सुनने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए बैठक में जिला उपाध्यक्ष नवीन सिन्हा, देवराज, संगीता सेठ, जिला मंत्री सुरेश मंडल, गुड़िया देवी, कार्यालय मंत्री संत कुमार लल्लू, जिला मीडिया सह-प्रभारी राजेश जायसवाल, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष रंजीत बरनवाल, अनूप सिन्हा, हरिंदर सिंह बग्गा, मंडल अध्यक्ष अजय सिंह, केदार महतो, जयप्रकाश वर्मा, जयशंकर सिन्हा, सिंकु, कुंदन सिंह, राजेश गुप्ता, मनोज पांडेय, मनोहर यादव, खिरोधर दास, रघुनंदन कुमार कुशवाहा, सौरभ सागर मिश्रा, सोमनाथ पांडेय सहित दूलार चंद महतो, अनिल सिंह, हेमलाल प्रसाद वर्मा एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की तैयारियां पूरी, 30 जून से शुरू होगा गणना चरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-2026) के तहत 30 जून से शुरू होने वाले गणना चरण की तैयारियां जिले में पूरी कर ली गई हैं। अभियान के सफल, पारदर्शी एवं प्रभावी संचालन को लेकर शनिवार को खोरीमहुआ अनुमंडल कार्यालय में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जबकि बगोदर-सरिया विधानसभा क्षेत्र के सरिया कॉलेज में मतदान केंद्रवार प्रतिनियुक्त वॉलंटियर्स को प्रशिक्षण दिया गया खोरीमहुआ में आयोजित बैठक की अध्यक्षता धनवार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी समीर रेनियर खलखो ने की। बैठक में विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं बीएलए-1 ने भाग लिया। इस दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य, समय सारिणी, बीएलओ एवं बीएलए-2 की भूमिका तथा विभिन्न सत्यापन प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई बैठक में मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी दलों से अपने बीएलए-2 के माध्यम से बूथ स्तर पर बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर घर-घर गणना एवं सत्यापन कार्य में सहयोग करने की अपील की, ताकि अभियान का निष्पक्ष एवं त्रुटिरहित क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके इधर, बगोदर-सरिया विधानसभा क्षेत्र में अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में सरिया कॉलेज में मतदान केंद्रवार प्रतिनियुक्त वॉलंटियर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रक्रिया, वॉलंटियर्स की जिम्मेदारियां, मतदाता सत्यापन, प्रपत्रों के संधारण तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गई प्रशिक्षण का उद्देश्य गणना एवं सत्यापन कार्य को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी ढंग से पूरा करना है।

14 वार्ड पार्षदों के बहिष्कार के बाद नगर पंचायत अध्यक्ष का जवाब, बोले—विवाद नहीं, विकास हमारी प्राथमिकता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद, पलामू। हुसैनाबाद नगर पंचायत बोर्ड की बैठक का 16 में से 14 वार्ड पार्षदों द्वारा बहिष्कार किए जाने के बाद नगर पंचायत अध्यक्ष ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि नगर पंचायत का उद्देश्य किसी भी प्रकार के विवाद में पड़ना नहीं, बल्कि विकास कार्यों को गति देना और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

अध्यक्ष ने कहा कि बोर्ड की बैठक नगर के विकास, स्वच्छता, पेयजल, सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श के लिए बुलाई गई थी। बैठक का उद्देश्य विकास योजनाओं को गति देना तथा नगरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना था।उन्होंने कहा कि वर्तमान कार्यकाल में जनहित के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। विशेष रूप से पिछले दो माह के दौरान नगर क्षेत्र में व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाया गया है। विभिन्न वार्डों में नालियों की सफाई, कचरा निष्पादन, जलजमाव की समस्या के समाधान तथा स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने का कार्य किया गया है। उनके अनुसार नगरवासियों ने भी माना है कि बीते कई वर्षों की तुलना में पिछले दो महीनों में अभूतपूर्व स्तर पर सफाई एवं स्वच्छता संबंधी कार्य हुए हैं।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने जनप्रतिनिधियों से व्यक्तिगत और राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर नगरहित में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि विकास योजनाओं का लाभ समय पर जनता तक पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नगर पंचायत भविष्य में भी पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए विकास कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाती रहेगी। गौरतलब है कि हाल ही में आयोजित बोर्ड की बैठक का 16 में से 14 वार्ड पार्षदों ने यह आरोप लगाते हुए बहिष्कार किया था कि विकास योजनाओं के चयन एवं क्रियान्वयन में उनकी उपेक्षा की जा रही है और मनमाने ढंग से कार्य कराए जा रहे हैं। अध्यक्ष का यह बयान उसी घटनाक्रम के बाद सामने आया है, जिससे नगर पंचायत की आंतरिक खींचतान एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है।

दुष्कर्म के प्रयास का लगाया आरोप, एसपी से की न्याय की गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के बिसनी थाना क्षेत्र के कोलकियारी गांव की रहने वाली एक विवाहिता ने अपने ससुर पर दुष्कर्म का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह को आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।आवेदन के अनुसार, पीड़िता की शादी वर्ष 2019 में मंटू यादव से हुई थी। विवाहिता का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसके ससुर डेंगन यादव उस पर गलत नजर रखते थे। पति के काम के सिलसिले में बाहर रहने का फायदा उठाकर कई बार उसके साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया गया। विरोध करने पर पति द्वारा भी उसे चुप रहने की धमकी दी गई पीड़िता ने आवेदन में बताया है कि उसने पहले भी 4 जुलाई 2021, 24 सितंबर 2025 और 31 मार्च 2026 को बिसनी थाना में लिखित शिकायत दी थी। इसके अलावा गांव में कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन अब तक आरोपित के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई विवाहिता का आरोप है कि 8 अप्रैल 2026 की सुबह उसके ससुर उसके कमरे में घुस आए और उसके साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया। शोर मचाने पर वह वहां से भाग गए तथा उसे और उसके बच्चों को जान से मारने एवं पति की दूसरी शादी कराने की धमकी दी।पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपित के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

बीडीओ बने डीएवी सीसीएल गिरिडीह के पूर्व छात्र पंकज कुमार का विद्यालय में सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। डीएवी पब्लिक स्कूल, सीसीएल गिरिडीह के लिए गर्व का क्षण तब आया जब विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र पंकज कुमार ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में 351वां स्थान प्राप्त कर प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) के पद पर सफलता हासिल की। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय के साथ-साथ पूरे जिले का नाम गौरवान्वित हुआ है विद्यालय आगमन पर पंकज कुमार का शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि कड़ी मेहनत, लगन, धैर्य और माता-पिता का सहयोग ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने कहा कि असफलताओं से घबराकर कभी रुकना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें सीख मानकर आगे बढ़ते रहना चाहिए उन्होंने विद्यालय में बिताए अपने छात्र जीवन की यादों को साझा करते हुए कहा कि जीवन में सही समय पर लक्ष्य निर्धारित करना बेहद आवश्यक है। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसके प्रति निरंतर प्रयास किया जाए तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है विद्यालय के प्राचार्य ओमप्रकाश गोयल ने पंकज कुमार की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा और ज्ञान कभी व्यर्थ नहीं जाते। मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास से देर-सवेर सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि पंकज कुमार की उपलब्धि विद्यालय के वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है और उनसे अन्य छात्र भी अपने जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने की प्रेरणा लेंगे।

'ऑपरेशन सतर्क' के तहत सिंगरौली-पटना ट्रेन से 301 लीटर देसी शराब बरामद

हुसैनाबाद (पलामू) । रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे 'ऑपरेशन सतर्क' के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए सिंगरौली–पटना यात्री ट्रेन से 301 लीटर अवैध देसी शराब बरामद की है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत लगभग 47 हजार रुपये आंकी गई है। मामले में किसी तस्कर की गिरफ्तारी नहीं हो सकी, क्योंकि शराब लावारिस हालत में मिली। आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार गढ़वा रोड–सोननगर रेलखंड स्थित नवीनगर रेलवे स्टेशन पर विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सिंगरौली से पटना जा रही यात्री ट्रेन की तलाशी के दौरान कई संदिग्ध एवं लावारिस पैकेट मिले। जब पैकेटों की जांच की गई तो उनमें बड़ी मात्रा में देसी शराब की बोतलें बरामद हुईं।आरपीएफ ने काफी देर तक शराब के वास्तविक मालिक की तलाश की, लेकिन कोई भी व्यक्ति सामान पर दावा करने सामने नहीं आया। इसके बाद पूरी 301 लीटर अवैध शराब को जब्त कर अग्रेतर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई।

इस अभियान का नेतृत्व आरपीएफ पोस्ट नवीनगर के निरीक्षक प्रभारी राम विलास राम ने किया। कार्रवाई में उपनिरीक्षक जय प्रकाश प्रसाद, सहायक उपनिरीक्षक शिव शंकर यादव, आरक्षी राकेश कुमार, संतोष कुमार मिश्रा तथा संजीव कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई। संयुक्त टीम की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से अवैध शराब की बड़ी खेप को जब्त करने में सफलता मिली। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों के माध्यम से होने वाली अवैध तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से 'ऑपरेशन सतर्क' के तहत लगातार विशेष निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। यात्रियों से भी अपील की गई है कि किसी भी लावारिस अथवा संदिग्ध सामान को हाथ न लगाएं तथा उसकी सूचना तत्काल आरपीएफ को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बारात से लौट रहे व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। जिले के बसंतराय प्रखंड अंतर्गत मेदनीचक के समीप शनिवार सुबह हुए सड़क हादसे में बारात से लौट रहे एक व्यक्ति की मौत्र हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान ताला हेंब्रम (45 वर्ष), पिता भगन हेंब्रम, निवासी लीलातरी (थाना बोआरीजोर) के रूप में हुई है। वहीं घायल बाबूजी टुडू, निवासी चकरा (थाना ललमटिया) का इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, दोनों पथरगामा प्रखंड के मटिहानी गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। शनिवार सुबह करीब 7 बजे बाइक से अपने घर लौटने के दौरान मेदनीचक पुल के समीप उनकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और सड़क किनारे नदी के पास स्थित खाई में जा गिरी हादसे में ताला हेंब्रम गंभीर रूप से घायल होकर दूर जा गिरे, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाबूजी टुडू गंभीर रूप से घायल हो गए।

फासीवादी ताकतों को पीछे धकेलना मुख्य लक्ष्य : विनोद सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भाकपा (माले) के 28 और 29 जून को प्रस्तावित जिला सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेने बगोदर विधायक विनोद सिंह शनिवार को मधुबन पहुंचे। उन्होंने सम्मेलन स्थल और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा तैयारियों पर संतोष जताते हुए जहां-जहां कमी दिखी, उसे शीघ्र दुरुस्त करने का निर्देश दिया विनोद सिंह ने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य फासीवादी ताकतों को पीछे धकेलना और जनसरोकारों के मुद्दों पर व्यापक एकजुटता कायम करना है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में हजारों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक, शुभचिंतक और आम लोग शामिल होंगे। सभी आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है उन्होंने जानकारी दी कि 28 जून को विशाल रैली और आमसभा आयोजित होगी, जबकि 29 जून को प्रतिनिधियों के साथ संगठनात्मक एवं राजनीतिक विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाकपा (माले) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य शामिल होंगे। इसके अलावा आरा सांसद सुदामा प्रसाद, निरसा विधायक अरूप चटर्जी, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, पूर्व विधायक राजकुमार यादव, राज्य सचिव मनोज भक्त, पोलित ब्यूरो सदस्य जनार्दन प्रसाद सहित पार्टी के राज्य कमेटी के सदस्य और वरिष्ठ नेता भी सम्मेलन में भाग लेंगे। सम्मेलन की तैयारियों में जिला सचिव अशोक पासवान, किसान नेता पूरन महतो, नगर सचिव राजेश सिन्हा, मजदूर नेता कन्हाई पांडेय, अजीत राय, हराधन तुरी, सोहन महतो, मनोज महतो, योगेश्वर महतो, सूरज तुरी, बसंत कर्मकार, नागेश्वर महतो, भीम कोल, अरविंद टुडू समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। सम्मेलन को लेकर पूरे मधुबन क्षेत्र को लाल झंडों से सजाया गया है तथा मुख्य सड़कों के दोनों ओर भी पार्टी के झंडे लगाए गए हैं।

महिला कांग्रेस की बैठक, संगठन विस्तार और महिलाओं की भागीदारी पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष रमा खालको का शनिवार को गिरिडीह परिसदन में जिला महिला कांग्रेस कमेटी की ओर से भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद जिला महिला कांग्रेस की बैठक आयोजित हुई, जिसमें संगठन को पंचायत स्तर तक मजबूत करने और महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रमा खालको ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में आधी आबादी को अपने अधिकारों के लिए राजनीतिक रूप से आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए पंचायत स्तर तक संगठन को मजबूत करना आवश्यक है। इसके लिए जरूरत पड़ी तो वह स्वयं पंचायत स्तर तक जाकर संगठन को मजबूत करने का कार्य करेंगी उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ही सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सतीश केडिया, उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा, महिला कांग्रेस की निवर्तमान जिला अध्यक्ष दुर्गा शर्मा, ऋषीणता हेंब्रम, सविता देवी, किरण बाला किस्कू, अनीता देवी, लालमुनी बेसरा, ममता कुमारी, सरिता देवी, बड़की टुडू, पुरीकी मुर्मू, माया देवी, खुशबू देवी, सीमा देवी, किरण कुमारी, अनीता तिर्की, सविता कुजूर सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रमा खालको ने रिचा केडिया को पार्टी का पट्टा पहनाकर कांग्रेस की सदस्यता भी दिलाई।

पूर्वजों की खेती वाली जमीन पर फॉरेस्ट की ट्रेंचिंग से आदिम जनजाति चिंतित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गांडेय प्रखंड के बरमसिया-1 पंचायत अंतर्गत रसिकाबदार गांव में आदिम पुजहर जनजाति के पूर्वजों के समय से खेती की जा रही वन भूमि पर वन विभाग द्वारा ट्रेंच (खाई) खोदे जाने का मामला सामने आया है। इस कार्रवाई से ग्रामीणों में अपनी खेती-बारी और आजीविका को लेकर चिंता बढ़ गई है ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के नेता एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य राजेश यादव ने गांव का दौरा कर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने ग्रामीणों के साथ ट्रेंचिंग वाले क्षेत्र और पुराने खेतों का निरीक्षण किया। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रेंच कटिंग और कई खेतों में गड्ढे खोदे जाने के कारण अब वे खेती करने को लेकर आशंकित हैं राजेश यादव ने कहा कि वनाश्रित आदिवासियों, आदिम जनजातियों और अन्य गरीब परिवारों को अब तक वन भूमि का पट्टा नहीं मिलना सरकार की बड़ी विफलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की कार्रवाई से सरकार वनाश्रितों को उनके अधिकारों से वंचित करना चाहती है उन्होंने गांव की अन्य समस्याओं का भी उल्लेख करते हुए कहा कि घर-घर नल-जल योजना के तहत कनेक्शन दिए गए, लेकिन करीब एक वर्ष पहले बनी पानी टंकी से आज तक नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी। वहीं कई परिवारों को राशन के लिए दूसरे गांव जाना पड़ता है और अनेक राशन कार्डों में परिवार के सदस्यों के नाम अब भी नहीं जुड़े हैं फॉरवर्ड ब्लॉक नेता ने कहा कि गंभीर समस्याओं के बावजूद जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों की उपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो पार्टी आंदोलन करेगी। साथ ही ग्रामीणों से संगठित होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने और 30 जून को हूल दिवस के अवसर पर आयोजित फॉरवर्ड ब्लॉक के गांडेय प्रखंड सम्मेलन में भाग लेने की अपील की।इस मौके पर स्थानीय प्रभारी राजू पासवान समेत झरी भोगता, राजकुमार भोगता, सोमर भोगता, रामदेव भोगता, टिंकू भोगता, गुड़िया देवी, रीता देवी, कुलिया देवी, गुमरी देवी, रुपवा देवी, कमला देवी, चिंता देवी, प्रमिला देवी, ललिता देवी, धनिया देवी, यशोदा देवी, मुनिया देवी, भुखली देवी, कौशल्या देवी, मालती देवी, कालो देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि.
बोकारो इस्पात संयंत्र
बोकारो स्टील सिटी -827001, झारखण्ड, भारत

IMPORTANT NOTICE

To safeguard life and property and to ensure compliance with the provisions of the National Building Code (NBC), applicable Fire Safety Regulations, Electrical Safety Standards and other statutory requirements, all Plot & Shop holders/ owners who have been allotted plots / shops by Bokaro Steel Plant are hereby directed to ensure strict compliance with the following:

i. Adequate fire safety measures, with fire extinguishers and other firefighting equipment shall be kept in operational condition at all times.
ii. Wherever applicable, there should be a valid Fire Safety No Objection Certificate (Fire Safety NOC) and other statutory approvals obtained from the competent authorities.
iii. Adequate Emergency Exit(s) and safe evacuation arrangements shall be provided.
iv. The Buildings shall not depend solely upon a single narrow staircase for ingress and egress. Staircases, corridors, exits and escape routes shall remain free from any obstruction at all times.
v. All electrical installations shall conform to the prescribed Electrical Safety Standards.
vi. The occupancy of people, at any point of time, in the building shall not exceed its approved capacity. The premises shall be used only for the purpose for which it has been approved by the competent authority.
vii. In case any coaching institute, tutorial, library, hostel, office, Restaurants, commercial establishment or any other public activity is being operated from the premises, all applicable statutory safety requirements, including above, shall be strictly complied with.

Every plot & Shop holder/allottee shall submit a signed Undertaking (in letter Head or Non-judicial Stamp Paper of Rs.10/-), as provided by TA-LRA department, BSL by 11thJuly, 2026.

(Town Administration Department)

पंजीकृत कार्यालय : इस्पात भवन, लोदी रोड, नयी दिल्ली- 110003
कॉर्पोरेट आइडेंटिटी नम्बर L27109DL1973GO1006454 वेबसाइट www/sail.com

हर किसी की जिन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

वर्षों बाद नीतीश से मिले आरसीपी सिंह

नहीं दिखी गर्मजोशी, कयासों का दौर शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। *बिहार की राजनीति में शनिवार को उस समय हलचल तेज हो गई जब पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। लंबे समय से दोनों नेताओं के बीच चली आ रही दूरी के बाद हुई इस मुलाकात ने एक बार फिर आरसीपी सिंह की जेडीयू में संभावित वापसी की चचाओं को हवा दे दी है। हालांकि पार्टी की ओर से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।*

आरसीपी सिंह कभी नीतीश कुमार के सबसे करीबी सहयोगियों में गिने जाते थे, लेकिन वर्ष 2022 में दोनों के रिश्तों में आई खटास के बाद उन्होंने जेडीयू छोड़ दी थी। इसके बाद उन्होंने अलग राजनीतिक राह अपनाई और बाद में जन सुराज से भी जुड़े, लेकिन वहां भी उनकी सक्रियता ज्यादा दिन नहीं रही।

अब नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर नए कयास लगाए जा रहे हैं। मुलाकात के बाद आरसीपी सिंह ने कहा, 'हम तो जेडीयू में हैई हैं मानकर चलिए न... इंतजार कीजिए, समय-काल पर छोड़ दीजिए।'

उनके इस बयान को राजनीतिक हलकों में घर वापसी के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि उन्होंने औपचारिक तौर पर पार्टी में वापसी की घोषणा नहीं की।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बिहार में कुर्मी समाज जेडीयू का अहम आधार रहा है। ऐसे में आरसीपी सिंह जैसे प्रभावशाली कुर्मी नेता की वापसी से पार्टी अपने पारंपरिक सामाजिक समीकरण को मजबूत करने की कोशिश कर सकती है।

आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह मुलाकात राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सियासी गलियारों में यह चर्चा भी है कि पिछले कुछ समय से आरसीपी सिंह नीतीश कुमार से मिलने की कोशिश कर रहे थे।

कुछ राजनीतिक सूत्रों का दावा है कि इस मुलाकात की पृष्ठभूमि तैयार करने में कई स्तरों पर बातचीत हुई। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए इन्हें केवल राजनीतिक चचाओं के तौर पर ही देखा जा रहा है।

बताया जा रहा है कि आवास पर आरसीपी सिंह ने नीतीश कुमार का अभिवादन किया, जिसके बाद दोनों की संक्षिप्त मुलाकात हुई।

इस दौरान कोई लंबी राजनीतिक बातचीत सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आई। हालांकि दोनों नेताओं का एक फ्रेम में नजर आना ही बिहार की राजनीति में चर्चा का विषय बन गया।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि आरसीपी सिंह की जेडीयू में औपचारिक वापसी होगी या नहीं। लेकिन हालिया मुलाकात और उनके सार्वजनिक बयान ने इतना जरूर संकेत दिया है कि दोनों पक्षों के बीच संवाद फिर से शुरू हो चुका है।

अब आने वाले दिनों में जेडीयू की रणनीति और आरसीपी सिंह की अगली राजनीतिक चाल पर सभी की नजर रहेगी।

धारदार हथियार से भतीजे ने की चाचा की हत्या

केला काटने को लेकर हुई थी कहासुनी, चाची और चचेरा भाई गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। जिले के हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव में जमीन के पुराने विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि भतीजे ने अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर चाचा, चाची और चचेरे भाई पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस घटना में चाचा की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि चाची और चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मृतक की पहचान इस्माइलपुर निवासी स्वर्गीय लगन राम के 55 वर्षीय पुत्र आमोद राम के रूप में हुई है। वहीं, उनकी 50 वर्षीय पत्नी इंदु देवी और 28 वर्षीय पुत्र विकास कुमार का इलाज चल रहा है। इंदु देवी को बेहतर उपचार के लिए पटना रेफर किया गया है।

परिजनों के अनुसार, आमोद राम और उनके

भतीजे चंदन कुमार के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि शुक्रवार रात विवाद बढ़ने पर चंदन कुमार ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर आमोद राम, उनकी पत्नी और बेटे पर तलवार तथा अन्य धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद आमोद राम को मृत घोषित कर दिया, जबकि इंदु देवी की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें पटना रेफर कर दिया गया। विकास कुमार का इलाज जारी है।

मृतक की बेटी चंचल कुमारी ने आरोप लगाया कि घटना से पहले केला काटने की बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद चंदन कुमार और उसके परिवार के लोगों ने तलवार और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में उनके माता-पिता और भाई गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए शव को गांव ले गए और सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर स्थिति सामान्य कराने का प्रयास किया।

दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। पोक्सो के विशेष न्यायाधीश बीके श्रीवास्तव की अदालत ने मांडर थाना क्षेत्र में दो वर्ष पहले दो नाबालिग मौसेरी बहनों के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में शनिवार को अभियुक्त सुशील उरांव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अब उसे पूरा जीवन जेल में रहना होगा।

अदालत ने उस पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। अभियुक्त घटना के बाद 24 अप्रैल 2024 से न्यायिक हिरासत में है। मामले के दो आरोपित नाबालिग निकले। दोनों की मामले की सुनवाई जेजे बोर्ड में चल रही है।

सामूहिक दुष्कर्म की यह घटना 17 अप्रैल 2024 की है। दोनों नाबालिग पीड़ित बहनें चान्हो थाना क्षेत्र के हुंटार में आयोजित एक मेला देखने गई थी। मेला घूमने के दौरान उनके साथ दो नाबालिग आरोपित भी मौजूद थे। मेला समाप्त होने के बाद चारों एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर वापस लौट रहे थे। इसी बीच दोनों नाबालिग आरोपित युवतियों को बहला-फुसलाकर अपने घर ले गए। जब पीड़िताओं ने घर जाने की जिद की, तो आरोपितों ने थोड़ी देर में छोड़ देने का झांसा दिया। इसके कुछ ही देर बाद दोनों नाबालिग आरोपितों ने दोनों बहनों के साथ दुष्कर्म किया।

वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपितों ने अपने दोस्त सुशील उरांव को भी मौके पर बुला लिया। इसके बाद सुशील उरांव ने भी एक नाबालिग पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद किसी तरह एक पीड़िता आरोपितों के चंगुल से भाग निकली और अपने घर पहुंचकर परिजनों को आपबीती सुनाई। दूसरी पीड़िता को आरोपितों ने सुबह के वक्त बीजुपाड़ा-खलारी रोड स्थित जंगल के पास बाइक से छोड़ दिया था, जिसे बाद में बरामद किया गया।

फंदे से लटकी मिली किशोरी की लाश

पटना। जिले के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत बेलछी थाना क्षेत्र के कबीरचक गांव में शुक्रवार शाम 13 वर्षीय एक किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान सोनी पासवान की पुत्री हांसो कुमारी के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम जब परिवार के सदस्य घर के भीतर पहुंचे, तो उन्होंने हांसो कुमारी को फंदे से लटका हुआ देखा। परिजन तुरंत उसे नीचे उतारकर बचाने का प्रयास करने लगे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिवार के सदस्य रंजन कुमार ने बताया कि हांसो कुमारी पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ थी और मानसिक तनाव से भी गुजर रही थी। उनके अनुसार, इसी कारण उसने यह कदम उठाया। हालांकि, पुलिस ने अभी मौत के कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

घटना की सूचना मिलते ही बेलछी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

दो अनियंत्रित ट्रकों में भीषण टक्कर

कोल्ड ड्रिंक्स लूटने की मची होड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फतुहा। पटना के फतुहा थाना क्षेत्र में शनिवार को दो ट्रकों के बीच आमने-सामने हुई भीषण टक्कर के बाद अफरा-तफरी मच गई। हादसा फतुहा गांव के समीप कंचनपुर के पास हुआ, जहां टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गए। दुर्घटना के बाद एक ट्रक में लदी कोल्ड ड्रिंक की बोतलों को आसपास के ग्रामीण उठाकर ले जाने लगे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।ट्रक मालिक ने बताया कि ट्रक उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से करीब 18 टन कोल्ड ड्रिंक लेकर फतुहा की ओर आ रहा था। कंचनपुर के पास सामने से आ रहे दूसरे ट्रक से उसकी आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों ट्रक सड़क किनारे गड्ढे में पलट गए और ट्रक में लदा अधिकांश कोल्ड ड्रिंक सड़क पर बिखर गया। ट्रक मालिक के अनुसार, ट्रक में लदे कोल्ड ड्रिंक की कीमत करीब सात लाख रुपये थी। उनका आरोप है कि दुर्घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए और ट्रक से कोल्ड ड्रिंक की बोतलें उठाकर ले गए। उन्होंने दावा किया कि करीब सात लाख रुपये मूल्य का माल ग्रामीणों द्वारा ले जाया गया।

हादसे में ट्रक चालक प्रवीण यादव और खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को इलाज के लिए पास के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। फतुहा थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सुचारु कराने की कार्रवाई शुरू की।

मोबाइल चोरी के आरोप में युवक की पीट-पीटकर हत्या

परिवार के साथ देखने निकला था मुहर्रम जुलूस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। जिले के हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत चाणक्य कॉलोनी, पच्चीसकुरवा में मोबाइल चोरी के आरोप में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के रहीमापुर निवासी 31 वर्षीय संतोष पासवान के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई, जबकि परिवार में मातम छा गया।

परिजनों के अनुसार, शुक्रवार रात करीब आठ बजे संतोष पासवान अपने परिवार के साथ मुहर्रम का जुलूस और मेला देखने निकले थे। जुलूस देखने के बाद उन्होंने परिवार के अन्य सदस्यों को घर भेज दिया और खुद जढुआ करबला मेला देखने की बात कहकर चले गए। शनिवार सुबह उनका शव मिलने की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया।

संतोष पासवान ताड़ के पेड़ों से ताड़ी निकालकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। वह तीन भाइयों में से एक थे। उनके एक भाई की करीब एक वर्ष पहले हैदराबाद में सड़क दुर्घटना में मौत हो चुकी थी। अब संतोष की मौत के बाद परिवार के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही वैशाली के पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा और औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया

एसपी ने बताया कि 25 जून की रात औद्योगिक थाना क्षेत्र के पच्चीसकुरवा गांव में हत्या की घटना सामने आई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संतोष पासवान की मोबाइल चोरी के आरोप में पिटाई की गई, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण कर संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। मामले में शामिल आरोपियों की पहचान कर ली गई है। गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

न्याय दिलाने को ले सड़क पर उतरे लोग, थाने में दी गिरफ्तारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। बिहार के मुंगेर जिले के धरहरा थाना क्षेत्र स्थित सुंदरडीह भलार गांव में मां-बेटे के साथ हुई मारपीट का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज स्थानीय लोगों का आक्रोश शनिवार को सड़कों पर उतर आया। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने डाकबंगला से धरहरा बाजार होते हुए थाना परिसर तक जोरदार आक्रोश मार्च निकाला।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन की शिथिलता के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पीड़ित दिलखुश यादव को जल्द से जल्द न्याय दिलाने की मांग की। माहौल उस समय और गरमा गया जब थाने पहुंचकर कई प्रदर्शनकारियों ने सांकेतिक रूप से अपनी गिरफ्तारी देने की घोषणा कर दी। हालांकि, थानाध्यक्ष ने किसी भी प्रदर्शनकारी को हिरासत में नहीं लिया। मार्च का नेतृत्व सपा जिलाध्यक्ष पप्पू यादव ने किया।

मार्च के दौरान वक्ताओं ने स्थानीय पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी में अनावश्यक देरी की जा रही है। पुलिस के इस ढुलमुल रवैये के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आम जनता में भारी रोष है। नेताओं ने पुलिस प्रशासन को साफ चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही सभी आरोपियों को जेल नहीं भेजा गया, तो इस आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

गौरतलब है कि यह पूरा विवाद करीब एक महीने पुराना है। बीते 20 मई को खेत में काम कर रहे दिलखुश यादव और उनकी मां अनीता देवी के साथ आरोपियों ने बेरहमी से मारपीट की थी। इस घटना के संबंध में पीड़ित परिवार की ओर से चार नामजद समेत पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ धरहरा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

पेड़ से टकरायी कार, शराब की मची लूट

गोपालगंज। जिले के भोरे-कटेया मुख्य मार्ग पर शनिवार तड़के एक शराब से लदी कार सड़क हादसे का शिकार हो गई। उत्तर प्रदेश नंबर की तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर भोरे थाना क्षेत्र में हीरो एजेंसी के पास सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह जब ग्रामीण घरों से बाहर निकले तो सड़क किनारे दुर्घटनाग्रस्त कार दिखाई दी। पास जाकर देखने पर कार में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब रखी हुई मिली। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पुलिस के पहुंचने से पहले कई लोग कार से शराब की बोतलें निकालकर अपने साथ ले गए। देखते ही देखते वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया और शराब की बोतलें लेकर लोग अलग-अलग दिशाओं में चले गए।

घटना की सूचना मिलने पर भोरे थाना पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले कार सवार, कथित तस्कर और अधिकांश लोग वहां से जा चुके थे।

अधिकांश किसानों को नहीं मिल सका अनुदानित दर पर धान का बीज

किसानों ने जताई नाराजगी, महंगे दामों पर खरीदने को मजबूर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रोहतास। खरीफ सीजन की शुरूआत के साथ ही क्षेत्र के किसानों ने खेती की तैयारी तेज कर दी है। हालांकि सरकारी स्तर पर धान बीज का वितरण अब तक शुरू नहीं हो सका है। ऐसे में करीब 90 प्रतिशत किसानों ने बाजार से महंगे दाम पर धान का बीज खरीदकर बिचड़ा डाल दिया है। अब खेतों में बिचड़ा तैयार हो चुका है और किसान रोपनी के लिए पानी का इंतजार कर रहे हैं।

किसानों का कहना है कि यदि समय पर सरकारी बीज उपलब्ध हो जाता तो उन्हें काफी राहत मिलती। लेकिन कृषि विभाग की ओर से बीज वितरण नहीं होने के कारण मजबूरी में बाजार से अधिक कीमत देकर बीज खरीदना पड़ा।

किसानों के अनुसार खेती का मौसम किसी का इंतजार नहीं करता,

इसलिए उन्हें अपने स्तर पर व्यवस्था करनी पड़ी।

क्षेत्र में अधिकांश किसानों ने बिचड़ा डालने का काम पूरा कर लिया है। वहीं कई किसानों ने खेतों की जुताई भी शुरू कर दी है।

नहरी क्षेत्र में अगले एक सप्ताह के भीतर धान की रोपनी शुरू होने की संभावना है। किसान अब बारिश और सिंचाई के पानी का इंतजार कर रहे हैं।

पकड़ी गांव के किसान मदन मोहन तिवारी ने कहा कि सरकार किसानों की मदद की बात तो करती है, लेकिन समय पर सुविधाएं नहीं मिलतीं।

वहीं मंगरवलिया गांव के किसान अजय दुबे ने कहा कि हर साल किसानों का पंजीकरण कराया जाता है, लेकिन बीज समय पर उपलब्ध नहीं हो पाता। ऐसे में किसानों को बाजार पर ही निर्भर रहना पड़ता है।

छपरा गांव के योगेंद्र सिंह और सवैया के सतेंद्र सिंह समेत अन्य किसानों ने कहा कि अनुदान और सरकारी बीज के इंतजार में खेती नहीं की जा सकती।

मौसम के अनुसार काम करना पड़ता है, इसलिए किसानों को मजबूरी में महंगा बीज खरीदना पड़ा।

प्रखंड कृषि पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने बताया कि प्रखंड के लगभग 90 प्रतिशत किसानों ने धान का बिचड़ा डाल दिया है।

प्रखंड को 24 क्विंटल धान बीज का आवंटन मिला है, जिसमें 12 क्विंटल हाइब्रिड और 12 क्विंटल अनुदानित बीज शामिल है। हालांकि अब तक बीज की प्राप्ति नहीं हुई है, जिसके कारण वितरण शुरू नहीं हो सका है।

निबंधन कार्यालय में हाईटेक व्यवस्था शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बाढ़ में बिहार के पहले हाईटेक अवर निबंधन कार्यालय में अब नए सर्किल रेट के साथ जमीन की रजिस्ट्री शुरू हो गई है। अवर निबंधक रत्नामणि केसरी ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा जमीन के सर्किल रेट में की गई बढ़ोतरी के बाद अब इसी नई दर पर निबंधन किया जा रहा है। सरकार द्वारा जारी नई अधिसूचना के अनुसार, अनुमंडल के सातों प्रखंडों के शहरी क्षेत्रों में जमीन का सर्किल रेट दोगुना कर दिया गया है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर 1.6 गुना बढ़ाई गई है।

अवर निबंधक रत्नामणि केसरी ने बताया कि जब उन्होंने कार्यालय का कार्यभार संभाला था, तब भवन पूरी तरह जर्जर अवस्था में था। प्रतीक्षालय की व्यवस्था नहीं थी और लोगों को बैठने में काफी परेशानी होती थी। पहले एक ही काउंटर पर कई तरह के कार्य होते थे, जिससे असुविधा होती थी। निबंधन कार्यालय में पहले दिन लगभग 20 रजिस्ट्रियां नए रेट से हुईं। सामान्यतः बाढ़ निबंधन कार्यालय में प्रतिदिन 20 से 25 जमीनों की रजिस्ट्री होती है। उन्होंने कहा कि सभी रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी तरह पेपरलेस करने की तैयारी की जा रही है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी।

उन्होंने बताया कि अब प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग नौ काउंटर बनाए गए हैं। पहले स्टांप शुल्क जमा करने के लिए लोगों को बैंक जाना पड़ता था, लेकिन अब कार्यालय परिसर में ही बैंक काउंटर की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। सभी काउंटर आधुनिक टोकन डिस्प्ले सिस्टम से लैस हैं, जिससे लोगों को पारदर्शी और व्यवस्थित सेवाएं मिल रही हैं।

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर वर्ष 1937-38 में यहां अवर निबंधक के पद पर कार्यरत थे। उनके हस्तलिखित दस्तावेज आज भी सुरक्षित रखे गए हैं। उनकी स्मृति में कार्यालय की दीवारों पर उनकी रचनाएं प्रदर्शित की गई हैं।

धान के बिचड़े को वनसूअर कर रहे बर्बाद, रतजगा को मजबूर किसान

वन विभाग से सुरक्षा की गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेलागंज(गया)। बेलागंज थाना क्षेत्र के महादेव बिगहा गांव में इन दिनों वनसूअरों के आतंक से किसान बेहद परेशान हैं। जंगली सूअरों का झुंड रात के अंधेरे में खेतों में घुसकर धान की नर्सरी (बिचड़ा) को पूरी तरह बर्बाद कर रहा है। प्रभावित किसानों ने बताया कि कई एकड़ में लगी बिचड़े की फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी है। इससे किसानों के सामने खरीफ फसल की बुआई का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर वन विभाग ने जल्द ही इन जंगली सूअरों पर काबू नहीं पाया, तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

फसलों की बबार्दी के साथ-साथ गांव में सुरक्षा को लेकर भी भारी चिंता और डर का माहौल बना हुआ है। ये सूअर बेहद हिंसक हैं और रात के समय खेतों की रखवाली करने वाले किसानों पर हमला कर सकते हैं। अपनी जान और माल की सुरक्षा के मद्देनजर ग्रामीण रात-भर जागकर, हाथों

में लाठी-डंडे और टॉर्च लेकर खेतों की पहरेदारी करने को मजबूर हैं। अंधेरे में जंगली जानवरों के हमले के डर से अब लोग अकेले खेतों की तरफ जाने से भी कतरा रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर स्थानीय मुखिया और वन विभाग के अधिकारियों को लिखित शिकायत दी जा रही है। पीड़ित किसानों ने जिला प्रशासन और वन विभाग से तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। ग्रामीणों की मांग है कि वन विभाग की टीम तुरंत महादेव बिगहा गांव का दौरा करे और सूअरों को भगाने या पकड़ने के लिए ठोस कदम उठाए, ताकि किसानों की फसल और जान-माल दोनों सुरक्षित रह सकें।

भरत तिवारी के घर पहुंचे उप्र के कांग्रेस अध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय शनिवार को शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव पहुंचे। जहां उन्होंने कथित पुलिस एनकाउंटर में मारे गए भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने मामले की जानकारी ली और राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की।अजय राय ने दावा किया कि भरत तिवारी भ्रष्टाचार और व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाता था, इसलिए उसकी हत्या की गई। उन्होंने कहा कि 'वह व्यवस्था परिवर्तन की लड़ाई लड़ रहा था, मैं उसकी मां को नमन करता हूं, जिन्होंने ऐसे बेटे को जन्म दिया।'

उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में ब्राह्मण समाज को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के विकास दुबे प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि बिलौटी की घटना भी उसी प्रकार की है। उन्होंने बिहार सरकार को 'सुशासन नहीं, कुशासन की सरकार' बताया और कहा कि यदि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक उठाएगी।

अजय राय ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पीड़ित परिवार के किसी भी सदस्य को नुकसान पहुंचा, तो कांग्रेस पूरे देश में आंदोलन करेगी। इस अवसर पर पूर्व विधायक संजय तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी, जिलाध्यक्ष श्रीधर तिवारी, प्रखंड अध्यक्ष राजेश तिवारी, राकेश त्रिपाठी सहित कांग्रेस के कई स्थानीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। पुलिस द्वारा कथित तौर पर एनकाउंटर में मारे गए बिलौटी गांव निवासी भरत तिवारी के परिजनों से मिलने हरियाणा के कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स शनिवार को बिलौटी गांव पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना का 96 प्रतिशत काम पूरा

पंचायतों में लगी 11 लाख 25 हजार से अधिक सोलर स्ट्रीट लाइट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य की पंचायतों में 'मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन से लेकर मरम्मती, तकनीकी निगरानी एवं पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है। पंचायती राज विभाग ने स्पष्ट किया है कि योजना के अंतर्गत राज्य में कुल 11 लाख 73 हजार 740 सोलर स्ट्रीट लाइटों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके विरुद्ध 11 लाख 25 हजार 606 सोलर स्ट्रीट लाइटें पूर्ण रूप से लगाई जा चुकी है जो कुल लक्ष्य का लगभग 96 प्रतिशत है। इनमें से 10 लाख 59 हजार 753 सोलर स्ट्रीट लाइटें सेंट्रलाइज्ड मॉनिटरिंग सिस्टम (सीएमएस) से एकीकृत होकर रियल टाइम मॉनिटरिंग के दायरे में हैं। रिपोर्ट के अनुसार 72 घंटे से अधिक अवधि से खराब सोलर स्ट्रीट लाइटों की संख्या मात्र 1,090 है। वहीं 26,580 सोलर स्ट्रीट लाइटें सिग्नल लॉस श्रेणी में हैं। सोलर स्ट्रीट लाइटों की मरम्मती के लिए विभाग द्वारा कार्यकारी एजेंसियों के साथ सेवा स्तर समझौता किया गया है। इसके तहत किसी भी खराब सोलर स्ट्रीट लाइट की सूचना प्राप्त होने के 72 घंटे के भीतर मरम्मत अनिवार्य है। निर्धारित अवधि में मरम्मत नहीं होने की स्थिति में अनुबंध की शर्तों के अनुरूप संबंधित एजेंसी पर आर्थिक दंड लगाने का प्रावधान है।

जनभागीदारी के लिए ऐप

योजना में जनभागीदारी एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एमजीएसएसएलवाई-सीएमएस मोबाइल ऐप भी है। आम नागरिक इसके माध्यम से खराब स्ट्रीट लाइट की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। प्राप्त शिकायतों का ऑनलाइन अनुश्रवण कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। साथ ही राज्य के सभी जिला समाहरणालयों में एलईडी टीवी पर सीएमएस के माध्यम से इन लाइटों की कार्यशीलता से संबंधित अपडेटेड जानकारी निरंतर प्रदर्शित की जाती है। विभाग के क्षेत्रीय पदाधिकारी नियमित रूप से पंचायतों का निरीक्षण कर सोलर स्ट्रीट लाइटों की कार्यशीलता की समीक्षा करते हैं तथा आवश्यकतानुसार त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित कराते हैं।

हत्या और रंगदारी मांगने वाला आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हत्या, रंगदारी और शराब तस्करी का आरोपी करण यादव उर्फ करण मोड को एसटीएफ ने कंकड़बाग से गिरफ्तार कर लिया। उस पर पटना जिले के मालसलामी और चौक थाने में कुल आठ मामले दर्ज हैं। वह शहर में शराब तस्करी करता था। 11 मार्च को मालसलामी में भारी मात्रा में शराब मिली थी। एक तस्कर गिरफ्तार भी किया गया था। पुलिस पूछताछ में उसने बताया था कि अवैध धंधा करण यादव उर्फ करण मोड करता है। इस मामले में उस पर मालसलामी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। वह मूल रूप से मालसलामी थाना क्षेत्र के भैसानी का रहने वाला है। इसी थाना क्षेत्र में उसने एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी जबकि चौक थाना क्षेत्र में कई लोगों से रंगदारी मांगी थी। इस पर कुल आठ मामले दर्ज हैं।

डॉ. प्रेम कुमार ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से की शिष्टाचार मुलाकात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

श्रीनगर/पटना। जम्मू-कश्मीर के दौरे पर पहुंचे बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री डॉ. उमर अब्दुल्ला से शिष्टाचार मुलाकात की। मुख्यमंत्री आवास पर हुई इस मुलाकात के दौरान डॉ. उमर अब्दुल्ला ने डॉ. प्रेम कुमार का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाने, राज्यों के बीच बेहतर समन्वय तथा जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने संसदीय परंपराओं, सुशासन, विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी अपने विचार साझा किए। डॉ. प्रेम कुमार ने जम्मू-कश्मीर में विकास कार्यों, प्रशासनिक गतिविधियों और सामाजिक सौहार्द को लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के प्रयासों की सराहना की। वहीं, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष के जम्मू-कश्मीर आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों के जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान संघीय व्यवस्था को और मजबूत बनाता है। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने बिहार और जम्मू-कश्मीर के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक एवं लोकतांत्रिक संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और दोनों पक्षों ने भविष्य में भी आपसी सहयोग एवं संवाद बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिला वैश्य महासभा का प्रतिनिधिमंडल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। वैश्य महासभा बिहार के अध्यक्ष सह बिहार सरकार के धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य डॉ आनंद कुमार के नेतृत्व में पांच सदस्यीय पदाधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर आगे की रणनीति पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में वैश्य महासभा के प्रधान महासचिव दिलीप कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष डॉ अमित केसरी, महिला अध्यक्ष कोमल बरनवाल एवं आईटी सेल के प्रभारी कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर नीतीश कुमार के आवास जाकर बुके एवं मोमेंटो देकर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। कोमल बरनवाल ने नीतीश कुमार को शुभकामना देते हुए कहा उनके नेतृत्व में बिहार में महिलाओं को आरक्षण का लाभ मिला एवं अन्य विकास कार्य हुए। डॉ दिलीप गुप्ता एवं अमित केसरी ने बताया की नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री के द्वारा किए गए विकास कार्य बिहार के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।

नौवीं से 12 तक के विद्यार्थियों का बोर्ड परीक्षा के रजिस्ट्रेशन के लिए अपार आइडी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सरकार ने हाई स्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए फॉर्म भरने वाले विद्यार्थियों का अपार आईडी अनिवार्य कर दिया है। इसके बिना रजिस्ट्रेशन नहीं किया जाएगा। इसको लेकर बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के सचिव ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों के पास पत्र भेज कर 30 जून तक हर हालत में अपार आईडी बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने पत्र में कहा कि शिक्षा विभाग भारत सरकार ने विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का 30 जून 2026 तक अपार आईडी निर्माण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसको देखते हुए राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक द्वारा 9वीं से लेकर 12 वीं में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं का बोर्ड की परीक्षा के लिए होने वाले पंजीकरण में अपार आईडी और विद्यालयों का यू डायस कोड अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने सभी डीईओ को आदेश दिया है कि बोर्ड परीक्षा का रजिस्ट्रेशन के लिए अनिवार्य रूप से 30 जून तक सभी छात्र-छात्राओं का अपार आईडी का निर्माण किया जाए। ताकि कोई भी विद्यार्थी इसके बिना रजिस्ट्रेशन से वंचित नहीं रहे। बताया जाता है कि इसके पहले भी सभी डीईओ के पास पत्र भेजकर निर्देश दिया गया था। सरकार द्वारा अपार आईडी बनाने की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित किया गया है।

पंचायत विकास दिवस पर बिहार विधान सभा अध्यक्ष ने दीं शुभकामनाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

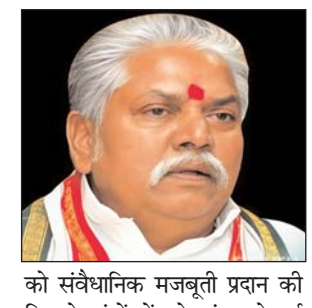

पटना। पंचायत विकास दिवस के अवसर पर बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने प्रदेशवासियों तथा पंचायती राज संस्थाओं से जुड़े सभी जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे मजबूत नींव ग्राम पंचायतें हैं और गांवों के विकास, जनभागीदारी तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों के सर्वांगीण विकास के बिना विकसित बिहार तथा विकसित भारत का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि संविधान के 73वें संशोधन ने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक मजबूती प्रदान की जिससे गांवों में लोकतंत्र को नई ऊर्जा मिली। आज बड़ी संख्या में महिला प्रतिनिधियों सहित लाखों निर्वाचित जनप्रतिनिधि पंचायतों के माध्यम से जनसेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ग्रामीण सड़क, स्वच्छता, पेयजल, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल सेवाएं, मनरेगा और आजीविका जैसी योजनाओं के जरिए गांवों का जीवन स्तर बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। पंचायत प्रतिनिधियों से उन्होंने पारदर्शिता, ईमानदारी और जनसेवा की भावना के साथ विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के अनुरूप गांवों के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर गांव के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि मजबूत पंचायतें ही मजबूत राज्य और मजबूत राष्ट्र की आधारशिला हैं।

स्वामी सहजानंद महान समाज सुधारक और किसानों के सच्चे नेता थे : प्रमोद चंद्रवंशी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना स्थित जगजीवन राम शोध संस्थान में किसान नेता एवं महान समाज सुधारक दंडी स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजीत कुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम की शुरुआत दंडी स्वामी सहजानंद के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई।

इस अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि स्वामी सहजानंद जी केवल एक संत ही नहीं, बल्कि महान समाज सुधारक और किसानों के सच्चे नेता थे। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने बिहार की धरती से किसानों के अधिकारों की लड़ाई को राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरूप दिया और जमींदारी उन्मूलन के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि स्वामी सहजानंद जी ने बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह को भी जमींदारी उन्मूलन लागू करने के लिए प्रेरित एवं बाध्य किया। उन्होंने पूरे देश में किसानों को संगठित कर केंद्र और राज्य सरकारों को किसानों के हित में निर्णय लेने के लिए मजबूती प्रदान की। श्री चंद्रवंशी ने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वामी सहजानंद जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए किसान और मजदूर दोनों को सशक्त बनाने का कार्य कर रहे हैं। एक ओर किसानों को उचित मूल्य, किसान सम्मान निधि एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर देश के 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है तथा रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वामी सहजानंद जी के संघर्ष और विचारों को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रसेवा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। देश की युवा पीढ़ी को स्वामी सहजानंद जी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को पूरा करने में अपना सक्रिय योगदान देना चाहिए।

एमएसएमई क्षेत्र में बिहार को नई पहचान दिला रहे हैं जीतन राम मांझी : डॉ. संतोष कुमार सुमन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी के नेतृत्व में बिहार औद्योगिक विकास के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। पहली बार बिहार में अत्याधुनिक एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना हो रही है जो राज्य के युवाओं, स्टार्टअप, कारीगरों एवं लघु उद्यमियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा। इसके साथ ही मुजफ्फरपुर, रोहतास, दरभंगा और मुंगेर में एक्सटेंशन सेंटर की शुरुआत से तकनीकी सेवाएं अब केवल राजधानी तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि पूरे बिहार के उद्यमियों तक पहुंचेंगी। डॉ. सुमन ने कहा कि वर्षों तक बिहार के युवाओं और उद्यमियों को आधुनिक मशीनों, डिजाइन, परीक्षण, उत्पाद विकास तथा तकनीकी प्रशिक्षण के लिए दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ता था। अब यह सुविधा बिहार में ही उपलब्ध होगी। इससे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की लागत घटेगी, उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ेगी तथा स्थानीय उद्योगों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का उद्देश्य केवल उद्योग स्थापित करना नहीं, बल्कि छोटे उद्यमियों को तकनीक, प्रशिक्षण, गुणवत्ता प्रमाणन, विपणन और सरकारी खरीद से जोड़ना है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों को विशेष अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में भी मंत्रालय उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। डॉ. सुमन ने कहा कि आज एमएसएमई क्षेत्र देश के करोड़ों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने वाला सबसे बड़ा क्षेत्र बन चुका है। ऐसे समय में बिहार में टेक्नोलॉजी सेंटर और एक्सटेंशन सेंटर की स्थापना राज्य के औद्योगिक भविष्य को नई दिशा देने वाला कदम है। इससे युवाओं को रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और 'मेक इन बिहार' की अवधारणा को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी पूरे देश के साथ साथ बिहार की धरती पर प्रभावी रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। बिहार के छोटे उद्यमियों को अब अपने उत्पादों के विकास, गुणवत्ता सुधार, आधुनिक तकनीक और बाजार तक पहुंच के लिए राज्य से बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी। यह बिहार की औद्योगिक प्रगति और रोजगार सृजन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। डॉ. सुमन ने केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी एवं बिहार सरकार के इस प्रयास की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में बिहार देश के प्रमुख एमएसएमई राज्यों में अपनी मजबूत पहचान बनाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी से मिला केवाइपी वेलफेयर सोसाइटी का प्रतिनिधिमंडल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना / वैशाली। केवाईपी वेल्फेयर सोसाइटी, वैशाली के एक प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं वर्तमान उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी से शिष्टाचार मुलाकात कर राज्य में संचालित केवाईपी (कुशल युवा कार्यक्रम) प्रशिक्षण केंद्रों के नवीकरण एवं नए नामांकन की लंबित प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने दोनों वरिष्ठ नेताओं को अवगत कराया कि नवीकरण एवं नामांकन की प्रक्रिया लंबित रहने से राज्य के लगभग 1800 केवाईपी केंद्र प्रभावित हैं। इसके कारण हजारों युवाओं का कौशल प्रशिक्षण बाधित हो रहा है तथा केंद्र संचालकों को भी आर्थिक एवं प्रशासनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने जनहित एवं युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस प्रक्रिया को शीघ्र प्रारंभ कराने का अनुरोध किया। केवाईपी वेल्फेयर सोसाइटी, वैशाली के अध्यक्ष डॉ. आनंद रंजन झा ने बताया कि दोनों नेताओं से प्राप्त जानकारी के अनुसार केवाईपी केंद्रों के नवीकरण एवं नामांकन से संबंधित मामला अब सरकार के उच्च स्तर पर विचाराधीन है। आवश्यक उच्च स्तरीय निर्णय लिए जाने के उपरांत ही नवीकरण एवं नए नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि केवाईपी वेल्फेयर सोसाइटी इस विषय पर लगातार सरकार एवं संबंधित विभाग के संपर्क में है तथा सकारात्मक एवं शीघ्र निर्णय की अपेक्षा कर रही है। सोसाइटी का मानना है कि नवीकरण एवं नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने से राज्य के हजारों युवाओं को पुनः कौशल विकास प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा और केवाईपी केंद्रों का संचालन भी सुचारु रूप से प्रारंभ हो सकेगा। प्रतिनिधिमंडल में केवाईपी वेल्फेयर सोसाइटी, वैशाली के अध्यक्ष डॉ. आनंद रंजन झा, ई. रवि कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, सरोज कुमार, चंदन कुमार, आभास चन्द्र, मिरेन्द्र प्रसाद, बृजेश कुमार, धर्मदेव पासवान, मो. अमजद, विपिन कुमार सिंह, मनीष कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

आरा जंक्शन होकर गुजरने वाली चार जोड़ी समर स्पेशल के फेरों में वृद्धि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गर्मी के मौसम में लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी सूचना है। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए आरा जंक्शन होकर गुजरने वाली चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। रेलवे की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार गाड़ी संख्या 09151/09152 उधना-मधुबनी द्विसाप्ताहिक समर स्पेशल का संचालन अब 31 जुलाई तक किया जाएगा। इसके अलावा गाड़ी संख्या 09343/44 डॉ आंबेडकर (इंदौर)-पटना साप्ताहिक स्पेशल को 31 जुलाई तक बढ़ाया गया है।

प्रो. शिवनारायण काशी में प्रतिष्ठित सृजन शिखर सम्मान से सम्मानित, साहित्यकार-लेखकों ने दी बधाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रसिद्ध कवि, आलोचक एवं संपादक प्रो. शिवनारायण को नांदी सेवा न्यास, वाराणसी द्वारा आजीवन हिंदी भाषा एवं साहित्य की सेवा के लिए वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित राजेन्द्र प्रसाद पांडेय सृजन शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डा. माधव कौशिक एवं साहित्य आजतक के संपादक जयप्रकाश पांडेय ने एक समारोह में उन्हें सम्मान पत्र, प्रतीक चिह्न एवं एक लाख रुपये की मानद राशि अर्पित किया। प्रो शिवनारायण को राजेन्द्र प्रसाद पांडेय सृजन शिखर सम्मान-2026 प्रदान किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पीपीयू के कुलपति प्रो उपेंद्र प्रसाद सिंह, कुलसचिव प्रो अबु बकर रिजवी, साहित्यकार- लेखक अशोक कुमार सिन्हा, डॉ ध्रुव कुमार, डॉ राधे श्याम तिवारी, ममता मेहरोत्रा, निविड़ शिवपुत्र, गोरख प्रसाद मस्ताना, चितरंजन भारती, रूबी भूषण एवं लेखक- संपादक प्रभात वर्मा सहित अनेक साहित्यकारों ने उन्हें बधाई दी। गौरतलब है कि प्रो शिवनारायण पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय स्थित श्रीअरविंद महिला कालेज में स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के अध्यक्ष हैं और साहित्यिक पत्रिका नयी धारा का 1990 से संपादन कर रहे हैं। उनकी अब तक 58 पुस्तकें हो चुकी है।

जरूरतमंदों के बीच खिचड़ी व हनुमान चालीसा का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सम्राट अशोक फाउण्डेशन के तत्वावधान में दारोगा प्रसाद राय स्थित पूर्व विधान पार्षद आजाद गांधी के कार्यालय में जरूरतमंद लोगों के बीच खिचड़ी व हनुमान चालीसा का वितरण किया गया। इस मौके पर सम्राट अशोक फाउण्डेशन के अध्यक्ष निरंजन कुशवाहा पप्पू ने कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि नर सेवा की सेवा ही नारायण की सच्ची सेवा है। इसी को देखते हुए सम्राट अशोक फाउण्डेशन ने जरूरतमंदों की सेवा का संकल्प लिया है और उनके लिए शनिवार के दिन खिचड़ी, चोखा और पापड़ बनवाकर उनको भोजन कराकर उनकी आत्मा को तृप्ती प्रदान की है। साथ ही उनको हनुमान चालीसा का बुक देकर उनको कलियुग के देवता हनुमान जी की भक्ति से जुड़ने का आगह किया है। उन्होंने कहा कि आगे मंगलवार 30 जून को पटना के राजवंशी नगर स्थित पंचरूपी हनुमान मंदिर के पास बड़े पैमाने पर हनुमान चालीसा का वितरण और गरीब व जरूरतमंद लोगों को पूड़ी, सब्जी व बुंदिया खिलाया जायेगा। मौके पर पूर्व विधान पार्षद सह वरिष्ठ भाजपा नेता आजाद गांधी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पांच वर्षों में इवी की खरीद में करीब 10 गुना उछाल

राज्यभर के निबंधित वाहनों में छह प्रतिशत इवी, हर साल बढ़ रहा यह ट्रेंड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विश्व स्तर पर पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमत और महंगाई के बीच बिहार में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने का सिलसिला तेजी से बढ़ रहा है। परिवहन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पांच वर्षों में इवी की खरीद में लगभग 10 गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2020 में जहां ईवी की संख्या 12,400 के करीब थी, वहीं बीते वर्ष करीब 1 लाख 23 हजार के आंकड़ें को छू चुकी है। इस दौरान राज्य में निबंधित कुल 81 लाख 68 हजार वाहनों में से लगभग 6 प्रतिशत यानी 4 लाख 83 हजार ईवी हैं। यह आंकड़ा न केवल बिहार की बदलती परिवहन संस्कृति को दर्शाता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम भी साबित हो रहा है। वर्ष 2021 में ईवी के निबंधन में 85.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और आंकड़ा 23 हजार के पार पहुंच गया। 2022 में भी इसमें भारी उछाल आया और संख्या 55,700 से अधिक हो गई। वर्ष 2023 में राज्य सरकार की ओर से ईवी नीति लागू होने के बाद यह आंकड़ा करीब 90 हजार पहुंच गया। वर्ष 2024 में संख्या बढ़कर 1 लाख 12 हजार से अधिक हो गई। चालू वर्ष 2026 में अब तक राज्यभर में 8 लाख वाहन पंजीकृत किए गए हैं जिनमें ईवी की संख्या करीब 68 हजार है।

2030 तक शीर्ष ईवी वाले राज्यों में होगा बिहार : मंत्री

परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने इस बदलते ट्रेंड को पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक ईवी को अपना रहा है। यह ट्रेंड पर्यावरणीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे वायु प्रदूषण कम होगा, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटेगी और स्वच्छ ऊर्जा से आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ वातावरण मिलेगा। राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है। यदि यह वृद्धि दर बनी रही तो हम 2030 तक ईवी अपनाने वाले शीर्ष राज्यों में शामिल हो सकते हैं। आम नागरिकों से अपील है कि वे पर्यावरण अनुकूल परिवहन के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। मंत्री ने आगे कहा कि ईवी को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन (संशोधन) नीति, 2026 लागू की गई है। इसके अंतर्गत 'पर्यावरण अनुकूल परिवहन रोजगार योजना' चल रही है जिसमें दोपहिया, तिपहिया और चार पहिया ईवी खरीदने पर अनुदान दिया जा रहा है। साथ ही प्रदेशभर में सार्वजनिक, निजी और व्यावसायिक संस्थानों में ईवी चार्जिंग स्टेशन नेटवर्क विकसित करने के लिए भी अलग से अनुदान का प्रावधान है। पटना, गया, मुजफ्फरपुर, भागलपुर समेत प्रमुख शहरों में चार्जिंग स्टेशन तेजी से लगाए जा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य है कि अगले दो वर्षों में राज्य में कम से कम 500 चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएं।

संपादकीय

लखनऊ जैसे हादसे एक चिंताजनक परिपाटी का संकेत दे रहे हैं

हादसे छोटे हों या बड़े - किसी भी मामले में अगर कोताही न बरती जाए, नियमों को लेकर सख्ती की जाए, तो काफी हद तक ऐसे हादसों को टाला जा सकता है। जरूरत गंभीरता से कार्रवाई करने की है। जैसे ही कोई हादसा होता है, धड़ाधड़ सूचनाएं आने लगती हैं कि कैसे नियमों के अनुपालन में कोताही बरती गई और सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देशों की अनदेखी की गई। भवन निर्माण की मंजूरी, सुरक्षा मानकों के अनुपालन, निरीक्षण तंत्र, अग्नि सुरक्षा मंजूरी और विभिन्न विभागों की लापरवाही को लेकर असंख्य तथ्य सामने आने लगते हैं।लखनऊ के अलीगंज हादसे को लेकर भी खबरें आ रही हैं। नियमों के अनुपालन में सख्ती के दावे अधिकारी कर रहे हैं। कई स्तर पर कार्रवाई की सूचनाएं प्रशासन जारी कर रहा है।अहम सवाल है कि अगर खामियों के बारे में पहले से सब कुछ पता रहता है, तो किस मजबूरी में प्रशासन ने इस मामले में अब तक आंखें बंद कर रखी थीं? ऐसे हादसों में नियमों के उल्लंघन को लेकर सवाल उठते हैं। कुछ दिनों तक जांच चलती है और खामोशी छा जाती है। जांच में ऐसी कोताही अस्वीकार्य होनी चाहिए।दरअसल, इस तरह के हादसे मौजूदा दौर में सेवा क्षेत्र के इर्द-गिर्द फलती-फूलती शिक्षा अर्थव्यवस्था, अनियोजित शहरी विस्तार और नियमन की विफलताओं को प्रतिबिंबित करते हैं। कम पूंजी निवेश में मोटे मुनाफे के लालच में नियमों को ताक पर रखा जा रहा है। ऐसे उल्लंघन पूरे भारत में आम हैं, जहां व्यावसायिक और शैक्षिक प्रतिष्ठान बुनियादी सुरक्षा मानदंडों की अनदेखी कर रहे हैं।लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के जो तथ्य सामने आए हैं, उनसे पता चलता है कि लगभग एक दशक पहले कथित अनधिकृत निर्माण के आरोप में अलीगंज की संपत्ति को गिराने की कार्रवाई शुरू की गई थी। इसे एलडीए आवास योजना के तहत आबंटित किया गया और बाद में बेचा गया था। इसे 2014 में आवासीय संरचना के रूप में मंजूरी दी गई थी।एलडीए ने अवैध निर्माण का पता चलने पर मई 2016 में गिराने का आदेश जारी किया, लेकिन दो महीने के भीतर ही आदेश वापस ले लिया। इन सवालों के जवाब सामने नहीं आए हैं कि विध्वंस के आदेश पर अमल क्यों नहीं हुआ? इसे वापस क्यों लिया गया?लखनऊ जैसे हादसे एक चिंताजनक परिपाटी का संकेत दे रहे हैं। अधिकांश योजनाओं और भवन उपनियमों में मिश्रित उपयोग वाले निर्माण की अनुमति दी जाती है, बशर्ते ऐसी इमारतें अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करती हों।लखनऊ के हादसे से स्पष्ट है कि दशकों तक गैर-कानूनी तरीके से आवासीय इमारत में कोचिंग संस्थान और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चलती रहीं और प्रशासन सोता रहा। आए दिन होने वाले अग्निकांड से कोई सबक नहीं सीखा गया। प्रत्येक आपदा से मिलने वाले सबक सीमित रह जाते हैं। घटना के तुरंत बाद इमारत को सील करने और नोटिस देने का जो सिलसिला शुरू होता है, वह महज एक नियमित प्रक्रिया है। जांच की कवायद कुछ दिनों बाद ठंडे बस्ते में चली जाती है।

यह वह पृष्ठभूमि है, जिसके सापेक्ष मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हुए बदलावों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। 2017 में सत्ता संभालने के बाद उन्होंने वह धरातल तैयार करने के बारे में सोचा, जो उद्मियों को भरोसा दे सके। यह भरोसा तभी संभव था जबकि कानून व्यवस्था में सुधार हो, नौकरशाही अपना चरित्र बदले और वे सारे संसाधन प्रत्यक्ष दिखाई दें जो किसी भी उद्यमी की जरूरत होते हैं। सोच को संकल्प मिला तो संभावनाएं भी बनीं और 2018 में हुए यूपी इन्वेस्टर्स समिट में 4.28 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों ने देश-दुनिया में यह संदेश दे दिया कि सीएम योगी के नेतृत्व में अब यूपी सही राह पर है।

देश का निवेश हब बनता यूपी

(डा. अतुल सरन)

चाणक्य ने कहा है-'अर्थस्य मूलं राज्यम्, राज्यस्य मूलं इन्द्रियजयः।' आशय यह कि किसी भी राज्य की संपन्नता का मूल उसकी सुदृढ़ अर्थव्यवस्था में है और अर्थव्यवस्था का मूल नेतृत्व के अनुशासन और दृढ़ता में है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नौ साल से अधिक कार्यकाल का आकलन करें तो राज्य की संपन्नता का चाणक्य सूत्र अपनी पूरी अवधारणा में साकार होता दिखाई देता है। राज्य में यदि पूंजी का प्रवाह बढ़ रहा है तो यह दीर्घकालिक संभावनाओं, सुरक्षा, स्थिरता और सुशासन की दिशा में बढ़ता हुआ कदम है। बेंगलुरु में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर होना, राज्य में पूंजी प्रवाह की श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। यह सिर्फ आर्थिक उपलब्धि ही नहीं, बदलती हुई प्रशासनिक सोच, वैश्विक मंच पर बढ़ते विश्वास और एक ऐसे राज्य का शंखनाद है जो देश के आर्थिक मोर्चे पर अब सिर उठाकर खड़ा है। ऐसा राज्य जो उपभोक्ता ही नहीं, प्रदाता व सृजनकर्ता भी है। उत्तर प्रदेश में हुए इस बदलाव के मूल मंत्र की ओर जाएं तो एक लाइन में हम यह कह सकते हैं कि राज्य ने अपनी सामूहिक सामर्थ्य को पहचान लिया है। और, जब हम अपनी सामर्थ्य को पहचान लेते हैं तो प्रगति के अनेक रास्ते स्वतः ही खुलने लगते हैं। बेंगलुरु में देश के विख्यात उद्योगपतियों द्वारा उत्तर प्रदेश की सराहना वस्तुतः यूपी के उस विकास मॉडल की स्वीकारोक्ति है जिसे मुख्यमंत्री योगी सेफ्टी, स्टेबिलिटी व स्पीड के 3-एस मॉडल की संज्ञा देते हैं। गूगल जैसी वैश्विक संस्था यदि यूपी के साथ मिलकर काम करने को आतुर दिखाई देती है तो यह सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर, बेमिसाल कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन को अभिव्यक्ति देती है। स्थापित सिद्धांत है कि किसी भी राज्य का समग्र विकास केवल भौतिक संसाधनों से नहीं, बल्कि अडिग आत्मविश्वास, दूरदृष्टि और दृढ़ नेतृत्व से आकार लेता है और वर्तमान में उत्तर प्रदेश ऐसे ही युगांतरकारी मोड़ पर खड़ा है।

चुनौतियों से जूझते हुए आगे बढ़ा यूपी – उत्तर प्रदेश की यह विडंबना ही रही है कि एक दशक पहले तक उसकी पहचान ऐसे राज्य के रूप में रही, जहां प्रतिभाएं तो होती थीं, लेकिन उनके लिए अवसर बहुत सीमित थे। आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र भारी उपेक्षा का शिकार था। कोई स्पष्ट औद्योगिक दृष्टि नहीं, कोई ग्लोबल कैपेबेलिटी सेंटर (जीसीसी) नीति नहीं। निवेशक-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में तो कोई विचार ही नहीं करता था। निवेशक भी उत्तर प्रदेश के बारे में नहीं सोचते थे, क्योंकि माफिया राज, खराब कानून-व्यवस्था और लालफीताशाही में उद्योग पनपने की संभावनाएं न के बराबर होती हैं। जो थोड़ी-बहुत आईटी गतिविधियां थीं, वे केवल कॉल सेंटर के दायरे में सिमटी हुई थीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अहम रोल – यह वह पृष्ठभूमि है, जिसके सापेक्ष मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हुए बदलावों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। 2017 में सत्ता संभालने के बाद उन्होंने वह धरातल तैयार करने के बारे में सोचा, जो उद्मियों को भरोसा दे सके। यह भरोसा तभी संभव था जबकि कानून व्यवस्था में सुधार हो, नौकरशाही अपना चरित्र बदले और वे सारे संसाधन प्रत्यक्ष दिखाई दें जो किसी भी उद्यमी की जरूरत होते हैं। सोच को संकल्प मिला तो संभावनाएं भी बनीं और 2018 में हुए यूपी इन्वेस्टर्स समिट में 4.28 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों ने देश-दुनिया में यह संदेश दे दिया कि सीएम योगी के नेतृत्व में अब यूपी सही राह पर है। 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों ने तो यूपी की पहचान ही बदल दी और यह स्थापित कर दिया कि उत्तर प्रदेश अब देश का निवेश हब बनने की ओर अग्रसर है। आज बेंगलुरु में उत्तर प्रदेश के नाम पर 50 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। इससे पहले 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों का आना, राज्य का वह आत्मविश्वास है, जो उसने पिछले नौ वर्षों से अधिक समय में अर्जित किया है।

उत्तर प्रदेश ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) नीति 2024 – विश्वास के इस धरातल पर उत्तर प्रदेश ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) नीति 2024 की वास्तविक महत्ता सामने आती है। यह नीति राज्य की आर्थिक महत्वाकांक्षा का एक सुविचारित घोषणापत्र है। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान, साइबर सुरक्षा संचालन और डेटा विश्लेषण आदि समाहित है। यह नीति निवेश को रोजगार से सीधे जोड़ने में सक्षम है। इसमें पूंजी निवेश पर सब्सिडी के साथ-साथ भर्ती, वेतन, प्रशिक्षण और इंटर्नशिप तक को प्रोत्साहन में शामिल किया गया है। बेंगलुरु में हुए निवेश समझौते इस रणनीति की पहली और सबसे प्रतीकात्मक परीक्षा हैं। महत्वपूर्ण यह भी है कि ये निवेश वार्ताएं बेंगलुरु में हुईं, उस शहर में हुईं, जहां उत्तर प्रदेश की प्रतिभाओं को पनाह मिलती रही है। योगी सरकार ने वहां जाकर अपनी प्रतिभाओं को वापस नहीं मांगा, बल्कि नियोक्ताओं को यूपी आने का न्योता दिया। यह आत्मविश्वास तभी पैदा होता है जब राज्य अपने को सक्षम समझता है। उत्तर प्रदेश आज सक्षम है तो इसलिए कि उसके पास विशाल प्रतिभा-पूल है, इन्फ्रास्ट्रक्चर है, कनेक्टिविटी है। ऐसी सरकार है जो निवेशक की भाषा और उनकी आवश्यकताएं समझती है।

यूपी में आर्थिक परिवर्तन की संभावनाएं ज्यादा – उत्तर प्रदेश के आर्थिक परिवर्तन में संभावनाओं का असीम आसमान दिखाई दे रहा है। नोएडा का जेवर एयरपोर्ट इसे और बड़ी उड़ान देगा। बेंगलुरु में निवेशक संवाद के दौरान उद्यमियों ने इसे स्वीकार भी किया कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ और जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे आने वाले वर्षों में देश के प्रमुख आर्थिक और औद्योगिक कॉरिडोर के रूप में दिखाई देंगे। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) उद्योग विशेषज्ञ और एआई रणनीतिकार अनिल पद्मनाभन भी मानते हैं कि मजबूत शासन व्यवस्था, बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर और निवेश समर्थक वातावरण ने उत्तर प्रदेश को जीसीसी क्षेत्र का आदर्श गंतव्य बनाया है। वैश्विक इंश्योरेंस ब्रोकिंग कंपनी एओन यदि नोएडा स्थित अपने कार्यालय में लगभग एक हजार अतिरिक्त कर्मचारियों को जोड़ने की योजना पर काम कर रही है तो यह स्पष्ट है कि राज्य में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार अवसरों का दायरा लगातार बढ़ रहा है।

कुशल जनशक्ति की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देना होगा – आर्थिक प्रगति की राह में चुनौतियां भी बढ़ती हैं। सबसे बड़ी चुनौती तो यही है कि निवेश प्रस्तावों को हर हाल में धरातल पर लाना होगा। भूमि अधिग्रहण, अनुपालन सरलीकरण, कुशल जनशक्ति की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देना होगा। निवेश को आकर्षित करना एक कौशल है और उसे टिकाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी। हालांकि योगी सरकार की दिशा उत्साहजनक रही है और पूर्व में सार्थक परिणाम भी सामने आए हैं। प्रदेश अब कृषि और उपभोग-आधारित अर्थव्यवस्था की सीमा से बाहर निकलकर नवाचार, प्रौद्योगिकी और ज्ञान-आधारित विकास की ओर बढ़ रहा है। राज्य की प्रगति के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश ने भारत की विकास गाथा लिखनी शुरू कर दी है और पूरी क्षमता के साथ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान को आतुर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बेंगलुरु यात्रा ने उत्तर प्रदेश के भविष्य की निर्णायक दस्तक दी है। भविष्य लोगों की कल्पना से कहीं अधिक प्रभावशाली होगा, क्योंकि यह राज्य अपनी मानसिकता बदल चुका है। अब यहां जनसंख्या बोझ नहीं है। यहां का मानव संसाधन नेतृत्व के लिए तैयार हो रहा है। (लेखक पूर्व वित्त नियंत्रक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय है)। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वैभव के लिए अलग चेंजिंग रूम, क्या भारत में भी किशोर खिलाड़ियों के लिए होने चाहिए ऐसे नियम?

(कल्याणी)

भारतीय क्रिकेट की युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी के अलग चेंजिंग रूम ने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है। इंग्लैंड और आयरलैंड में लागू नाबालिग खिलाड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था क्या भारत में भी जरूरी है?

हाल ही में भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के दौरान अपनी टीम से अलग चेंजिंग रूम का उपयोग करना होगा। हालांकि, यह व्यवस्था या कानून कुछ लोगों को अटपटी लग सकती है, लेकिन इसके पीछे खिलाड़ियों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ से जुड़े गंभीर कारण है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के नियमों के अनुसार 16 वर्ष से काम आयु के खिलड़ियों के लिए विशेष सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किये जाते हैं।

वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट की सबसे चर्चित युवा प्रतिभाओं में से एक हैं। बिहार के इस बल्लेबाज ने मात्र 12 वर्ष की आयु में रणजी ट्रॉफी में बिहार का प्रतिनिधित्व कर सबका ध्यान आकर्षित किया था। इसके बाद 14 वर्ष की उम्र में उन्हें इंडियन प्रिमियर लीग (आईपीएल) में खेलने का अवसर मिला, जहां उन्होंने वरिष्ठ और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया।

उस समय भारत में उनके लिए अलग चेंजिंग रूम जैसी कोई व्यवस्था नहीं की गई थी, लेकिन अब इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे पर 15 वर्षीय वैभव के लिए अलग चेंजिंग रूम की व्यवस्था की जा रही है। इसका कारण यह नहीं है कि खिलाड़ी बदल गया है, बल्कि यह है कि जिस देश में प्रतियोगिता आयोजित हो रही है, वहां के नियम अलग हैं।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि यदि इंग्लैंड और आयरलैंड जैसे देशों में नाबालिग खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए ऐसे नियम आवश्यक माने जाते हैं, तो क्या भारत को भी इस दिशा में गंभीरता से विचार नहीं करना चाहिए?

इंग्लैंड और आयरलैंड में सेफगार्डिंग का अर्थ केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि नाबालिग खिलाड़ियों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण को सुनिश्चित करना भी है। इसी कारण 16 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ियों के लिए अलग चेंजिंग रूम, अभिभावकों की उपस्थिति और विशेष निगरानी जैसी व्यवस्थाएं की जाती हैं।

वैभव सूर्यवंशी का मामला यह प्रश्न भी उठाता है कि क्या भारत में भी उभरते किशोर खिलाड़ियों की सुरक्षा और देखभाल के लिए ऐसे स्पष्ट दिशानिर्देशों पर विचार किया जाना चाहिए?

भारतीय खेल जगत में कम उम्र के खिलाड़ियों का आना कोई आम बात नहीं है। क्रिकेट, बैडमिंटन, शतरंज, फुटबॉल, कुश्ती और अन्य खेलों में कई प्रतिभाएं किशोरावस्था में ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच चुकी हैं। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि ऐसे खिलाड़ी शारीरिक और मानसिक रूप से विकसित हो रहे होते हैं, तब उस स्थिति में उनका देखभाल और भावनात्मक सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है।

मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि किशोरावस्था बहुत ही संवेदनशील उम्र होती है। इस उम्र में व्यक्ति अपनी, पहचान, आत्मविश्वास और सामाजिक व्यवहार को विकसित कर रहा होता है। युवा खिलाड़ियों के साथ अधिक रहने के बाद किशोरा खिलाड़ी अनावश्यक दबाव, असहजता और तनाव महसूस कर सकता है।

खेल मनोविज्ञान के विशेषज्ञ मानते हैं कि कम उम्र के खिलाड़ियों को ऐसा माहौल मिलना चाहिए जहां वे खुद को सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर सकें। सुरक्षा का अर्थ केवल शारीरिक सुरक्षा से नहीं होता, बल्कि मानसिक और भावनात्मक सुरक्षा से भी होता है।

भारत में खेलों का प्रचलन बहुत तेजी से बढ़ रहा है। आज अधिक से अधिक बच्चे खेल जगत में अपनी करियर बना रहे है। ऐसे में केवल प्रतियोगिताओं या उससे जुड़ी सुविधाओं पर ध्यान देना ही काफी नहीं है। खिलाड़ियों की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और बड़े खिलाड़ियों के साथ उनका व्यवहार कैसा होना चाहिए इस पर भी हमें काम करने की जरूरत है। इससे न केवल खिलाड़ी या उनके पारिवार का भरोसा बढ़ेगा, साथ ही खेल संस्थाओं की जवाबदेही भी सुनिचित होगी।

इसके साथ ही हमें यह भी ध्यान रखना है कि किसी के नियम की नकल नहीं करना है, लेकिन इस विषय पर गहरे चिंतन-मनन या व्यापक चर्चा के बाद नियमों का स्वरूप तय करना चाहिए। यह व्यवस्था केवल क्रिकेट तक सीमित नहीं है। पिछले वर्ष इंग्लैंड के प्रसिद्ध फुटबॉल क्लब आर्सेनल स्नष्ट के युवा खिलाड़ी मैक्स डाउमैन को भी 16 वर्ष की आयु पूरी होने तक अपनी टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों से अलग चेंजिंग रूम इस्तेमाल करना पड़ा था। यह दर्शाता है की यूरोपीय खेल संस्थान नाबालिग खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर बेहद संवेदनशील हैं। यह नियम किसी विशेष छूट या भेदभाव के लिए नहीं, बल्कि खिलाड़ी के कल्याण और सुरक्षा के हित के रूप में देखा जाए।

जल संरक्षण में जवाबदेही की जरूरत, समाज को अपने नकारात्मक रवैए में बदलाव लाना बेहद जरूरी

(चेतनादित्य आलोक)

देश भर के जलाशयों में अब उनकी कुल जल भंडारण क्षमता का केवल 28.28 फीसद जल ही बचा हुआ है, जो एक आपात स्थिति का संकेत है। आजकल दुनिया भर के विचारकों, चिंतकों, समाज विज्ञानियों, मानवाधिकार विशेषज्ञों, पर्यावरण वैज्ञानिकों और सरकारों को संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बुतरस घाली का लगभग तीन दशक पुराना वह कथन याद आता है, जिसमें उन्होंने दुनिया भर में पानी की कमी से जुड़ी परेशानियों के प्रति आगाह करते हुए कहा था कि तीसरा विश्व युद्ध पानी के लिए हो सकता है।

निस्संदेह उन्होंने बहुत ही गंभीर समस्या की ओर इशारा किया था। मगर उनकी चेतावनी पर ज्यादातर देशों ने कोई ध्यान नहीं दिया। अगर दुनिया ने उनकी बात मान ली होती, तो क्या संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट में यह कहा जाता कि स्वच्छ पेयजल के अभाव में प्रतिवर्ष दुनिया भर में चौदह लाख से भी अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसलिए सभी देशों की सरकारों को जल संसाधन में निवेश करना चाहिए।

वास्तव में यह दुखद स्थिति है कि साफ पीने का पानी न मिलने के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियों का शिकार होकर लाखों लोग प्रतिवर्ष अपनी जान गंवा देते हैं। जाहिर है कि दुनिया भर की सरकारों को संयुक्त राष्ट्र की बात को गंभीरता से लेते हुए जल संसाधनों के संरक्षण में निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र ने जिस निवेश की बात कही है, वह दरअसल, देशों की अर्थव्यवस्था तथा उनके नागरिकों के भविष्य में निवेश है। जब यह निवेश जन-साधारण तक शुद्ध पानी की पहुंच को सुनिश्चित करेगा, तब इसके अभाव में होने वाली बीमारियों से नागरिकों का बचाव हो सकेगा। इससे मानव संसाधन की सुरक्षा तो होगी ही, साथ ही लोगों के इलाज पर होने वाले खर्चों पर भी अंकुश लग सकेगा। इससे कई देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले अनावश्यक बोझ में भी कमी आएगी।

इस प्रकार, यह निवेश पानी के मामले में दुनिया के तमाम जागरूक देशों का भविष्य निश्चित रूप से सुरक्षित कर सकता है। विश्व बैंक की उस चेतावनी को याद करना चाहिए, जिसमें उसने अपने ही एक अध्ययन के आधार पर यह दावा किया है कि वैश्विक सूखे और पानी के अभाव के कारण वर्ष 2030 तक विश्व भर में लगभग सात करोड़ लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ सकता है। विश्व बैंक की आशंका विश्व भर के जलाशयों में जल भंडारण की लचर व्यवस्था को लेकर है, जो बिल्कुल सही प्रतीत होती है। ऐसे में विस्थापितों का आंकड़ा उसके आंकड़े से अधिक भी हो सकता है।

विश्व बैंक की चेतावनी को याद करना चाहिए – इस प्रकार, यह निवेश पानी के मामले में दुनिया के तमाम जागरूक देशों का भविष्य निश्चित रूप से सुरक्षित कर सकता है। विश्व बैंक की उस चेतावनी को याद करना चाहिए, जिसमें उसने अपने ही एक अध्ययन के आधार पर यह दावा किया है कि वैश्विक सूखे और पानी के अभाव के कारण वर्ष 2030 तक विश्व भर में लगभग सात करोड़ लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ सकता है। विश्व बैंक की आशंका विश्व भर के जलाशयों में जल भंडारण की लचर व्यवस्था को लेकर है, जो बिल्कुल सही प्रतीत होती है। ऐसे में विस्थापितों का आंकड़ा उसके आंकड़े से अधिक भी हो सकता है।

अपने देश में कैसी है स्थिति? – भारत की बात करें, तो देश के प्रमुख जलाशयों में जल भंडारण की व्यवस्था आज भी लचर बनी हुई है और इसमें सुधार होने के बजाय यह लगातार बिगड़ती जा रही है। जलाशयों और नदियों की निगरानी करने वाले केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, देश भर के सभी 166 जलाशयों में जल भंडारण 40 फीसद से भी नीचे गिर गया है।

वहीं, देश के सभी 20 नदी बेसिनों में भी जलस्तर लगातार घटता जा रहा है। असम, गोवा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के जलाशयों में जलस्तर पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम हो गया है। आयोग ने नौ अप्रैल 2026 को जारी अपने बुलेटिन में जलस्तर में तेजी से गिरावट की चेतावनी दी थी।

फिर 30 अप्रैल के अपने बुलेटिन में भी आयोग ने बताया था कि इन जलाशयों में उपलब्ध सक्रिय भंडारण 71.082 अरब घन मीटर (बीसीएम) है, जो इनकी कुल क्षमता का केवल 38.72 फीसद ही है, जबकि नौ अप्रैल को यह 44.71 फीसद था। यानी महज 21 दिनों में ही देश के सक्रिय जल भंडारण में छह फीसद से अधिक की कमी आ गई।

अब केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 11 जून 2026 को देश के सभी 166 जलाशयों में केवल 51.92 बीसीएम पानी ही बचा हुआ है, जबकि इन जलाशयों की कुल सक्रिय भंडारण क्षमता 183.565 बीसीएम है, जो देश में अनुमानित कुल क्षमता 257.812 बीसीएम का करीब 71.20 फीसद ही है। यानी देश भर के जलाशयों में अब उनकी कुल जल भंडारण क्षमता का केवल 28.28 फीसद जल ही बचा हुआ है, जो एक आपात स्थिति का संकेत है।

तात्पर्य यह कि आने वाले सप्ताहों में सिंचाई, पेयजल आपूर्ति एवं जलविद्युत परियोजनाओं के लिए देश को एक बार फिर मानसून पर ही निर्भर रहना पड़ेगा।

पानी के लिए हो रहे झगड़े – बहरहाल, बुतरस घाली के अनुसार तीसरा विश्वयुद्ध तो शायद कभी न हो और हम सभी को ऐसा ही सोचना चाहिए। मगर यह सच्चाई है कि पानी के लिए भारत सहित दुनिया भर में हिंसक संघर्ष की घटनाएं लंबे समय से हो रही हैं।

वैश्विक स्तर पर पानी पर काम कर रही संस्था 'पैसिफिक इंस्टीट्यूट' ने इस बारे में हैरान करने वाले आंकड़े साझा किए हैं। इनके अनुसार, वर्ष 2000 में जल संसाधनों को लेकर दुनिया भर में हुए टकरावों की महज बाईस घटनाएं ही सामने आई थीं। वहीं, 2022 में ऐसी 231 घटनाएं दर्ज की गईं, जो 2023 में बढ़ कर 347 तक पहुंच गईं।

इस प्रकार, वर्ष 2023 में जल संसाधनों को लेकर होने वाली हिंसक घटनाओं में नाटकीय बढ़ोतरी देखी गई। इन घटनाओं में वृद्धि का सिलसिला पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से जारी है, जिसमें अब तक 1,477 फीसद तक की बढ़ोतरी हो चुकी है।

'पैसिफिक इंस्टीट्यूट' के अनुसार, वर्तमान दशक के पहले चार वर्षों में ही जल संघर्ष के 785 मामले दर्ज किए गए हैं, जो पिछले पूरे दशक (2010) की तुलना में काफी अधिक है। पानी को लेकर वर्ष 2024 में विश्व स्तर पर संघर्ष के 420 मामले दर्ज किए गए, जिनमें मध्य पूर्व, यूक्रेन, भारत, ईरान और मैक्सिको की घटनाएं शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र की संस्था 'यूएनओडीसी' के अनुसार, वर्ष 2019-2021 के बीच भारत में दर्ज हत्याओं में से लगभग 20 फीसद यानी प्रत्येक पांच में से एक हत्या पानी के लिए ही हुई। यह सचमुच गंभीर स्थिति है। हालिया घटनाओं पर गौर करें, तो जून 2026 में देहरादून स्थित सहसपुर थाना क्षेत्र के बैरागीवाला गांव में पानी को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हुआ। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और परिवार के अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

इसी तरह, अप्रैल 2026 में मध्य अफ्रीकी देश चाड के एक प्रांत में दो समूहों के बीच एक जल-स्रोत पर कब्जे को लेकर शुरू हुई झड़प देखते-ही-देखते हिंसक प्रतिशोध में बदल गई।

इसमें 42 लोग मारे गए। ये तमाम घटनाएं दुखद तो हैं ही, दुनिया को आगाह करने वाली भी हैं। वैश्विक सूखे और पानी के अभाव के कारण संघर्षों और विवादों से निपटने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का निर्वहन आवश्यक है।

जरूरी है कि समाज अब जल स्रोतों, विशेष रूप से भूजल स्रोतों के संरक्षण और उनके सदुपयोग के प्रति जागरूक और जवाबदेह बने। इसके अतिरिक्त, वर्षा जल एवं अपशिष्ट जल के शोधित स्वरूप यानी शोधित जल के उपयोग के प्रति भी समाज को अपने नकारात्मक रवैए में बदलाव लाना बेहद जरूरी है, अन्यथा भविष्य में परिस्थितियां जीवन के प्रतिकूल बन सकती हैं।

छात्रों के बीमार होने के बाद परिजनों में नाराजगी

भोजन की गुणवत्ता पर फिर उठे सवाल

अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन पर लगाये गंभीर आरोप

भोजन के बाद सैकड़ों छात्राएं हुई हैं बीमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। झारखंड में सरकारी स्कूलों के मध्यान भोजन और आवासीय विद्यालयों के भोजन की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। ताजा मामला गढ़वा जिले का है, जहां कस्तूरबा बालिका आवासीय विद्यालय में भोजन करने के बाद सैकड़ों छात्राएं बीमार पड़ गईं। छात्राओं में पेट दर्द, उल्टी, चक्कर और बेचैनी की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इस घटना के बाद छात्रों के परिजनों में दहशत का माहौल कायम हो गया है। परिजनों का आरोप है कि लगातार घट रही घटनाओं के बाद भी स्थानीय प्रशासन का रवैया संतोषजनक नहीं है। अभिभावकों का कहाा है कि अगर समय रहते प्रशासन नहीं हरकत में आती तो अनहोनी होने से बचा नहीं जा सकता था।

विदित हो कि छात्राओं को भोजन में पुआ और चावल परोसा गया था। इसके अलावा भीषण गर्मी के कारण कई छात्राओं ने पानी की टंकी का गर्म पानी भी पी लिया था। शाम होते-होते बड़ी संख्या में छात्राओं की तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद स्कूल प्रबंधन ने तत्काल अस्पताल को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से सभी छात्राओं को अस्पताल पहुंचाया गया।

आरोप है कि विद्यालय में जनरेटर उपलब्ध होने के बावजूद पानी की मोटर नहीं चलाई गई, जिससे छात्राओं को पीने के लिए पर्याप्त ठंडा पानी उपलब्ध नहीं हो सका। इस घटना के बाद विद्यालय प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

घटना के बाद जब अभिभावक अपनी बेटियों का हाल जानने विद्यालय पहुंचे तो कथित तौर पर हॉस्टल का मुख्य गेट बंद कर दिया गया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस के हस्तक्षेप के बाद ही गेट खोला गया और छात्राओं को अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि घटना के समय हॉस्टल में न तो वॉर्डन मौजूद थीं और न ही एकाउंटेंट। मामले की सूचना मिलने के बाद प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में फूड प्वाइजनिंग और अत्यधिक गर्म पानी पीने को छात्राओं के बीमार होने की संभावित वजह माना जा रहा है। हालांकि, वास्तविक कारण जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। घटना के बाद अभिभावकों में भय और नाराजगी का माहौल है।

दो पक्षों में संघर्ष, सात जख्मी

बेलागंज। थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव में बच्चों के मामूली विवाद ने खूनी रूप अख्तियार कर लिया। इस हिंसक झड़प में दोनों पक्षों के कुल 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से गांव में तनाव का माहौल है।

स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, लक्ष्मीपुर गांव में शुक्रवार की शाम कुछ बच्चे एक साथ खेल रहे थे। इसी दौरान बच्चों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि बच्चों के माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य भी इस विवाद में कूद पड़े। शुरूआती तू-तू-मै-मै जल्द ही हिंसक मारपीट में बदल गई। दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर आमने-सामने आ गए। इस खूनी संघर्ष में दोनों तरफ से जमकर मारपीट हुई, जिसमें महिलाओं समेत कुल 7 लोग लहूलुहान हो गए। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे अन्य ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया।

आज से 4.24 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की दवा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जिले में पल्स पोलियो अभियान 28 जून से शुरू होगा। सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने शनिवार को बताया कि 28 से 30 जून तक जिले के 0 से 5 वर्ष तक के 4 लाख 24 हजार 729 बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाई जाएगी।

सिविल सर्जन कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि ₹दो बूंद जिंदगी की₹ पिलाकर आने वाली पीढ़ी को पोलियो से सुरक्षित करना है। पड़ोसी देशों अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश में पोलियो के मामले सामने आ रहे हैं, ऐसे में हर माता-पिता का दायित्व है कि वह अपने बच्चों को दवा जरूर पिलाएं। 28 जून को जिले में 1976 बूथ बनाए जाएंगे। इसमें 1873 स्थाई बूथ, 79 ट्रांजिट बूथ और 16 मोबाइल टीम शामिल हैं। 29 और 30 जून को छूटे हुए बच्चों को घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी। निगरानी के लिए 392 सुपरवाइजर और दवा की आपूर्ति के लिए 137 सबडिपो बनाए गए हैं।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन 28 जून को सुबह 8 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनबाद सदर से अभियान का शुभारंभ करेंगे। पत्रकार वार्ता में जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. रोहित गौतम, डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ. दीपक कुमार और डीपीएम प्रतिमा कुमारी भी मौजूद थे।

भाजपा के प्रदेश मंत्री का बोकारो में भव्य स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री और भाजयुमो के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अमित कुमार के बोकारो आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत किया गया। अमित कुमार धनबाद से रांची जाने के क्रम में कुछ समय के लिए बोकारो रुके थे।इस अवसर पर भाजपा बोकारो नगर अध्यक्ष विशाल गौतम के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने उन्हें गुलदस्ता भेंट किया और नारेबाजी कर उनका अभिनंदन किया।

मीडिया को संबोधित करते हुए भाजपा बोकारो नगर अध्यक्ष विशाल गौतम ने कहा, श्री कुमार का मार्गदर्शन हम सभी कार्यकताओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है। उनका ओजस्वी व्यक्तित्व और ऊजार्वान विचार बोकारो के कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा और संकल्प का संचार करते हैं। ₹इस अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के नगर मंत्री मिथलेश कुमार, युवा मोर्चा के महामंत्री लालबाबू कुमार,रजत कुमार,ज्ञान चंद साहू, शंकर त्रिपाठी, राजा कुमार, लक्ष सिंह,कुश कुमार,बैद्यनाथ दत्ता सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुहर्रम के दौरान कई हुए घायल

मनसाही/कटिहार। मनसाही परिक्षेत्र में मुहर्रम के दौरान दर्जनों लोगों के घायल हुये। गंभीर रूप से घायलों में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मखदुमपुर मदरसा टोला निवासी मो. मुराद हैं। जिसे तेज हथियार के प्रहार से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया। वहीं मनसाही थाना क्षेत्र के रघुनीचक गांव के मो. कलाम को तलवार से सर पर वार किए जाने से गंभीर रूप से घायल हुआ हैं। जिसे कटिहार के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है । वहीं नसूर की बेटी असद एवं मो. नौशाद को भी मुहर्रम के दौरान लाठी एवं तलवार लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया।

कजरा चौक में भी मोहर्रम के दौरान दो गुटों के बीच तू तू मैं मैं इतनी बढ़ गई की प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा और मामला शांत कराया गया। मगर प्रशासन के जाने के एक घंटा बाद दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कजरा बसंतपुर निवासी मो. साबिर, शेख अजीज एवं मो. हसन शामिल हैं।

ईसीआरकेयू की विशेष बैठक में रेलकर्मियों के मुद्दों पर व्यापक आंदोलन की हुई चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन धनबाद मंडल की एक विशेष बैठक शनिवार को ईसीआरकेयू वन शाखा कार्यालय में आयोजित हुई। इसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में ईसीआरकेयू के महामंत्री एस एन पी श्रीवास्तव उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता सह संचालन केन्द्रीय सहायक महामंत्री सह डिविजनल कोर्डिनेटर ओमप्रकाश ने किया। इस मौके पर केन्द्रीय उपाध्यक्ष मनीष कुमार, पूर्व केंद्रीय पदाधिकारी बीके सिंह, केन्द्रीय संगठन मंत्री नेताजी सुभाष तथा एआईआरएफ जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा उपस्थित रहे।

बैठक में संगठन को मजबूत करने और रेलकर्मियों के विभिन्न मुद्दों पर सभी शाखाओं के सचिव सहित केन्द्रीय पदाधिकारियों ने अपनी बात रखी। उपस्थित सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश साझा करते हुए कॉमरेड श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि आज धनबाद मंडल के रेलकर्मी प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा संरक्षा नियमों को ताक पर रख कर तानाशाही आदेशों द्वारा रेलकर्मियों पर काम करने का दबाव दिया जा रहा है। इसके तहत सबसे ज्यादा रनिंग कर्मचारी और ट्रैक मेंटेनर्स त्रस्त हो रहे हैं। आवासों की हालत गंभीर होती जा रही है, बेवजह स्थानांतरण किया जा रहा है, बड़ी संख्या में बात बेबात चार्जशीट दिया जा रहा है, काम कराने के घंटों का कोई रोस्टर नहीं है, एक कर्मचारी को दूसरे कर्मचारी को छोटी-छोटी बातों पर लड़ाया जा रहा है। ईसीआरकेयू इन सभी बातों को लेकर मंडल स्तर पर रेलकर्मियों में व्यापक जागरुकता पैदा कर मंडलीय कार्यालय पर धरना व प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने सभी रेलकर्मियों का आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और एकजुट होकर ईसीआरकेयू के बैनर तले होने वाले आंदोलन के तहत धरना और प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शामिल हों।

उक्त जानकारी देते हुए ईसीआरकेयू धनबाद मंडल के मिडिया प्रभारी एन के खवास ने बताया कि बैठक के अंतिम चरण में ईसीआरकेयू के पूर्व केंद्रीय पदाधिकारी रंजीत राय तथा बी एन सिंह की मृत्यु पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस विशेष बैठक में अजय कुमार तिवारी, जितेन्द्र कुमार साव, पीके सिन्हा,बीके साव,एन के खवास,आर के सिंह,एके दास, सरयू प्रसाद,एम पी महतो,आर प्रसाद,पी सिंह, विशाल कुमार पासवान, रंजीत कुमार यादव, रविन्द्र कुमार रवानी, दीनबंधु कुमार, बिमान मंडल,अजय कुमार सिन्हा, राजेश कुमार गोप,मो इजहार आलम,सी एस प्रसाद, दिलीप कुमार, परमेश्वर, रुपेश कुमार, एस चक्रवर्ती मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

गुरुकुल मैनेजमेंट कॉलेज की शुरूआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

एकमा (सारण)। छपरा-सिवान राष्ट्रीय राजमार्ग-531 के किनारे स्थित गुरुकुल पब्लिक स्कूल परिसर में शनिवार को आयोजित भव्य समारोह के बीच गुरुकुल मैनेजमेंट कॉलेज का विधिवत शुभारंभ किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में इसे एकमा एवं आसपास के क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। कॉलेज की शुरूआत के साथ अब स्थानीय विद्यार्थियों को बीबीए, बीसीए सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुंवर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र स्वामी, पटना एम्स के कैंसर विभागाध्यक्ष डॉ. जगजीत पांडेय, पूर्व प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह, जन सुराज नेता ब्रजेंद्र कुमार सिंह उर्फ मुन्ना भवानी, शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह तथा बंशीधर तिवारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के बाद गुरुकुल पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने मनमोहक स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व प्रधानाध्यापक रामनरेश सिंह ने किया, जबकि अध्यक्षता माकपा नेता डॉ. अरुण कुमार ने की।

मुख्य अतिथि पटना एम्स के कैंसर विभाग के अध्यक्ष डॉ. जगजीत पांडेय ने कहा कि एकमा जैसे क्षेत्र में मैनेजमेंट कॉलेज की स्थापना शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि बीबीए एवं बीसीए जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पढ़ाई स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से विद्यार्थियों का समय और आर्थिक बोझ दोनों कम होंगे। उन्होंने सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र भी अब बिना किसी आर्थिक बाधा के उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। गुरुकुल ग्रुप छपरा के निदेशक डॉ. संजीव कुमार सिंह ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को महानगरों जैसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि गुरुकुल में 11वीं एवं 12वीं की पढ़ाई करने वाले छात्र अब बीबीए, बीसीए सहित अन्य रोजगारपरक एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पढ़ाई भी इसी परिसर में कर सकेंगे। इससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ कम होगा और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा।

लोगों को गर्मी से जल्द राहत मिलने की संभावना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में गर्मी से जूझ रहे लोगों को आने वाले दिनों में राहत मिलने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा रविवार को राज्य के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रहने, हल्की से मध्यम बारिश होने तथा तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट का अनुमान लगाया है, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिलेगी।

मौसम विभाग के अनुसार, रांची में रविवार को 35.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। राजधानी में 35.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि एक जून से अब तक कुल 192.7 मिमी बारिश हो चुकी है। राज्य में सरायकेला 39.0 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म स्थान रहा। इसके अलावा डालटनगंज में 38.6 डिग्री, जमशेदपुर में 38.4 डिग्री और चाईबासा में 37.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।दूसरी ओर नामकुम में 23.5 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। रांची और आसपास के क्षेत्रों में लगातार बादल छाए रहने से मौसम अपेक्षाकृत सुहावना बना हुआ है।

मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार 21 और 22 जून को राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 23 से 25 जून तक भी आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे तथा अधिकांश क्षेत्रों में कहीं-कहीं वर्षा होने की संभावना बनी रहेगी। 26 और 27 जून को भी राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश का दौर जारी रह सकता है।

मौसम विभाग ने राज्य के पूर्वी, दक्षिणी और मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्जन, वज्रपात और 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है।

बाबा धाम के लिए चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। श्रावणी मेला को सुरक्षित, सुगम और भव्य बनाने के उद्देश्य से शनिवार को उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित उनके कार्यालय कक्ष में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में मुख्य रूप से जिले के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर देवतुल्य श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम यातायात प्रबंधन और पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में किए जाने वाले कार्यों को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने जसीडीह जंक्शन, देवघर स्टेशन और बैद्यनाथधाम रेलवे स्टेशन की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने रेलवे और जिला प्रशासन के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया।

स्टेशनों पर भगदड़ जैसी किसी भी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए एक मजबूत क्राउड मैनेजमेंट प्लान तैयार करने का निर्देश। कहा कि सभी प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से हर गतिविधि पर चौबीसों घंटे पैनी नजर रखी जाएगी।

इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त ने यात्री सुविधाओं को बेहतर करने के उद्देश्य से टिकट लाइनों में लगने वाले समय को कम करने के लिए टिकट काउंटरों की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया। बताया कि देश के कोने-कोने से आने वाले शिवभक्तों के लिए रेलवे के सहयोग से अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

वहीं, स्टेशनों पर यात्रियों के ठहरने के लिए उत्तम शेड, निर्बाध बिजली आपूर्ति और स्वच्छ पेयजल, शौचालय की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही किसी भी आपातकालीन चिकित्सा स्थिति से निपटने के लिए सभी लक्षित रेलवे स्टेशनों पर 24 घंटे कार्यरत स्वास्थ्य शिविर (मेडिकल कैंप) स्थापित किए जाएंगे, जहां चिकित्सकों और जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता रहेगी।

इसके अतिरिक्त, बाहरी राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं के सही मार्गदर्शन के लिए सूचना-सह-सहायता केंद्र पूरी तरह एक्टिव रहेंगे। वहीं उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी एजेंसियों को कड़ा निर्देश दिया कि मेले की शुरूआत से पहले सभी प्रकार की बुनियादी तैयारियों को हर हाल में समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि देवघर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी स्तर पर असुविधा का सामना न करना पड़े, इसे शीर्ष प्राथमिकता पर रखा जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर, उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त सुलोचना मीना, आसनसोल रेल डिवीजन के वरीय अधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी, स्टेशन मैनेजर जसीडीह जंक्शन, देवघर स्टेशन, बैद्यनाथधाम स्टेशन, आरपीएफ इंस्पेक्टर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी उपस्थित थे।

दिशा की बैठक में मुख्य पार्षद ने रखे कई सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। सांसद तारिक अनवर की अध्यक्षता में आयोजित कटिहार जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की समीक्षात्मक बैठक में मनिहारी नगर पंचायत के मुख्य पार्षद राजेश कुमार ऊर्फ लाखो यादव ने भी भाग लिया। श्री यादव ने बैठक में अपनी बातों को मुखरता के साथ रखा ।

लाखो यादव ने कहा कि बिहार नौका घाट बंदोबस्ती एवं प्रबंधन विधेयक 2023, मनिहारी नगर निकाय में कब तक लागू होगा, जबकि गजट 16/03/23 को हीं पारित हो चुका है।जबसे यह पारित हुआ है तब से उन्होने अध्यक्ष और सचिव से अनेक बार आग्रह किया है कि गजट पारित के बाद जो भी बंदोबस्ती मनिहारी नगर क्षेत्र बंदोबस्ती या परवाना या फेरी सेवा मनिहारी नगर निकाय क्षेत्र में जितने भी घाट हैं उसकी परवाना और बंदोबस्ती की राशि मनिहारी नगर निकाय को दिया जाए।

मांग की कि मनिहारी साहेबगंज फेरी सेवा जनता के हित को देखते हुए तत्काल प्रभाव से चालू किया जाए। श्रावण मास आरंभ होनेवाला है ऐसे में नारायणपुर से मनिहारी अम्बेडकर चौक एनएच के अधिकारी को निर्देशित किया जाय कि सावन माह में श्रद्धालुओं के आवागमन के पूर्व सडक किनारे उग आये जंगल की सफाई की जाय। साथ ही सड़क पर बने मात्रा गड्ढे को दूरुस्त किया जाय।

फ्लैंक में मिट्टी भराई कार्य पूरा कर आवागमन को सुचारू रूप से चालू किया जाय। एलीओ कटिहार डीवीजन और बारसोई डिवीजन में जो भी पंचायत सरकार भवन बना है, बिना नजराना के हैंडओवर नहीं देता, जिससे संवेदकों को भारी परेशानी होती है।

उन्होंने कहा कि जिस संवेदक के द्वारा नजराना दिया जाता है उसको हैंडओवर मिल जाता है।ऐसी शिकायत बहुत संवेदकों द्वारा की गयी है।

सखी के बाद भी थम नहीं रही कोयले की चोरी

चालू वित्तीय वर्ष में 522 मामले कराये गये दर्ज ☐ 2972.13 मीट्रिक टन कोयला चोरी करने का प्रयास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। कोयला चोरी पर अंकुश लगाने के तमाम दावों के बावजूद धनबाद में अवैध कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। आरोप है कि कोयला चोरों को स्थानीय पुलिस और सीआईएसएफ के कुछ कर्मियों का संरक्षण मिल रहा है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर कोयले की चोरी जारी है।

जनवरी से मई 2026 के बीच कोयला चोरी के 522 मामले बीसीसीएल ने दर्ज किए गए। यह आंकड़ा बीसीसीएल मुख्यालय के पास दर्ज है। इसी को लेकर लगातार सुरक्षा एजेंसी, बीसीसीएल प्रबंधन के साथ समीक्षा भी हो रही है।

इस दौरान करीब 2972.13 मीट्रिक टन कोयला चोरी करने का प्रयास हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 2.37 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी, ड्रोन सर्विलांस और संयुक्त अभियान के बावजूद चोरी की घटनाओं में कमी नहीं आ रही है।

कोयला कंपनियों और प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि लगातार कार्रवाई के बावजूद चोरी के प्रयास जारी हैं। पांच महीनों में कुल 30 एफआईआर दर्ज की गईं, जबकि कई मामलों में तकनीकी निगरानी के आधार पर कार्रवाई की गई।

मई में सबसे अधिक मामले सामने आने से सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ गई है। प्रशासन का मानना है कि संगठित गिरोहों पर प्रभावी कार्रवाई के बिना कोयला चोरी पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं होगा।

ड्रोन सर्विलांस और संयुक्त अभियान का भी नहीं रहा भय

कोयला चोरी रोकने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। जनवरी से मई तक कुल 333 बार ड्रोन सर्विलांस किया गया। निगरानी के आधार पर 140 कार्रवाई की गईं, लेकिन चोरी की घटनाओं पर पूरी तरह लगाम नहीं लग सकी।

जनवरी में 78, फरवरी में 87, मार्च में 120, अप्रैल में 109 और मई में 128 घटनाएं दर्ज होने के बावजूद पुलिस और प्रबंधन की ओर से लगातार कार्रवाई जारी है।

अवैध खनन रोकने के लिए पांच महीनों में 232 अवैध माइनिंग साइटों को भरकर बंद किया गया। अप्रैल में सबसे अधिक 57 और मई में 51 स्थलों पर कार्रवाई हुई। इसके अलावा मार्च में 44, फरवरी में 39 तथा जनवरी में 41 अवैध खनन स्थलों को बंद कराया गया।

इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) की निगरानी से 476 मामले चिन्हित किए गए। इनमें 474 मामलों में कार्रवाई की गई तथा 118 मीट्रिक टन कोयला बरामद किया गया। इसकी अनुमानित कीमत 10.12 लाख रुपये बताई गई है।

अधिकारियों के अनुसार मानसून से पहले अवैध खनन और कोयला चोरी की गतिविधियां बढ़ जाती हैं। इसे देखते हुए सीआईएसएफ, स्थानीय पुलिस और कोयला कंपनियों की सुरक्षा टीमों द्वारा संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। रात में गश्त बढ़ाने और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात करने की भी व्यवस्था की गई है।

फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र पर करोड़ों की जमीन का वारा-न्यारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां रहने वाली बुजुर्ग द्रोपदी बाई ने पुलिस के समक्ष उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई कि राजेंद्र नगर क्षेत्र में उनकी करोड़ों रुपये की जमीन है, लेकिन कुछ रिश्तेदारों ने उन्हें कागजों में मृत घोषित कर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर उनकी जमीन अपने नाम कराने और उसे दूसरे लोगों को बेचने का प्रयास किया। बुजुर्ग महिला को जब इस पूरे फजीवाड़े की जानकारी मिली तो उन्होंने तत्काल पुलिस से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने विभिन्न स्तरों पर जांच-पड़ताल की। जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर पुलिस ने द्रोपदी बाई की शिकायत के आधार पर 13 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर मयंक अवस्थी ने बताया कि जांच के दौरान यह सामने आया कि महिला के परिजनों ने फर्जी तरीके से उनका मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कराया था। इसी दस्तावेज का उपयोग जमीन के नामांतरण (म्यूटेशन) की प्रक्रिया में किया गया। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र किसने और किस प्रक्रिया के तहत तैयार किया।

पुलिस के अनुसार, इस पूरे मामले की गहन जांच के बाद लगभग 29 साल बाद प्रकरण दर्ज किया गया है। जांच में कई अहम तथ्य सामने आए हैं और संभावना है कि आने वाले दिनों में कुछ अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है।

फिलहाल पुलिस ने 13 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि पुलिस आरोपियों को कब तक गिरफ्तार करती है। वहीं, इस पूरे मामले ने जमीन से जुड़े फजीवाड़े और दस्तावेजों के दुरुपयोग पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एफसीए घटा लेकिन सोने की वैल्यू बढ़ने से विदेशी मुद्रा भंडार में हुई बढ़ोतरी

मुंबई, एजेंसी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर से बढ़ोतरी दिखी है। यूं तो बीते सप्ताह देश के फॉरेन करेंसी एसेट या एफसीए भंडार में तीन अरब डॉलर से ज्यादा की गिरावट हुई है। लेकिन इसी सप्ताह सोने की वैल्यू में चार अरब डॉलर से ज्यादा की बढ़ोतरी होने से कुल मिला कर विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ गया है। इससे सप्ताह पहले अपने विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 10

अरब डॉलर की गिरावट हुई थी। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 19 जून 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 9.985 की कमी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 672.587 का हो गया है। इससे पहले 27 फरवरी 2026 को अपना भंडार 728.494 के ऑल टाइम हाई पर रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 19 जून 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार घट कर का रह गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व में बढ़ोतरी

आलोच्य सप्ताह के दौरान सोने के दाम काफी बढ़े हैं। इससे रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें भारी गिरावट हुई थी। अब अपने सोने के भंडार की वैल्यू बढ़ कर का हो गया है। उल्लेखनीय है कि मार्च 2026 के अंत में आरबीआई के पास सोने का भंडार 880.52 टन का था। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का करीब 16.7 प्रतिशत बैठता है। इसके मूल्य में कमी होती है यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार को प्रभावित करता है।रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार मामूली 52 मिलियन डॉलर की गिरावट हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 66 मिलियन डॉलर की गिरावट हुई थी। इस समय अपना कुल एसडीआर का है।

पेट्रोल-डीजल का रेट घटेगा

चीन चुपचाप बना ग्लोबल मार्केट का खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच डील की उम्मीद में कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी गिरावट आई है और यह 28 फरवरी के पहले के स्तर पर पहुंच गया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ट्रैफिक सामान्य होने से आने वाले दिनों में तेल की कीमत पर पड़ेगा। माना जा रहा है कि ओवरसप्लाई के कारण तेल की कीमत में भारी गिरावट आ सकती है। लेकिन इस बीच चीन ग्लोबल ऑयल मार्केट में एक बड़ा खिलाड़ी बनकर उभरा है। चीन तेल उत्पादन के मामले में भले ही काफी पीछे है, लेकिन जानकारों का कहना है कि ग्लोबल मार्केट का अगला कदम उसी पर निर्भर है। इसकी वजह यह है कि चीन दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक और दूसरा बड़ा उपभोक्ता है। 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद कई विश्लेषकों का अनुमान था कि कच्चे तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है। इसकी वजह यह है कि दुनिया का करीब 20 प्रतिशत कच्चा तेल होर्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। ईरान युद्ध शुरू होने से पहले इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 70 प्रति बैरल से नीचे ट्रेड कर रहा था और मई की शुरुआत में यह चार साल के हाई लेवल 114

प्रति बैरल पर पहुंच गया था। ईरान युद्ध के कारण 1 अरब बैरल से ज्यादा कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हुई लेकिन इसकी कीमत कभी भी उस स्तर तक नहीं पहुंची जिसकी आशंका जताई जा रही थी। चीन की पॉलिसी इसकी एक बड़ी वजह है चीन। उसने इस दौरान सप्लाई बनाए रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश की। चीन ने इंपोर्ट कम किया, अपने रिजर्व का इस्तेमाल किया और क्लीन एनर्जी का ज्यादा से ज्यादा यूज किया। इस तरह वह कच्चे तेल की ऊंची कीमत के असर को कम करने में काफी हद तक कामयाब रहा। इसका असर ग्लोबल मार्केट पर भी देखा गया और कई देशों को इसका फायदा मिला। चीन के इन कदमों से कच्चे तेल की कीमतें काफी हद तक स्थिर रही। कई एनालिस्ट्स इसके लिए चीन को मुख्य वजह मानते हैं। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक एनर्जी थिंक टैंक 'एम्बर' के प्रिंसिपल, डान वॉल्टर ने कहा कि चीन ने भारत, जापान और दक्षिण कोरिया समेत एशिया के कई देशों के लिए इस झटके को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। एक तरह से चीन ने ऐसा करके ग्लोबल इकॉनमी को भी बचाया है। चीन का ग्लोबल एनर्जी पर असर बढ़ रहा है। एनालिस्ट्स का मानना है कि आने वाले दिनों में कच्चे तेल की कीमत को निर्धारित करने में चीन की पॉलिसी और खपत की अहम भूमिका होगी। चीन कई कारणों से कच्चे तेल की खपत को काफी कम करने में सफल रहा। ईरान युद्ध से चीन ने सस्ता तेल खरीदकर अपना भंडार काफी बढ़ा लिया था। रूस और ईरान पर प्रतिबंधों के बावजूद उसने इन दोनों देशों से जमकर तेल खरीदा। जानकारों के मुताबिक चीन के पास कच्चे तेल का कमर्शियल और रणनीतिक भंडार में 1 बिलियन बैरल से अधिक है।

चीन का अदृश्य हाथ

हाल में एक रिसर्च नोट में कहा गया था कि 1973 में अरब देशों की पाबंदी के कारण ग्लोबल क्रूड सप्लाई में 7 प्रतिशत की कमी आई थी। इससे तेल की कीमतों में 134 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। लेकिन ईरान युद्ध के दौरान 14 प्रतिशत ग्लोबल सप्लाई के बाधित होने के बावजूद तेल की कीमतें उतनी नहीं बढ़ीं। चीन को ग्लोबल ऑयल मार्केट को संतुलित करने वाला एक अदृश्य हाथ कहा जा रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन में तेल के आयात को प्रति दिन लगभग 3 मिलियन बैरल तक कम करने की क्षमता है। यह जापान की कुल डिमांड के लगभग बराबर है। भारत में कच्चे तेल की रोजाना मांग 5 मिलियन डॉलर है।

सिर्फ 1 महीने में कमा डाले 8 लाख, पति-पत्नी का बिजनेस आइडिया हिट, जाह्नवी कपूर बनीं फैन

● इसका नाम 'कियोको' है, महज 6 महीनों में यह 16 लाख रुपये का बिजनेस बन गया

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी बेंगलुरु के एक युवा कपल की है।

इनके नाम हैं जुओला और अर्शिन। दोनों ने मार्केट की एक नब्ज पकड़कर मामूली पूंजी से सफल बिजनेस खड़ा कर दिया है। उन्होंने देखा कि भारतीय मोबाइल एक्सेसरीज बाजार जहां तेजी से बढ़ रहा है। वहीं स्टाइलिश और मजबूत फोन केसेज के मामले में हमेशा से बड़ा गैप रहा है। इसी गैप को भरने के आइडिया के साथ 2025 में उन्होंने अपने ब्रांड की शुरुआत की। इसका नाम 'कियोको' है। रुपये का बिजनेस बन गया। मार्च 2026 में वेबसाइट लॉन्च होने के बाद इस ब्रांड ने सिर्फ एक महीने में 8.2 लाख रुपये की कमाई कर डाली। आइए, यहां जुओला और अर्शिन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ऐसे आया आइडिया

भारतीय मोबाइल एक्सेसरीज मार्केट साल 2033 तक 4.65 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। लेकिन, इसके बावजूद महिलाओं के लिए ट्रेंडी और मजबूत फोन केसेज का बाजार में अभाव था। बाजार में या तो सिर्फ साधारण दिखने वाले केसेज मिलते थे या फिर सुंदर दिखने वाले कवर बहुत जल्दी टूट जाते थे। इसी कमी को पूरा करने के लिए बेंगलुरु की 29 वर्षीय जुओला और उनके पति अर्शिन (32) ने मार्च 2025 में सिर्फ 5 लाख रुपये की पूंजी के साथ अपने एक्सेसरी ब्रांड की नींव रखी। इसका मकसद फैशन और क्वालिटी दोनों को एक साथ लाना था। जुओला ने चीन से एमबीबीएस की पढ़ाई के दौरान ही यह तय कर लिया था कि वह डॉक्टर नहीं बनना चाहतीं। उन्होंने वहां ड्रॉपशिपिंग जैसे छोटे बिजनेस से आंत्रप्रेन्योरशिप सीखी। भारत लौटने के बाद वह कंटेंट क्रिएशन करने लगीं। दूसरे ओर अर्शिन अपने फैमिली बिजनेस से अलग कुछ नया करना चाहते थे। दोनों ने मिलकर जब स्टार्टअप शुरू किया तो शुरुआत में लॉजिस्टिक्स, मैन्युफैक्चरर्स को फाइनल करने और उनकी भारी मिनिमम ऑर्डर क्वांटिटी जैसी बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई बार सामान खराब भी आया। लेकिन, उन्होंने क्वालिटी से कभी समझौता नहीं किया। शुरू में इंस्टाग्राम डीएम के जरिए महीने में सिर्फ 10-20 ऑर्डर आते थे। लेकिन, जब इस कपल ने खुद पर्दे के पीछे के वीडियो और मिनी व्लॉग्स बनाकर शेयर करना शुरू किया तो ब्रांड की किस्मत बदल गई। उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेस खुशी कपूर को अपना एक फोन केस दिया। उसका व्लॉग शेयर किया, जिससे वीडियो वायरल हो गया।

हंगर नट्स का सोमवार को खुल रहा है आईपीओ

क्या है कंपनी की योजना

मुंबई, एजेंसी। इंटीग्रेटेड एग्री-कमोडिटी कंपनी एडॉन एग्री कमोडिटीज लिमिटेड का आईपीओ अगले सप्ताह खुलने वाला है। यह कंपनी 'हंगर नट्स' ब्रांड नाम से सूखे मेवे और पोषक बीजों का कारोबार करती है। यह एसएमई आईपीओ है जिसे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज या बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट कराया जाएगा। एडॉन एग्री कमोडिटी कंपनी इस आईपीओ के जरिए 62.90 लाख नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। इससे कंपनी 44.03 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही है। यह आईपीओ अगले सोमवार यानी 29 जून 2026 को खुलेगा। इसमें एक जुलाई 2026 यानी अगले बुधवार तक आवेदन किया जा सकेगा। एडॉन एग्रो कमोडिटीज लिमिटेड मैनेजिंग डायरेक्टर नारायणस्वामी वेंकिटकृष्णन का कहना है कि फ्रेश इश्यू से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से वर्किंग कैपिटल की जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। ऑपरेशनल रेवेन्यू 2,233.48 लाख रुपये था

यह वित्त वर्ष 2025 में बढ़कर 10,303.55 लाख रुपये हो गया। 31 जनवरी 2026 को समाप्त हुई 10 महीने की अवधि में कंपनी ने 28,716.20 लाख रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया है इस इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं, जबकि इस आईपीओ का रजिस्ट्रार बनाया गया है। यह कंपनी सूखे मेवे, नट्स, सीड्स और बेरी आदि की सोर्सिंग, आयात, प्रोसेसिंग, पैकिंग और डिस्ट्रीब्यूशन में लगी है।

क्या है प्राइस बैंड

इस इश्यू में हर शेयर का फेस वैल्यू 10 रुपये रखा गया है। इस शेयर का प्राइस बैंड 66 से 70 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इस आईपीओ का लॉट साइज 2,000 शेयर तय किया गया है। मतलब कि रिटेल इन्वेस्टर्स को कम से कम ऊपरी प्राइस बैंड पर रिटेल निवेशकों को कम से कम 1.40 लाख रुपये का निवेश करना होगा। इस कंपनी के पब्लिक इश्यू का 1.07 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए आरक्षित है। कुल इश्यू का 49.3 प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए और 49.55 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है।

होर्मुज में आवाजाही बढ़ी तो क्रूड पर खत्म हुआ 'वार प्रीमियम'

नई दिल्ली, एजेंसी। फिर से कच्चे तेल और गैस के जहाजों की आवाजाही शुरू हो गई है। इसके बाद क्रूड ऑयल के दाम पर युद्ध शुरू होने के बाद का प्रीमियम खत्म हो गया दिखता है। अमेरिकी का भाव 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे चला गया है। लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार, 27 जून 2026, को भी दाम में कोई बदलाव नहीं किया। अपने यहां बीते 25 मई के बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियां बीते मई महीने में चार बार दाम बढ़ा चुकी हैं। ऐसा महज 11 दिनों में हुआ था। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। उसके बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

पिछले महीने 4 बार बढ़े हैं दाम

तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज

पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है।

सस्ता ही हो रहा है क्रूड ऑयल

होर्मुज स्ट्रेट में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस से लदे जहाजों की आवाजाही शुरू होने के संकेत फिर से दिखे। इसके बाद क्रूड ऑयल के दाम में भारी कमी दिखी। 26 जून को समाप्त सप्ताह पर तो डब्ल्यूटीआई क्रूड के दाम में 3.74 फीसदी की नरमी आई। इसका दाम प्रति बैरल 2.69 डॉलर सस्ता होते हुए 69.23 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। स्टेंडर्ड माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड तो 4.34 फीसदी या 3.25 डॉलर प्रति बैरल सस्ता हो कर 71.99 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। उसके बाद ही थोड़ी बढ़ोतरी की थी।

पेट्रोल-डीजल के घटेंगे दाम

क्रूड के दाम घटने के बाद सबसे बड़ा सवाल उठता है कि क्या घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम घटेंगे इस पर इंडस्ट्री के एक अधिकारी का कहना है कि इस समय पेट्रोल-डीजल की कीमतें इंटरनेशनल क्रूड मार्केट में रोजाना होने वाले उतार-चढ़ाव के आधार पर तय नहीं की जाती हैं। इसके बजाय आमतौर पर पिछले दो हफ्तों या महीने की औसत ऑयल कीमतों के आधार पर तय होती हैं। नतीजतन, अगर इंटरनेशनल दरें कम बनी रहती हैं तो क्रूड की कीमतों में हालिया गिरावट का फायदा पंप तक पहुंचने में समय लग सकता है। बढ़ोतरी के बावजूद लगभग ढाई महीने तक रिटेल कीमतें स्थिर रखी थीं।

10 मिनट डिलिवरी पर यकीन नहीं था, बिगबास्केट के फाउंडर हरि मेनन ने बताई इसकी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। बिगबास्केट के फाउंडर हरि मेनन ने एक लिंक्डइन पोस्ट में स्वीकार किया है कि शुरुआत में उन्हें क्विक कॉमर्स (10 मिनट में डिलीवरी) के आइडिया पर यकीन नहीं था। ऑनलाइन ग्रॉसरी प्लैटफॉर्म शुरू करने के करीब 15 साल बाद सीईओ का पद छोड़ते समय मेनन ने लिखा, 'अगर आपने उस समय 100 लोगों से पूछा होता कि क्या उन्हें 10 मिनट में राशन चाहिए... तो ज्यादातर लोगों का जवाब 'ना' होता। लेकिन जैसे ही हमने ग्राहकों को यह सुविधा दी, उन्होंने इसे हाथों-हाथ लिया।'

बिगबास्केट की स्थापना 2011 में हुई थी और आज इसके 60 से अधिक शहरों में 900 से अधिक डार्क स्टोर हैं। साल 2021 में टाटा ग्रुप ने इसका अधिग्रहण किया था। मेनन ने साथ ही कहा कि भारत की क्विक कॉमर्स इंडस्ट्री अरबों डॉलर की कंपनियां बना रही है और भारी निवेश आकर्षित कर रही है, लेकिन इस बिजनेस मॉडल से मुनाफा कमाना मुश्किल है। तेज ग्रोथ के बावजूद इंडस्ट्री का इकनॉमिक्स दबाव में है।

कैसे होगा प्रॉफिट: उन्होंने तर्क दिया कि इस मॉडल से मुनाफा कमाने के लिए एवरेज ऑर्डर वैल्यू, ग्रॉस मार्जिन और ऑर्डर डेंसिटी को एक साथ काम करना होगा। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक समिट ने मेनन ने कहा कि 350-400 की एवरेज ऑर्डर वैल्यू वाला बिजनेस कभी पैसा नहीं कमा पाएगा। मेनन का तर्क है कि बिजनेस अच्छा कमाने के लिए बनाए जाते हैं, सिर्फ ब्रेक-ईवन तक पहुंचने के लिए नहीं। पारंपरिक रिटेल से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि इसी तरह के पैमाने पर काम करने वाली

कंपनियां कहीं ज्यादा बेहतर मुनाफा कमाती हैं। उन्होंने कहा कि इसी पैमाने पर डीमार्ट लगभग 8 प्रतिशत एबिटा कमाती है। मेनन ने कहा कि आप लगातार डिस्काउंट नहीं दे सकते और यह नहीं कह सकते कि वॉल्यूम से सब ठीक हो जाएगा। इससे फिक्स्ड कॉस्ट तो निकल सकती है, लेकिन वेरिएबल कॉस्ट कभी नहीं निकलेगी। कंपनियों का मर्जर या कंसोलिडेशन तय है, क्योंकि ग्रोथ धीमी हो रही है और कैपिटल अब सोच-समझकर लगाई जा रही है।

भारत बनेगा मेडिकल टूरिज्म का सुपरपावर, सरकार का है महाप्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। मेडिकल टूरिज्म का सुपरपावर बनने के लिए भारत ने कमर कस ली है। देश को मेडिकल टूरिज्म के हब के तौर पर बढ़ावा देने के लिए सरकार एक योजना बनाने में जुटी है। इसके तहत अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को तैयार करने, उन्हें बढ़ाने और मजबूत करने के लिए फंड दिया जाएगा।

ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, इस योजना को और बेहतर बनाने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ इंडस्ट्रियल पॉलिसी एंड प्रमोशन काम कर रहा है। फ्यूचर रेडी यानी भविष्य के अस्पतालों के लिए उसकी इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग के स्टैंडर्ड लाने की योजना है। इनमें स्मार्ट हेल्थकेयर सर्जरी, ढ्ढ-असिस्टेड डायग्नोस्टिक्स, डिजिटल पैथोलॉजी, टेलीमेडिसिन और इंटरऑपरेबल इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड्स जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

इस प्रक्रिया में अस्पतालों के लिए जरूरी क्लिनिकल क्वालिटी स्टैंडर्ड्स और इंटरनेशनल एक्रेडिटेशन की जरूरतों को भी तय किया जाएगा। इसका मकसद होगा कि

वे इस योजना के तहत फंड पाने के योग्य हो सकें।

बजट में की गई थी घोषणा: यह कदम वित्त वर्ष 2026-27 की बजट घोषणा के बाद उठाया गया है। इसमें मेडिकल वैल्यू टूरिज्म के लिए रीजनल मेडिकल हब बनाने की बात कही गई थी।

सरकार ने प्राइवेट सेक्टर के साथ मिलकर पांच रीजनल मेडिकल हब बनाने में राज्यों की मदद करने का प्रस्ताव दिया है। ये हब इंटीग्रेटेड हेल्थकेयर कॉम्प्लेक्स के तौर पर काम करेंगे। इनमें मेडिकल सर्विस, एजुकेशन और रिसर्च की सुविधाएं एक ही जगह पर मिलेंगी।

एक अधिकारी ने ईटी को बताया, 'यह विचार अभी शुरुआती दौर में है। लेकिन, योजना ऐसे इंटीग्रेटेड मेडिकल डिस्ट्रिक्ट के लिए मॉडल फ्रेमवर्क बनाने की है जिनमें अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, रिसर्च सेंटर, बायोटेक पार्क और वेलनेस सुविधाएं शामिल हों।' उन्होंने आगे कहा कि योजना की रूपरेखा तैयार करने में मदद के लिए एक कंसल्टिंग फर्म को शामिल किया जाएगा।

2030 तक 16.2 अरब डॉलर का होगा मार्केट

इंडस्ट्री के अनुमानों के मुताबिक, 2025 में भारत का मेडिकल टूरिज्म मार्केट लगभग 8.7 अरब का होगा। 2030 तक इसके 16.2 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस योजना के तहत टीचिंग अस्पतालों के लिए स्टैंडर्ड प्लानिंग नियम और टेक्निकल बेंचमार्क भी प्रस्तावित हैं। इसके अलावा, जमीन के इस्तेमाल, बेड डेंसिटी, इंटेंसिव केयर कैपेसिटी, ट्रॉमा और इमरजेंसी केयर, डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, रिहैबिलिटेशन सुविधाएं, आउटपेशेंट इंफ्रास्ट्रक्चर और संबंधित हेल्थकेयर सेवाओं के लिए हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर स्टैंडर्ड्स को भी इस योजना में शामिल किए जाने की संभावना है। यह बहुत जरूरी है। कारण है कि प्रस्तावित हब में आयुष सेंटर, मेडिकल वैल्यू टूरिज्म फैसिलिटेशन सेंटर और डायग्नोस्टिक्स, इलाज के बाद की देखभाल और रिहैबिलिटेशन के लिए एडवांस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर होगा। संबंधित हेल्थ प्रोफेशनल्स सहित हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के लिए रोजगार के कई मौके पैदा होने की उम्मीद है।

अब कॉमेडी करना मुश्किल हो गया है, रील्स-मीम्स कर रहे लोगों का मनोरंजन

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज की तैयारी में लगे हैं। फिल्म का प्रमोशन जोरों पर चल रहा है। इस कॉमेडी फिल्म में बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अक्षय कुमार का मानना है कि डिजिटल दौर में कॉमेडी करना ज्यादा मुश्किल हो गया है। जहां मीम्स और इंस्टाग्राम रील्स रोजाना लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। एक्टर ने स्टैंड-अप कॉमेडियंस की भी तारीफ की कि वे किस तरह लोगों को हंसाते हैं। आज हर जगह रील्स और मीम्स के जरिए कॉमेडी कंटेंट मौजूद है पीटीआई से बातचीत में अक्षय ने माना कि मौजूदा वक्त में कॉमेडी करना काफी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि यह अब और भी मुश्किल हो गया है। आज हर जगह रील्स, मीम्स और कॉमेडी कंटेंट मौजूद हैं। लेकिन कॉमेडी एक बड़ी नदी की तरह है; यह कभी सूखती नहीं है। कॉमेडी के कई रूप हैं, जैसे फिजिकल कॉमेडी, सिचुएशनल कॉमेडी, स्लैपस्टिक कॉमेडी और डार्क ह्यूमर। एक्टर ने भारत में पिछले कुछ साल में कॉमेडी के नए तरीकों जैसे स्टैंड-अप के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि लोगों को हंसाने के अनगिनत तरीके हैं। अगर आप इंस्टाग्राम खोलें, तो आपको ढेर सारे मीम्स और मजेदार वीडियो मिल जाएंगे। लोग रोजाना कॉमेडी देखते-सुनते हैं। बहुत सारे कॉमेडी शो और टैलेंटेड स्टैंड-अप कॉमेडियन हैं जो नया कंटेंट बना रहे हैं। लेकिन लोगों को हंसाना आज भी सबसे मुश्किल कामों में से एक है। लोग अक्सर कॉमेडी को कमतर आंकते हैं। मैं स्टैंड-अप कॉमेडियन का बहुत सम्मान करता हूं। दर्शकों के सामने अकेले खड़े होकर लोगों को हंसाना वाकई बहुत मुश्किल काम है। 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म में अक्षय 30 से ज्यादा एक्टर्स की कास्ट को लीड कर रहे हैं, जिनमें सुनील शेट्टी, परेश रावल, रवीना टंडन, अरशद वारसी, लारा दत्ता, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, आफताब शिवदसानी, तुषार कपूर, राजपाल यादव और जैकी श्रॉफ समेत कई कलाकार शामिल हैं।'

राही अनिल बर्वे की फिल्म में दिखेंगी जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर अब अपने करियर में एक बार फिर नया और चुनौतीपूर्ण मोड़ लेने की तैयारी में हैं। खबरों के मुताबिक, वह निर्देशक राही अनिल बर्वे की एक हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म के लिए बातचीत कर रही हैं। राही वही फिल्मकार हैं, जिन्होंने अपनी चर्चित फिल्म 'तुम्बाड' के जरिए भारतीय हॉरर सिनेमा को नया आयाम दिया था। सूत्रों के अनुसार, जाह्नवी और निर्माताओं के बीच बातचीत अंतिम चरण में है। जाह्नवी फिलहाल कई स्क्रिप्ट्स पर विचार कर रही हैं, लेकिन इस हॉरर प्रोजेक्ट में उनकी विशेष रुचि बताई जा रही है। फिल्म को बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है और इसे क्रिएचर हॉरर की श्रेणी में रखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि इसके लिए प्री-प्रोडक्शन और शुरुआती तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं।

खुशाली कुमार ने 'दुल्हनिया ले आएगी' को बताया अपने करियर का खास किरदार

अभिनेत्री खुशाली कुमार अपनी आने वाली फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर काफी चर्चा में है। फिल्म के फर्स्ट लुक से उन्होंने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस कड़ी में उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए अपने लुक और किरदार के बारे में विस्तार से बताया। बातचीत में खुशाली कुमार ने कहा, 'जैसे ही मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी, मुझे लगा कि यह किरदार मेरे लिए ही बना है। मेरा किरदार कोई साधारण दुल्हन नहीं है, बल्कि उसका व्यक्तित्व बहुत मजबूत है। वह अपने फैसले खुद लेती है, अपने दिल की बात खुलकर कहती है और किसी भी बात को छुपाकर नहीं रखती। यह किरदार बहादुर भी है, भावनात्मक भी है और अपने अंदाज में जीने वाली है, और यही बात मुझे इस फिल्म की तरफ खींच लाई।' उन्होंने कहा, ''फिल्म का जो फर्स्ट लुक सामने आया है, वह सिर्फ शुरुआत है और असली कहानी इससे कहीं ज्यादा दिलचस्प है। मेरे किरदार में कई परतें हैं, जिन्हें दर्शक फिल्म के साथ धीरे-धीरे समझ पाएंगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस दुल्हन के अलग और अनोखे अंदाज को जरूर पसंद करेंगे।'' वहीं फिल्म के निर्देशक आकाशदित्य लामा ने भी इस फिल्म को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, ''दुल्हनिया ले आएगी' एक ऐसी कहानी है जो परिवार, रिश्तों और उनके बीच की उलझनों को मजेदार अंदाज में दिखाती है। आज के समय में रिश्तों की जटिलताएं बढ़ गई हैं, और इस फिल्म में उन्हीं भावनाओं को एक मनोरंजक रूप में पेश किया गया है।'' निर्देशक ने कहा, ''फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसका मुख्य किरदार है, यानी दुल्हन। यह दुल्हन पारंपरिक सोच से बिल्कुल अलग है। उसमें आत्मविश्वास है, थोड़ी शरारत है और वह कई बार दर्शकों को चौंका भी देती है। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को जोड़ने की क्षमता रखती है क्योंकि इसमें हंसी, भावनाएं और परिवार का मेल है।'' फिल्म के पहले पोस्टर की बात करें तो उसमें खुशाली कुमार दुल्हन के अवतार में नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्राइडल लहंगा पहना हुआ है, लेकिन उसके साथ सनग्लासेस लगाए हुए हैं। यह कॉम्बिनेशन ही फिल्म के किरदार की खासियत को दर्शाता है कि यह दुल्हन साधारण नहीं है, बल्कि अपने अंदाज में जीने वाली लड़की है। यह फिल्म 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फर्जी 2 को लेकर शाहिद कपूर ने साझा किया अहम अपडेट

शाहिद कपूर के फैंस के लिए एक खुशखबरी है। शाहिद ने अपनी सुपरहिट वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन को लेकर कई अहम जानकारी साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह सीरीज कब रिलीज होगी। शाहिद ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ लाइव बातचीत की। इस दौरान उन्होंने 'फर्जी 2' को लेकर कई अहम जानकारी दी। शाहिद ने बताया कि 'फर्जी' के दूसरे सीजन का काम लगभग पूरा हो चुका है और यह सीरीज अगले साल रिलीज हो सकती है। इस साल मार्च में शाहिद ने शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी थी। इससे पहले फरवरी में उन्होंने निर्देशक जोड़ी 'राज और डीके' के साथ एक फोटो शेयर कर लिखा, 'यह लोग फिर से सक्रिय हो गए हैं।' मेकर्स ने भी सोशल मीडिया पर नोटों के ढेर की तस्वीर शेयर कर 'दूसरे राउंड' की पुष्टि की थी।

ग्राम चिकित्सालय 2 से जुड़े निरहुआ

निरहुआ सीरीज ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन से जुड़कर वह काफी खुश हैं। हाल ही में बातचीत में निरहुआ ने सीरीज, अपने किरदार और ओटीटी के दौर में बदलती इंडस्ट्री पर बात की।

तब लगा मुझे भी करना चाहिए था

निरहुआ ने बताया कि ग्राम चिकित्सालय उन्हें शुरू से पसंद था और पहले सीजन में शामिल न हो पाना उन्हें कहीं न कहीं खटका भी था। उन्होंने कहा, 'जब मुझे ये सीरीज ऑफर हुई तो बहुत खुश हुआ। क्योंकि मैं इसका पहला सीजन ही करना चाहता था। जब पहला सीजन आया तो मैंने परिवार के साथ बैठकर देखा और मुझे बहुत आनंद आया। मैं घर में यही बात कर रहा था कि यार मैं भी करने वाला था लेकिन कुछ कारणों से नहीं कर पाया। फिर जैसे ही पता चला कि इसका दूसरा सीजन भी आ रहा है तो बहुत खुश हुआ। मैंने इसमें काम किया क्योंकि यह मेरा फेवरेट शो है।'

हर गांव में मेरे जैसा एक आदमी

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए निरहुआ कहते हैं, 'मेरा किरदार ऐसा है जैसा आदमी लगभग हर गांव में मिल ही जाएगा। एक ऐसा दबंग टाइप का आदमी जिसको सब पता है कि कौन क्या करके आया है? सिस्टम कैसे चलता है? वो सब जानता है। हर जगह ऐसे लोग मिलते हैं और हमारा पाला भी बहुत पड़ता है। लोगों को देखने को मिलेगा कि गांव में दबंग आदमी असल में होता कैसा है।'

एक्टर की पढ़ाई 24 घंटे चलती रहती है

अपने किरदार की तैयारी पर निरहुआ ने कहा, 'एक्टर्स के लिए सीखने की प्रक्रिया कभी रुकती नहीं है। हां कुछ किरदारों के लिए ज्यादा वर्कशॉप नहीं करनी पड़ती क्योंकि रियल लाइफ में ऐसे लोग मिलते रहते हैं। हम अभिनेताओं की पढ़ाई 24 घंटा चलती रहती है। हम जहां भी जाते हैं लोगों को ऑब्जर्व करते हैं कि ये कैसे बात कर रहा है, कैसे बिहेव कर रहा है। फिर जब मौका मिलता है तो उसी को पर्दे पर उतारने की कोशिश करते हैं।'

क्या जू. एनटीआर की फिल्म में विलेन बनेंगे शाहिद?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शाहिद कपूर जल्द ही साउथ सिनेमा में कदम रख सकते हैं। चर्चा है कि वे जूनियर एनटीआर की आने वाली फिल्म 'ड्रैगन' में खलनायक की भूमिका निभा सकते हैं। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर प्रशांत नील कर रहे हैं। पहले इस रोल के लिए साउथ स्टार टोविनो थॉमस से बात चल रही थी, लेकिन उनके हटने के बाद अब मेकर्स शाहिद कपूर से बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस बात की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

मजबूत कहानी और सही निर्माता ही किसी प्रोजेक्ट को खास बनाते हैं

अली फजल इन दिनों वेब सीरीज 'राख' को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। अली ने अपने रोल और इस सीरीज के बारे में बातें साझा कीं।

इस सीरीज को हां करने की वजह क्या रही?

यह कहानी आज के समय में बेहद प्रासंगिक है। हालांकि इसकी प्रेरणा एक कुख्यात केस से ली गई है, जो आज भी लोगों के जेहन में ताजा है। दिल्ली उस दौर की तुलना में काफी बदल चुकी है, लेकिन उस समय के कई लोग आज भी मिलते हैं और बताते हैं कि तब क्या-क्या हुआ था। हाल ही में किसी ने मुझे बताया कि उस केस के दोनों आरोपी मुंबई के जेवीपीडी इलाके में भी देखे गए थे। यही बात इस मामले को और चौंकाने वाली बनाती है। साथ ही यह सवाल भी उठता है कि आज ऐसे कितने मामले हो रहे हैं। मेरे हिसाब से सिनेमा की जरूरत तब पड़ती है, जब लोगों को जागरूक करना हो कि एक परिवार के साथ जो हुआ, वह किसी और के साथ न हो। वहीं, जय प्रकाश का किरदार मुझे बहुत दिलचस्प लगा।

सब-इंस्पेक्टर के किरदार में ढलने के लिए आपने क्या-क्या किया?

इस किरदार को गढ़ने में मेरी पूरी टीम का बड़ा योगदान रहा। हम सभी ने इस पर काफी रिसर्च की और बहुत पढ़ाई की। शुरुआत में हमने सिर्फ सीन पढ़े, फिर धीरे धीरे किरदार की दुनि दुनिया में उतरते गए। हमने समझने की कोशिश की कि अगर यह उस दौर का व्यक्ति है, तो उसकी फितरत कैसी होगी, उसकी आदतें क्या होंगी। कहानी इमरजेंसी के बाद के समय की है, इसलिए उस दौर में पुलिस कैसे काम करती थी? इस पर भी काफी चर्चा हुई। उदाहरण के तौर पर उस समय दिल्ली में कॉन्स्टेबल्स को शॉर्ट्स पहनने से मना कर दिया गया था। लोगों की भाषा भी काफी पुख्ता थी और वे ज्यादातर हिंदुस्तानी में बात करते थे। मेरे हिसाब से इन सभी पहलुओं को गहराई से समझना इस किरदार की तह तक पहुंचने के लिए बेहद जरूरी था।

दर्शकों पर इस सीरीज का क्या प्रभाव पड़ा?

मुझे लोगों से बहुत अलग-अलग और दिलचस्प प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। आमतौर पर ऐसी कहानियों में या तो सिर्फ अपराधी का दृष्टिकोण दिखाया जाता है या फिर पुलिस का, लेकिन इस सीरीज में दोनों के बीच संतुलन रखा गया है। मेरे लिए इसकी सबसे अहम बात 'वर्दी की बंदिश' है। जब आप वर्दी पहनते हैं तो आपके काम करने की एक सीमा तय हो जाती है और आपको उसी दायरे में रहकर काम करना पड़ता है। लोगों को लगता है कि पुलिस के पास बहुत आजादी होती है, लेकिन हकीकत हमेशा वैसी नहीं होती। इस सीरीज में मेरा किरदार भी एक आम इंसान की तरह नजर आता है जो इस केस को पूरी शिद्दत और ईमानदारी से सुलझाने की कोशिश करता है।

शूटिंग का अनुभव कैसा रहा?

मेरे अनुसार शूटिंग करीब डेढ़ से दो महीने तक चली। हमारे निर्देशकों की यह स्पष्ट इच्छा थी कि हम वास्तविक लोकेशनों पर ही शूटिंग करें और सेट न बनाए जाएं। इसलिए ज्यादातर शूट असली स्थानों पर हुआ। हमने काफी शूटिंग आगरा और उसके आसपास के इलाकों में की। इसके बाद मुंबई में काम किया और फिर मुख्य शूटिंग दिल्ली में हुई। दिलचस्प बात यह रही कि दिल्ली का शेड्यूल मार्च में रखा गया था, जब वहां काफी गर्मी रहती है।

क्या आज के समय में स्टार कास्ट से ज्यादा फिल्म की कहानी केंद्र में आ रही है?

जी, मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं। जिस दिन कहानी किसी फिल्म की असली हीरो बन जाएगी, उस दिन पूरा खेल बदल जाएगा। उसके बाद अगर उस कहानी के साथ अच्छे कलाकार जुड़ जाएं, तो बात और बेहतर हो जाती है। मेरा मानना है कि अगर कहानी मजबूत नहीं है, तो सिर्फ किसी बड़े नाम के भरोसे पूरी फिल्म को नहीं बेचा जा सकता। इसके अलावा मैं किसी भी स्क्रिप्ट का चयन काफी सोच-समझकर करता हूं।

भारत का पाकिस्तान पर दबदबा कायम

हॉकी में 7-1 से रौंदा, 3278 दिन से अजेय है टीम इंडिया

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी अजेय बढ़त बनाए रखी। 26 जून को लंदन के ली वैली हॉकी और टेनिस सेंटर में खेले गए 2025-26 एफआईएच प्रो लीग के अपने दूसरे आखिरी मैच में टीम ने 7-1 से जीत हासिल की और पिछले एक दशक से चली आ रही जीत की लय को बरकरार रखा। मेन इन ब्लू ने इसी मैदान पर मंगलवार, 23 जून को मिली 4-3 की जीत के बाद चार दिनों के भीतर अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दूसरी जीत दर्ज की।

भारत की तरफ से 7 खिलाड़ियों ने किए गोल- इस मुकाबले में पाकिस्तान ने पहलो गोल 13वें मिनट में ही कर दिया और भारत 1-0 से पिछड़ गई थी। पाकिस्तान के लिए अबू महमूद ने गोल किया, लेकिन इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने गजब का खेल दिखाया और फिर पाकिस्तान की टीम मैच समाप्त होने तक एक भी गोल नहीं कर पाई। दूसरे क्वार्टर में सुखजीत सिंह (20वें मिनट) और हरमनप्रीत सिंह (26वें मिनट) के गोल की बदौलत भारत ने जबरदस्त वापसी की और हाफ-टाइम ब्रेक तक 2-1 की बढ़त बना ली। दूसरे क्वार्टर में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी जब पाकिस्तान के खिलाड़ी अहमद नदीम की आंख में गंभीर चोट लग गई और उनका इलाज करने के बाद उन्हें व्हीलचेयर से मैदान से बाहर ले जाया गया। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में हार्दिक सिंह (34वें मिनट), जुगराज सिंह (35वें मिनट), अभिषेक (41वें मिनट) और राजकुमार पाल (44वें मिनट) ने गोल किए जबकि आखिरी क्वार्टर में दिलप्रीत सिंह (54वें मिनट) के गोल ने जीत पर सोने पे सुहागा जैसा काम किया और भारत ने मैच को 7-1 से जीत लिया।

महिला पोल वॉल्ट में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर जी सिंधुश्री ने रचा इतिहास

एशियन गेम्स के लिए किया क्वालिफाई

नई दिल्ली। एक हाथ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड की उपलब्धि थी और दूसरे हाथ में उस पिता की तस्वीर, जिसका सपना अब बेटी ने पूरा कर दिया था। कर्नाटक की जी सिंधुश्री ने गुरुवार 25 जून 2026 को महिला पोल वॉल्ट में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, लेकिन यह पल उनके लिए सिर्फ जीत का नहीं, बल्कि दिवंगत पिता आर गणेश के अधूरे सपने को पूरा करने का भी था।

आर गणेश बेटी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करते देखना चाहते थे, लेकिन दुर्भाग्यवश तीन साल पहले उनका निधन हो गया। सिंधुश्री के पिता बिजली मिस्त्री थे। खास बात यह है कि सिंधुश्री ने जिस पोल के सहारे इतिहास रचा, वह उनका अपना नहीं था, लेकिन हौसला और पिता का सपना पूरा करने की जिद ने उन्हें नई ऊंचाई तक पहुंचा दिया। भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में जी सिंधुश्री ने महिला पोल वॉल्ट में 4.25 मीटर की रिकॉर्ड छलांग के साथ एशियन गेम्स के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। उन्होंने बारानिका इलानगोवन के मार्च 2026 में बनाए गए 4.23 मीटर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।
सिंधुश्री को जब फोटो के लिए पोज देने को कहा गया तो वह भावुक हो गईं। वह अपने बैग की ओर बढ़ीं और दिवंगत पिता की पासपोर्ट साइज तस्वीर निकाल ली।
सिंधुश्री ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, ''मुझे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करते देखना मेरे पिता का सपना था, लेकिन जब यह सपना पूरा हुआ तो वह हमारे साथ नहीं हैं।''

तुर्किये का दमदार प्रदर्शन

अमेरिका-तुर्की मैच के बाद फीफा विश्व कप की अंक तालिका

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 60 मुकाबले हो चुके हैं, लेकिन अब तक राउंड ऑफ 32 की तस्वीर साफ नहीं हुई है। अर्जेंटीना (वर्ल्ड चैंपियन), ब्राजील (पांच बार की विजेता) और जर्मनी जैसी कई बड़ी टीमें अगले राउंड में पहुंच गई हैं, लेकिन स्पेन, पुर्तगाल, इंग्लैंड और उरुग्वे जैसी टीमें ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मुकाबलों के नतीजों का इंतजार है। लीग स्टेज के मैच 12 जून से 28 जून तक चलेंगे। यहां FIFA वर्ल्ड कप 2026 की अपडेटेड पॉइंट्स टेबल और ग्रुप स्टैंडिंग दी गई हैं। 48 टीमों वाले इस फॉर्मेट में 12 ग्रुप में से हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें राउंड ऑफ 32 के लिए क्वालिफाई करेंगी। इसके अलावा से रुतक के सभी ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सबसे अच्छी टीमें भी राउंड ऑफ 32 के लिए क्वालिफाई करेंगी।

रोमांचक मुकाबले में

अमेरिका को 3-2 से हराया

लॉस एंजिल्स। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप डी के आखिरी मुकाबले में तुर्किये ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान अमेरिका को 3-2 से हराया। हालांकि, तुर्किये पहले ही नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो चुका था, लेकिन टीम ने जीत के साथ अपने अभियान का शानदार अंत किया। अमेरिका पहले ही ग्रुप डी में पहले स्थान पर रहते हुए राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह बना चुका है। ग्रुप में पहला स्थान पक्का होने के कारण अमेरिकी कोच मौरिसियो पोचेटिनो ने अपनी टीम में कई बदलाव किए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने वाली टीम की तुलना में उन्होंने 9 खिलाड़ियों को आराम दिया। वहीं, तुर्किये के खिलाड़ी सम्मान के लिए मैदान पर उतरे और पूरे मैच में शानदार जज्बा दिखाया। मैच की शुरुआत अमेरिका के लिए बेहतरीन रही। 2 मिनट और 13 सेकंड में ऑस्टन ट्रस्टी ने सेबेस्टियन बरहाल्टर के कॉर्नर पर शानदार गोल कर अमेरिका को 1-0 की बढ़त दिला दी।

यह अमेरिका की ओर से वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज गोल था। इससे पहले 2014 में क्लिंट डेम्पसी ने घाना के खिलाफ सिर्फ 30 सेकंड में गोल किया था।

0-1 से पिछड़ने के बाद तुर्किये ने शानदार वापसी की। सात मिनट बाद युवा स्टार अर्दा गुलर ने बारिस यिलमाज के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। इस गोल के साथ गुलर तुर्किये के लिए वर्ल्ड कप में गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। पहले हाफ में 30 मिनट के खेल के बाद तुर्किये ने दूसरा गोल कर मैच में फिर से बढ़त बना ली। एरेन एल्माली के शानदार पास को बारिस यिलमाज ने गोल में तब्दील करते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही अमेरिका ने एक बार फिर मुकाबले में वापसी की। 48वें मिनट में सेबेस्टियन बरहाल्टर ने बॉक्स के बाहर से शानदार लंबी दूरी का शॉट लगाया, जो गोलकीपर को छकाते हुए सीधा गोल पोस्ट में पहुंचा।

इस गोल के साथ स्कोर 2-2 हो गया। बरहाल्टर ने इस मैच में एक गोल और एक असिस्ट किया।

मिस्र के खिलाफ ड्रॉ के बाद ईरान के कोच ने यूएस के यात्रा पाबंदियों की आलोचना की

सिएटल। ईरान के कोच आमिर घालेनोई ने सिएटल में फीफा विश्व कप के अपने आखिरी ग्रुप-स्टेज मैच में मिस्र के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ के बाद अमेरिका द्वारा अपनी टीम पर लगाए गए यात्रा पाबंदियों की कड़ी आलोचना की। घालेनोई ने कहा कि यात्रा पाबंदियों की वजह से उनकी टीम और खिलाड़ियों को नुकसान हुआ। ईरान के लिए यह एक मुश्किल सफर था क्योंकि उन्हें अपने तीन ग्रुप स्टेज मैचों के लिए मेक्सिको के तिजुआना में अपने बेस से सफर करना पड़ा, और मिस्र के मैच से पहले अमेरिकी

अधिकारियों के कुछ नरम पड़ने के बावजूद, उन्हें किक-ऑफ से दो दिन पहले सिएटल एरिया में आने की इजाजत दी गई। अमेरिका में उनकी मौजूदगी के हालात को वाशिंगटन के ईरान के साथ चल रहे राजनयिक झगड़े से भी जूझना पड़ा है, और ऐसा समझा जाता है कि अमेरिका के साथ झगड़े के बाद ईरान को लगभग हिस्सा लेने से मना कर दिया गया था। मैच के बाद घालेनोई ने पत्रकारों से कहा, 'मेजबान देश ने हमारे साथ बहुत गलत बर्ताव किया। अगर मेजबान देश ने हमें दो सप्ताह पहले आने दिया होता, तो हम शारीरिक और मानसिक तौर पर बेहतर स्थिति में होते। उन्होंने हमें वह इंसाफ नहीं दिया। ईरान को मैच के तुरंत बाद तिजुआना वापस जाना पड़ा, जिससे टीम की रिकवरी में और देरी हुई क्योंकि वे नॉकआउट-स्टेज में अपनी किस्मत का इंतजार कर रहे थे। मुझे लगता था कि हम सच में पूरी तरह से दबी हुई टीम हैं, लेकिन इन तीन मैचों के बाद, मैंने देखा कि हमारी किस्मत भी खराब है।'
घालेनोई ने कहा, 'मैं फीफा से गुजारिश करता हूं कि मेजबान को आने वाले विश्व कप में खिलाड़ियों और टीमों के साथ ऐसा बर्ताव न करने दें।'
उन्होंने कहा, 'टीम एक पवित्र मकसद के साथ आई थी, जो था ट्रेनिंग करना और अच्छा खेलना। अगर ऊपरवाला चाहेगा, तो हम आगे बढ़ेंगे। मैं खिलाड़ियों को आराम के लिए एक दिन दूंगा, मानसकि रूप से शांत होने के लिए समुद्र के किराने जाऊंगा।'

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में शर्मनाक शुरुआत

आयरलैंड ने भारत को 2 मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में 34 रनों से हारकर शुक्रवार (26 जून) को इतिहास रच दिया। आयरलैंड ने भारत को किसी भी फॉर्मेट में पहली बार हराया और सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली। भारत का जनवरी 2024 से टी20 सीरीज न हारने का विजय रथ रुक गया। इस दौरान वह लगातार 9 सीरीज जीती। इस तरस से श्रेयस अय्यर की कप्तानी की खराब शुरुआत हुई। बेलफास्ट के सिविल सर्विस

क्रिकेट क्लब में भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। आयरलैंड ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 182 रन बनाए। आयरलैंड के लिए लोर्कन टकर ने अर्धशतक जड़ा। गैरेथ डेलानी ने तेज पारी खेली। भारत के लिए हर्षित राणा ने 3 विकेट झटके। इसके जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर आउट हो गई। भारत के लिए अभिषेक शर्मा ने अर्धशतक जड़ा। आयरलैंड के लिए जय मूंद्रा ने शानदार डेब्यू किया। आयरलैंड के लिए टिम टेक्टर ने 17, रॉस अडायर ने 12, हैरी टेक्टर ने 0, लोर्कन टकर ने 50, बेंजामिन कैलिट्ज ने 15, गैरेथ डेलानी ने 49, जॉर्ज डॉकरेल ने 19, लियाम मैकार्थी ने 7, मैथ्यू हम्फ्रीज ने 2 और जय मूंद्रा ने नाबाद 2 रन बनाए। भारत के लिए हर्षित राणा ने 24 रन देकर 3 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने 2-2 विकेट लिए शिवम दुबे ने 1 विकेट लिए। भारत के लिए अभिषेक शर्मा ने 20 गेंद पर 50 रन बनाए। संजू सैमसन ने 5, इशान किशन ने 1, श्रेयस अय्यर ने 3, तिलक वर्मा ने 19, वाशिंगटन सुंदर, शिवम दुबे ने 25, अक्षर पटेल ने 15, हर्षित राणा ने 8, अर्शदीप सिंह ने 2 और प्रसिद्ध कृष्णा ने नाबाद 1 रन बनाए। आयकलैंड के लिए मैथ्यू हम्फ्रीज और मैथ्यू होलार्ड ने 3-3 विकेट झटके। जय मूंद्रा ने 2, लियाम मैकार्थी और गेरेथ डेलानी ने 1-1 विकेट लिए।

'घायल' आयरलैंड ने रोका भारत का विजय रथ

- वाशिंगटन-प्रसिद्ध के ओवर, खराब फील्डिंग और बेकार बल्लेबाजी

नई दिल्ली। आयरलैंड ने 2 मैचों सीरीज में शुक्रवार (26 जून) को भारत को 34 रनों से हराकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ आयरलैंड ने भारत का 19 महीने से चला आ रहा विजय रथ रोक दिया। लगातार 2 बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाली भारतीय जनवरी 2024 से लगातार 9 टी20 सीरीज जीती थी। अब वह रविवार (28 जून) को आयरलैंड को दूसरे टी20 में हरा देती है तो भी सीरीज बराबर कर पाएगी। आयरलैंड जैसी कमजोर टीम ने उसे तब हराया जब पॉल स्टर्लिंग और जोश लिटिल जैसे प्रमुख खिलाड़ी चोटिल हैं। श्रेयस अय्यर की अगुआई में भारतीय टीम की शुरुआत काफी खराब रही। अय्यर का बल्ला तो नहीं ही चला कप्तानी में भी उन्होंने कुछ साधारण फैसले लिए। उन्होंने ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर को स्लॉग ओवर में गेंद दी। इसी ओवर में आयरलैंड ने बड़े स्कोर की नींव रखी। बेलफास्ट में कभी भी 175 से बड़ा स्कोर हासिल नहीं हुआ। भारतीय टीम की फील्डिंग ने भी हार में पूरा योगदान दिया।

आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 में भारत की हार प्रमुख वजहें

- **पहले गेंदबाजी का फैसला:** श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। बेलफास्ट में भारतीय टीम को खेलने का अनुभव नहीं है। ऐसे में वह परिस्थितियों का अंदाजा नहीं लगा पाई। दूसरी पारी में बल्लेबाजी आसान नहीं थी। दूसरी पारी में गेंद काफी धीमी रह रही थी। बल्ले पर नहीं आ रही थी।
- **खराब फील्डिंग:** भारतीय टीम ने खराब फील्डिंग की। शिवम दुबे ने अर्शदीप सिंह की गेंद पर टिम टेक्टर का कैच टपकाया। अक्षर पटेल के एक ही ओवर में अभिषेक शर्मा और वाशिंगटन सुंदर ने गेरेथ डेनाली और लोर्कन टकर का कैच टपकाया। टकर ने अर्धशतक और डेनाली ने 49 रनों की पारी खेली।
- **वाशिंगटन सुंदर की गेंदबाजी:** वाशिंगटन सुंदर ने मैच में एक ओवर किया और 19 रन दे दिए। आयरलैंड का स्कोर 15 ओवर में 5 विकेट पर 118 रन से 16 ओवर में 5 विकेट पर 119 रन हो गया।
- **प्रसिद्ध कृष्णा का ओवर:** वाशिंगटन के बाद प्रसिद्ध कृष्णा गेंदबाजी करने आए। उनके ओवर में 27 रन बने। आयरलैंड का स्कोर 17 ओवर में 5 विकेट पर 164 रन हो गया। आयरलैंड के खिलाफ यह किसी भी भारतीय का सबसे महंगा ओवर था।
- **खराब बल्लेबाजी:** संजू सैमसन और इशान किशन के जल्दी आउट होने के बाद भी अभिषेक शर्मा की तूफानी अर्धशतक के दमपर भारत ने 8 ओवर में 80 रन बना दिए थे। 4 विकेट के बाद बल्लेबाजों की क्रीज पर टिकने की जरूरत थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आयरलैंड के गेंदबाजों ने बहुत अच्छी गेंदबाजी नहीं की। भारतीय बल्लेबाजों ने बड़े शॉट के प्रयास में विकेट गंवाए। संजू को छोड़ दें तो हर बल्लेबाज कैच आउट हुआ।

वैभव को खिला लेते तो क्या बिगड़ जाता

- वाशिंगटन सुंदर को खिलाना थी बड़ी गलती

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टी20 टीम ने आयरलैंड के खिलाफ अपना पहला टी20 इंटरनेशनल मैच खेला, लेकिन इस मैच में वर्ल्ड चैंपियन टीम को 34 रन से हार मिली और ये काफी शर्मनाक था। भारतीय टीम और आयरलैंड की टीम को अगर देखें तो टीम इंडिया के सामने ये टीम कहीं भी टिकती नजर नहीं आती है, लेकिन अपने घरेलू मैदान पर आयरलैंड ने भारत को हरा दिया और साबित किया कि किसी को भी आप हल्के में नहीं ले सकते।

वैभव को देना चाहिए था मौका- आयरलैंड के खिलाफ भारत की हार की कई वजह रही जिसमें प्रसिद्ध कृष्णा की बेहद खराब गेंदबाजी, भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का सरेंडर होना शामिल था, लेकिन वैभव को इस मैच में मौका नहीं देना भी बहुत बड़ी गलती रही। वैभव टी20 में क्या कुछ कर सकते हैं और एक ऐसा बैटर जो पूरी तरह से तैयार हैं उसे मौका देने के लिए आप किस बात का इंतजार कर रहे हैं ये बड़ा सवाल है। वैभव अगर इस मुकाबले में होते तो शायद बात कुछ अलग हो सकती थी।

- **सुंदर को बतौर बैटर किया जा रहा है प्रमोट-** आयरलैंड के खिलाफ भारत की प्लेइंग 11 में वैभव को शामिल नहीं किया गया और श्रेयस अय्यर ने कहा कि सही वक्त पर उन्हें मौका दिया जाएगा तो सही वक्त क्या होगा ये भी बता देते।

आयरलैंड के खिलाफ जब टीम इंडिया 5 गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरी थी तो वाशिंगटन सुंदर को टीम में जगह देना कितना जरूरी था। वैसे भी वाशिंगटन सुंदर पिछले कुछ वक्त से काफी कम गेंदबाजी करते हैं और उन्हें टीम में बल्लेबाज के रूप में ज्यादा प्रमोट किया जा रहा है।

- **सुंदर से ज्यादा अच्छे विकल्प हैं वैभव-** जब आप सुंदर को बतौर बल्लेबाज टीम में रखना चाहते हैं तो वैभव सूर्यवंशी क्या खराब विकल्प हैं। आयरलैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में सुंदर ने एक ओवर गेंदबाजी की और 19 रन लुटाए और बल्लेबाजी में उन्हें छठे नंबर पर शिवम दुबे और अक्षर पटेल से ऊपर भेजा गया, लेकिन उन्होंने 12 गेंदों पर 9 रन बनाए। यानी ना तो उनका बल्ला चला और ना ही गेंद से वो कुछ कर पाए। अब अगर इस मैच में वैभव को प्लेइंग इलेवन में सुंदर की जगह रखा जाता और उनका बल्ला चल जाता तो क्या होता इसकी कल्पना की जा सकती है।
- **वैभव-अभिषेक कर सकते हैं पारी की शुरुआत-** वैभव को इस मैच की प्लेइंग 11 में शामिल करके अभिषेक के साथ ओपन का मौका देना चाहिए थे और संजू सैमसन तीसरे नंबर पर खेल सकते थे।

डेब्यू हो तो जय मूंद्रा जैसा

पहली ही गेंद पर झटका विकेट, ये ञ्ज20द्ब में पहली बॉल पर विकेट लेने वाले गेंदबाज

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ बेलफास्ट में शानदार डेब्यू करते हुए आयरलैंड के तेज जय मूंद्रा ने करियर की पहली ही गेंद पर विकेट झटका। उन्होंने भारतीय ओपनर संजू सैमसन को बोल्ड कर दिया। मूल रूप से राजस्थान के जयपुर के रहने वाले जय मूंद्र को बेलफास्ट में गेंदबाजी करने का मौका दूसरे ओवर में मिला। जय मूंद्रा जब गेंदबाजी करने आए तब मैथ्यू हम्फ्रीज ने पहले ओवर में 16 रन दे दिए थे। इसके बाद सैमसन को उन्होंने बोल्ड करके करियर की शुरुआत की। हम्फ्रीज के बाद मूंद्रा आयरलैंड के लिए डेब्यू मैच में पहली गेंद पर विकेट लेने वाले गेंदबाज बने।

संक्षिप्त समाचार

जेएनयू ने जारी की पीजी प्रवेश की पहली मेरिट सूची, आगे की प्रक्रिया और महत्वपूर्ण तिथियां

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएनयू ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के स्नातकोत्तर (एमए, एमएससी और एमसीए) कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए पहली मेरिट सूची जारी कर दी है। सीयूईटी पीजी-2026 के आधार पर चयनित अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर अपना परिणाम और कट-आफ स्कोर देख सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को 27 जून तक प्री-एनरोलमेंट प्रक्रिया पूरी करने के साथ प्रवेश शुल्क जमा कर अपनी सीट सुनिश्चित करनी होगी। विश्वविद्यालय ने पीजी और एडवांस्ड डिप्लोमा आफ प्रोफिशिएंसी (एडीओपी) कार्यक्रमों के लिए संशोधित प्रवेश कार्यक्रम भी जारी किया है। जेएनयू ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश केवल सीयूईटी पीजी-2026 के अंकों के आधार पर नहीं होगा। विश्वविद्यालय की प्रवेश नीति के तहत पात्र अभ्यर्थियों को डेप्रिवेशन प्वाइंट्स का लाभ भी दिया जाएगा। यह सुविधा पिछड़े क्षेत्रों और निर्धारित श्रेणियों के योग्य उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार प्रदान की जाती है। उम्मीदवार आवेदन के समय उपयोग किए गए एप्लीकेशन नंबर और पासवर्ड की सहायता से प्रवेश पोर्टल पर लाग इन कर अपना परिणाम डाउनलोड कर सकते हैं। विश्वविद्यालय ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी औपचारिकताएं पूरी नहीं करने वाले अभ्यर्थियों की आवंटित सीट रद की जा सकती है। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि शुल्क जमा करने से पहले ई-प्रोस्पेक्टस का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें। इसमें पात्रता, सीट मैट्रिक्स, आरक्षण नीति, पाठ्यक्रमवार आवश्यकताओं और प्रवेश से जुड़े सभी नियमों का विस्तृत विवरण उपलब्ध है। वहीं, दस्तावेज सत्यापन के दौरान अभ्यर्थियों को कक्षा 10वीं एवं 12वीं की अंकतालिका, स्नातक की डिग्री या प्रमाणपत्र, माइग्रेशन सर्टिफिकेट, चरित्र प्रमाण पत्र तथा आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को वैध और अद्यतन आरक्षण प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। विश्वविद्यालय ने सभी दस्तावेज मूल रूप में साथ लाने के निर्देश दिए हैं।

अयोध्या राममंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच तिरुपति का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। अयोध्या में श्रीरामलला मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण के बीच तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) संचालित देश में सबसे अधिक चढ़ावा प्राप्त करने वाले मंदिरों में शामिल तिरुमला श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में आ रहे चढ़ावे के पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह प्रबंधन के लिए बड़ा कदम उठाया है। टीटीडी ने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) को चढ़ावा प्राप्त होने से लेकर उसकी गिनती, सुरक्षित रखरखाव, बैंक में जमा, हिसाब-किताब, लेखा परीक्षण और निगरानी के लिए नया अचूक प्रबंधन माडल तैयार करने की जिम्मेदारी दी है। यह पहल ऐसे समय हुई है जब श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या में चढ़ावा चोरी का मामला चर्चा में है। तिरुमला मंदिर में भी चढ़ावा चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। आईसीएआई के अध्यक्ष सीए प्रसन्ना कुमार डी. ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि आईसीएआई विशेषज्ञों की टीम पहले 100 दिनों तक चढ़ावे को लेकर मंदिर की मौजूदा व्यवस्था का विस्तृत अध्ययन करेगी। इस दौरान चढ़ावा प्राप्त होने से लेकर उसकी गिनती, सुरक्षित रखरखाव, बैंक में जमा और लेखा-जोखा तक पूरी प्रक्रिया का आकलन किया जाएगा। फिर ऐसा चढ़ावा प्रबंधन मॉडल तैयार किया जाएगा, जिसे बड़े मंदिरों में उनकी आवश्यकता के अनुरूप लागू किया जा सके। कहाकि तिरुमला श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को वर्ष 2024 में 1,365 करोड़ का चढ़ावा प्राप्त हुआ था। प्रतिदिन यहां करोड़ों नकद के साथ सोना, चांदी और अन्य बहुमूल्य वस्तुएं भी चढ़ावे में आती हैं। इतनी बड़ी मात्रा में आने वाले चढ़ावे का पारदर्शी, सुरक्षित और सटीक प्रबंधन अपने आप में बड़ी चुनौती है।

यमुनापार की सड़कों पर घूम रहे बेसहारा गोवंश राहगीरों के लिए बने परेशानी

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुनापार की सड़कों पर घूम रहे बेसहारा गोवंश राहगीरों के लिए बड़ी परेशानी बन गए हैं। सड़कों पर झुंड बनाकर खड़े गोवंश अचानक हमलावर हो जाते हैं, जिससे आए दिन दोपहिया वाहन सवार और पैदल यात्री दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। बीते बुधवार मंडावली वार्ड की पार्षद शशि चांदना पर अपने कार्यालय जाने के दौरान श्रीराम चौक के पास अचानक एक गोवंश ने हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। फिलहाल उनका उपचार अस्पताल में चल रहा है।

इस घटना के बाद इलाके के लोगों में भय का माहौल है। लोगों का आरोप है कि ये गोवंश अवैध डेयरी संचालकों के हैं, जिनके खिलाफ शिकायतों के बावजूद नगर निगम कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं करता।

गीता कॉलोनी, मंडावली, आइपी एक्सटेंशन, गणेश नगर और गोकलपुरी की सड़कों पर हर दिन सैकड़ों की संख्या में बेसहारा गोवंश नजर आते हैं। व्यस्त सड़कों और बाजारों में इनकी मौजूदगी जाम और दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। कई बार ये पैदल यात्रियों पर अचानक हमला भी कर देते हैं।

मंडावली निवासी रतन का कहना है कि लगभग हर सड़क पर बेसहारा पशुओं का झुंड खड़ा रहता है, जिसके कारण महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सड़क पर निकलने से घबराते हैं। उनका कहना है कि इलाके में चल रहे अवैध डेयरी कारोबार के कारण सड़कों पर गोवंशों की संख्या

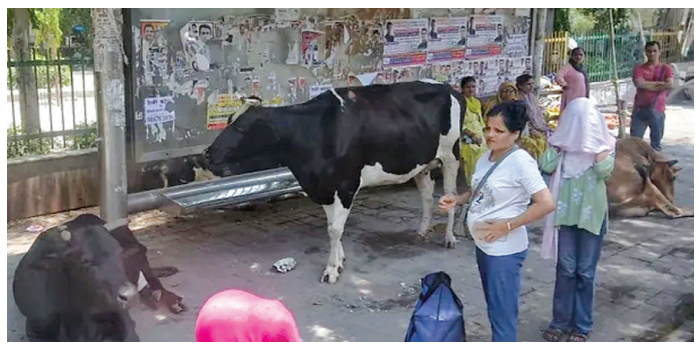

लगातार बढ़ रही है। मंडावली, खिचड़ीपुर, गाजीपुर और गोकलपुरी समेत कई इलाकों में अवैध डेयरी कारोबार संचालित हो रहा है। लोगों का कहना है कि डेयरी संचालक दूध निकालने के बाद गोवंशों को सड़क पर छोड़ देते हैं। मंडावली के चिल्ड्रन पार्क, हेडगेवार पार्क और श्रीराम चौक पर सैकड़ों की संख्या में बेसहारा पशु खड़े रहते हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पास की रेलवे कालोनी में करीब 15 डेयरी फार्म घरों के बेसमेंट में चल रहे हैं। पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण डेयरी संचालक गोवंशों को सड़क किनारे चारा डालते हैं और खुले में छोड़ देते हैं। गोकलपुरी, गाजीपुर और खिचड़ीपुर में भी स्थिति कमोबेश ऐसी ही है, जिसके कारण सड़कें राहगीरों के लिए लगातार असुरक्षित होती जा रही हैं।

लोगों का आरोप है कि नगर निगम के कुछ कर्मचारी डेयरी संचालकों से मिले हुए हैं। उनका कहना है कि कार्रवाई के लिए निगम की गाड़ी इलाके में पहुंचने से पहले ही डेयरी संचालकों को सूचना मिल जाती है, जिससे वे कार्रवाई से बच निकलते हैं।

मामले पर निगम अधिकारी डा. कंचन का कहना है कि मंडावली गांव में खुले में घुम रहे पशुओं और अवैध डेयरियों के खिलाफ नियमित अभियान चलाया जा रहा है। मई 2026 से अब तक 17 आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला भेजा गया है। दो अवैध डेयरियां ध्वस्त की गईं। मंडावली और फाजलपुर क्षेत्र में पांच अवैध डेयरियां सील की जा चुकी हैं।

11 साल की बच्ची से दरिंदगी और हत्यारोपी के बयान नहीं हो रहे मेच, किशोरावस्था से है क्रिमिनल रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली में 22 जून की रात 11 वर्षीय बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी के बयान असंगत बताए जा रहे हैं। पूछताछ में उसके द्वारा दी गई जानकारी मौके से मिले साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज से मेल नहीं खा रही है। जांचकर्ताओं को पता चला है कि आरोपी बशु सिंह को वर्ष 2021 में ही बिहार में गिरफ्तार किया गया था और उसके किशोरावस्था से ही आपराधिक रिकॉर्ड हैं। बता दें कि आरोपी बाशु (29) को घटना के कुछ घंटों के अंदर गिरफ्तार कर लिया गया था। वह फिलहाल पुलिस हिरासत में है और जांचकर्ता घटनाक्रम को क्रमबद्ध तरीके से जोड़ रहे हैं। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि सिंह को 2021 में बिहार के खगड़िया जिले में गिरफ्तार किया गया था और सीआरपीसी की धारा 109 के तहत बॉन्ड भरने के बाद छोड़ दिया गया था। जब वह नाबालिग था, तब भी उसे एक अपराध में पकड़ा गया था। जांचकर्ताओं को पता चला है कि सिंह के खिलाफ बिहार में कम से कम पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से दो हत्या के प्रयास के हैं। इसके अलावा दंगा और छेड़छाड़ के भी आरोप हैं।

सीबीएसई के 13% छात्र अब भी अंधेरे में, रिजल्ट के इंतजार में एडमिशन की बढ़ रही टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा पुनर्मूल्यांकन और सत्यापन के बाद अधिकांश छात्रों के संशोधित परिणाम जारी किए जाने के बावजूद हजारों छात्र अब भी अपने नतीजों का इंतजार कर रहे हैं। बोर्ड ने 21 जून तक लगभग 87 प्रतिशत मामलों का निस्तारण कर दिया था, लेकिन शेष करीब 13 प्रतिशत छात्रों के परिणाम अब तक जारी नहीं हुए हैं। ऐसे में इन छात्रों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। संशोधित परिणाम में देरी का सबसे बड़ा असर कालेजों की प्रवेश प्रक्रिया पर पड़ रहा है। कई विश्वविद्यालयों और कालेजों में दाखिले शुरू हो चुके हैं, जबकि जिन छात्रों के अंक पुनर्मूल्यांकन के बाद बदलने की संभावना है, वे आवेदन और सीट आवंटन को लेकर असमंजस में हैं। छात्रों और अभिभावकों का कहना है कि परिणाम लंबित रहने से उनका पूरा शैक्षणिक कार्यक्रम प्रभावित हो सकता है। सोशल मीडिया पर भी कई छात्र लगातार सीबीएसई से लंबित परिणाम जल्द जारी करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि बोर्ड को प्रत्येक लंबित आवेदन की स्थिति सार्वजनिक करनी चाहिए, ताकि छात्रों को यह जानकारी मिल सके कि उनका परिणाम कब तक जारी होगा। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी होना आवश्यक है, क्योंकि अंक बदलने पर छात्रों की मेरिट, कट-आफ और पसंदीदा कालेज में प्रवेश की संभावनाएं भी प्रभावित होती हैं।

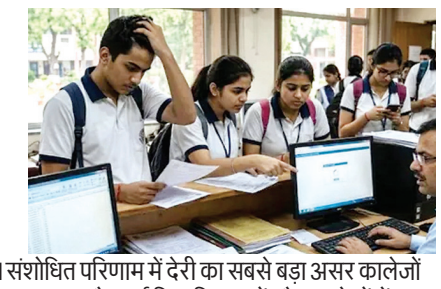

दिल्ली में ड्रग्स तस्करी में चार भाई-बहन समेत 6 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर-पश्चिम जिले में सक्रिय एक ड्रग सिंडिकेट और एक अंतर-राज्यीय ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है।

अलग-अलग अभियानों में कुल छह आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें साइकोट्रोपिक दवाओं के अवैध व्यापार के लिए चार भाई-बहनों को गिरफ्तार किया गया है।

पूरी कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित दवाएं, नशीले पदार्थ, नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और करोड़ों रुपये की संपत्ति से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए हैं। दिल्ली के ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट की मदद से उत्तर-पश्चिम जिले की एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड ने जहांगीरपुरी में सक्रिय साइकोट्रोपिक दवाओं के अवैध कारोबार का पर्दाफाश किया। इस मामले में चार भाई-बहनों को गिरफ्तार किया गया। रातभर चले ऑपरेशन के दौरान कई ठिकानों पर छापेमारी कर 1,300 प्रतिबंधित एडनॉक-एन टैबलेट (ब्यूप्रेनोर्फिन

2 एमजी और नालोक्सोन 0.5 एमजी) बरामद की गईं, जिनका कुल वजन 268 ग्राम और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित मूल्य करीब 7 लाख रुपये बताया गया है। इसके अलावा 735 एविल इंजेक्शन, 2,532 सुई और सिरिंज, 22.02 लाख रुपये नकद, 241 ग्राम सोने के आभूषण (करीब 35 लाख रुपये मूल्य) तथा 2.4 किलोग्राम चांदी के आभूषण (करीब 6.2 लाख रुपये मूल्य) जब्त किए गए। जांच के दौरान पुलिस ने 11 फ्लैटों से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए हैं। प्रत्येक फ्लैट की अनुमानित कीमत 12 से 15 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस अब इन संपत्तियों के स्रोत और ड्रग्स कारोबार से उनके संबंध की जांच कर रही है। एक अन्य अभियान में एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड ने अंतर-राज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए 1.525 किलोग्राम चरस और 3.8 किलोग्राम गांजा बरामद किया। बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपये आंकी गई है। इस मामले में दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, दोनों मामलों में गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ की जा रही है और ड्रग्स सप्लाई चेन से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीडब्ल्यूडी का 'विशेष अभियान' या सिर्फ दिखावा? मानसून से पहले दिल्ली वालों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। मानसून दिल्ली के दरवाजे है। दिल्ली वाले कभी आसमान को देख रहे, कभी जमीन पर उन बदहाल सड़कों को, जो वर्षा में उनकी मुसीबत बढ़ाने वाले हैं। राज्य सरकार ने पीडब्ल्यूडी के माध्यम से दिल्लीभर की सड़कों के विशेष मरम्मत का अभियान चलाया है, जिसके तहत दावा है कि दो हजार से अधिक गड्ढों और क्षतिग्रस्त हिस्सों को ठीक कर दिया जाएगा, लेकिन जमीनी हकीकत उससे कोसों दूर है। चिंता यह कि वर्षा में ये टूटी सड़कें और गड्ढे जलमग्न हो जाएंगे। तब उससे गुजरने में दुर्घटनाएं होंगी। पड़ताल में सामने आया कि कई इलाकों में सड़कें और फुटपाथ लंबे समय से बदहाल हैं, जिसकी सुधि लेने वाला नही है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि जब भी विधायक या पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को शिकायत करते हैं तो वह दूसरे विभाग का क्षेत्र और काम बताकर पल्ला झाड़ लेते हैं। मध्य दिल्ली के कई मुख्य और संपर्क मार्गों पर स्थिति बेहद चिंताजनक है। केवल सड़कों का नहीं, बल्कि पैदल चलने वालों के लिए बने फुटपाथों की स्थिति भी बहुत खराब है। जाकिर हुसैन कालेज के सामने जवाहर लाल नेहरू मार्ग स्थित क्षतिग्रस्त पड़ी है। इसी तरह, पहाड़गंज फ्लाइओवर पर बने फुटपाथ भी जर्जर हालत में है। इसी तरह करोलबाग फेस रोड और देशबंधु गुप्ता रोड पर पहाड़गंज थाने के पास भी सड़कें खराब हालात में है।

डेनमार्क में मुस्लिमों पर कसेगा शिकंजा; अजान पर बैन की तैयारी! मंत्री बोले- यह इस्लामाबाद नहीं

कोपेनहेगन, एजेंसी। डेनमार्क में मुस्लिमों पर शिकंजा कसा जा रहा है। यहां की सरकार लाउडस्पीकर के माध्यम से मस्जिदों में दी जाने वाली अजान पर कानूनी रोक लगाने की संभावना पर विचार कर रही है। सरकार का कहना है कि यह कदम देश में बढ़ते इस्लामीकरण को लेकर उठाई जा रही व्यापक नीति का हिस्सा है। डेनमार्क के आव्रजन एवं एकीकरण मंत्री मोर्टेन बोडस्कोव ने कहा कि सरकार इस मुद्दे के कानूनी पहलुओं की समीक्षा कर रही है। उन्होंने कहा, डेनमार्क की छतों पर अजान नहीं सुनाई देनी चाहिए।

डेनमार्क में इसके लिए कोई जगह नहीं है। यहां घूमते समय लोगों को ऐसा नहीं लगना चाहिए कि वे इस्लामाबाद के किसी उपनगर में हैं। उनके इस बयान के बाद देश में नई राजनीतिक बहस छिड़ गई है। सत्तारूढ़ सोशल डेमोक्रेट्स सरकार की ओर से मस्जिदों में लाउडस्पीकर के उपयोग को सीमित करने का यह तीसरा प्रयास बताया जा रहा है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल यह अंतिम नीति नहीं, बल्कि कानूनी समीक्षा के चरण में मौजूद एक प्रस्ताव है। डेनमार्क के अधिकारी यह जांच रहे हैं कि क्या देश के संविधान में धार्मिक स्वतंत्रता और सार्वजनिक पूजा के अधिकार को देखते हुए लाउडस्पीकर पर अजान को प्रतिबंधित करना कानूनी रूप से संभव है। यदि कानून विशेषज्ञ इसे संवैधानिक मानते हैं, तभी सरकार आगे विधायी प्रक्रिया शुरू करेगी। डेनमार्क के कई शहरों, जिनमें कोपेनहेगन भी शामिल है, में शोर-नियंत्रण नियमों के कारण लाउडस्पीकर के उपयोग पर पहले से ही कुछ स्थानीय प्रतिबंध लागू हैं।

भारत आएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने की पुष्टि

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द भारत का दौरा करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसकी पुष्टि की है। रुबियो ने एक इंटरव्यू में बताया कि वे खुद ट्रंप के भारत के ऐतिहासिक दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं और इसके लिए वे जल्द भारत आएंगे। रुबियो ने बताया कि ट्रंप प्रशासन अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रपति ट्रंप के भारत दौरे की तैयारियां कर रहा है। यह भारत और अमेरिका के रिश्तों में बढ़ती नजदीकी को रेखांकित करता है, क्योंकि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं।

रुबियो ने कहा- इस साल के अंत में वे भी भारत का दौरा करेंगे

व्हाइट हाउस में न्यूज एजेंसी आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में रुबियो ने कहा, मैं साल के अंत में राष्ट्रपति ट्रंप के दौरे की तैयारियों के सिलसिले में भारत की यात्रा करूंगा। भारत-अमेरिका के संबंधों को लेकर रुबियो ने कहा कि दोनों देशों के संबंध मजबूत स्थिति में हैं और जी7 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच हुई हालिया मुलाकात के बाद भारत-

अमेरिका संबंधों में बेहतरी हुई है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने ये भी कहा कि क्वाड बैठक पर भी जल्द बातचीत हो सकती है। रुबियो ने भारत को अमेरिका का सबसे करीबी सहयोगी बताया। उन्होंने कहा, 'भारत, अमेरिका का करीबी सहयोगी है और प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के रिश्ते भी बहुत अच्छे हैं, जो मुझे लगता है कि कूटनीति में बेहद महत्वपूर्ण होते हैं।' फरवरी 2020 में ट्रंप ने किया था भारत दौरा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरी बार फरवरी 2020 में भारत का दौरा किया था। उस समय उन्होंने नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता से पहले अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप रैली को भी संबोधित किया था। साल 2024 में अमेरिकी सत्ता में दोबारा लौटने के बाद भी ट्रंप ने भारत के साथ बेहतर संबंधों को बढ़ावा दिया है और दोनों देश व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी और हिंद प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बढ़ा रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी में कई समानताएं भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने भारत और अमेरिका को असीमित संभावनाओं वाले स्वाभाविक साझेदार बताते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश और उभरते क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग को राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी व्यक्तिगत संबंधों से भी मजबूती मिल रही है।

शोएब अख्तर के भाई के जनाजे में दिखे लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी, तस्वीरों ने फिर खोली पाकिस्तान की पोल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के बड़े भाई शाहिद अख्तर के जनाजे को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरों में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े बताए जा रहे कुछ लोगों की मौजूदगी का दावा किया जा रहा है। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद एक बार फिर पाकिस्तान में आतंकियों की सार्वजनिक मौजूदगी और उन्हें मिलने वाले कथित संरक्षण को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

शाहिद अख्तर का 24 जून को निधन हो गया था। इसके बाद इस्लामाबाद के एच-8 कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जनाजे में खेल, राजनीति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कई लोग शामिल हुए थे। इसी दौरान वायरल हुए वीडियो में लश्कर-ए-तैयबा के उप प्रमुख सैफुल्लाह कसूरी और पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) से जुड़े कुछ नेताओं के मौजूद होने का दावा किया गया है। हालांकि, इन वीडियो और तस्वीरों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

कौन हैं सैफुल्लाह कसूरी और क्यों हैं चर्चा में? सैफुल्लाह कसूरी को भारत की सुरक्षा एजेंसियां 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में शामिल मानती हैं। इस हमले में 25 पर्यटकों की मौत हुई थी।

भारत ने हमले के बाद कई कड़े कदम उठाए थे। इनमें सिंधु जल संधि को स्थगित करना और ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई शामिल थी। भारत लंबे समय से पाकिस्तान पर आतंकियों को संरक्षण देने का आरोप लगाता रहा है।

जनाजे में और कौन-कौन दिखने का दावा किया जा रहा है?

वायरल वीडियो और तस्वीरों में पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) के इस्लामाबाद अध्यक्ष इनाम-उर-रहमान कम्बोह समेत कई अन्य नेताओं के दिखाई देने का दावा किया गया है। पीएमएमएल को लेकर लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि यह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े लोगों का राजनीतिक मंच है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकी हाफिज सईद से जुड़े कई संगठनों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगे हुए हैं। क्या पाकिस्तान में आतंकियों की खुलेआम मौजूदगी पर फिर उठे सवाल? जनाजे में कथित तौर पर प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े लोगों की मौजूदगी के दावों ने पाकिस्तान की भूमिका पर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। भारत सहित कई देश पहले भी पाकिस्तान पर अपनी जमीन पर सक्रिय आतंकी नेटवर्क के खिलाफ पर्याप्त कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगा चुके हैं। सार्वजनिक कार्यक्रमों में ऐसे लोगों की कथित मौजूदगी ने इन आरोपों को फिर चर्चा में ला दिया है।

अमेरिका ने भारतीय कंपनी और सीईओ समेत आठ पर लगाया बैन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफ्रीकी देश सूडान में जारी गृहयुद्ध के बीच एक भारतीय कंपनी और उसके का नाम सामने आया है। अमेरिका ने शुक्रवार को एक भारतीय नागरिक और उसकी कंपनी समेत आठ व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिका का आरोप है कि इन लोगों और कंपनियों ने सूडान में चल रहे संघर्ष के दौरान ऐसे नेटवर्क का हिस्सा बनकर काम किया, जिसने युद्ध को लंबा खींचने में मदद की। अमेरिकी वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय के अनुसार, रायपुर के आलोक चौधरी और उनकी कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड पर प्रतिबंध लगाया गया है। अमेरिका का कहना है कि कंपनी ने सूडान की एक फर्म को विस्फोटक और उससे जुड़ी सामग्री की आपूर्ति की थी। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि इस सामग्री का इस्तेमाल बाद में सूडानी सेना के सैन्य ढांचे से जुड़ी गतिविधियों में हुआ। अमेरिकी वित्त विभाग के मुताबिक, एसबीएल एनर्जी लिमिटेड, जिसे एमिन एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड के नाम से भी जाना जाता है, ने सूडान की टारगेट मल्टीएक्टिविटीज कंपनी को 200 से अधिक खेपों में विस्फोटक और संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई। अमेरिका का कहना है कि यह कंपनी सूडानी सेना के हथियार भंडार को बनाए रखने से जुड़ी थी। इसी मामले में टीएमएसी और उसके महाप्रबंधक तारिक हुसैन मोहम्मद मदानी को भी प्रतिबंधित किया गया है। सूडान में अप्रैल 2023 से सूडानी सशस्त्र बल और रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच संघर्ष जारी है। इस लड़ाई ने देश में गंभीर मानवीय संकट पैदा कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

सरस्वती विद्या मंदिर के दो पूर्व छात्रों ने उत्तीर्ण की सीए परीक्षा, विद्यालय में हुआ सम्मान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती विद्या मंदिर, सेक्टर 3सी के प्रांगण में आज एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह विद्यालय के दो होनहार पूर्व भैया आदित्य धनराज एवं अंकित कुमार नायक के सम्मान में आयोजित किया गया। जिन्होंने देश की सबसे प्रतिष्ठित

और कठिन परीक्षाओं में से एक, सीए (चार्टर्ड अकाउंटेंट) की परीक्षा में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। इस उपलब्धि से उन्होंने न केवल अपने माता-पिता, बल्कि पूरे विद्यालय और बोकारो जिले का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर दोनों सफल छात्रों को विद्यालय परिवार की ओर से अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया।प्राचार्य संजीव कुमार एवं मुख्य अतिथि विद्यालय के सचिव राज कुमार सिंह ने दोनों छात्रों की इस गौरवमयी उपलब्धि पर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की। उनके सुखद भविष्य की कामना की।

राज्य में बड़े पैमाने पर गरीब आदिवासियों का धर्मांतरण कराया जा रहा है : सन्नी टोप्पो

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-2 स्थित संघ कार्यालय में जनजाति सुरक्षा मंच की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में धर्मांतरण के मुद्दे को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी गई। मंच के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में आदिवासियों को बरगलाकर धर्मांतरण कराया जा रहा है। मंच ने ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए जनजाति सुरक्षा मंच के प्रांत टोली सदस्य सन्नी टोप्पो ने कहा कि राज्य में बड़े पैमाने पर आदिवासियों का ईसाई और मुस्लिम धर्म में धर्मांतरण कराया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि जो व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर दूसरे धर्म को अपनाते हैं, उन्हें अनुसूचित जनजाति के आरक्षण और अन्य संवैधानिक अधिकारों का लाभ नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य की 28 अनुसूचित जनजाति आरक्षित विधानसभा सीटों में कई जनप्रतिनिधि धर्म परिवर्तन कर चुके हैं, जो उनके अनुसार आदिवासी समाज के अधिकारों के विपरीत है। वहीं मांझी हड़ाम फूलचंद किस्कु ने कहा कि सरकार को डीलिस्टिंग बिल लाकर धर्म परिवर्तन करने वालों को अनुसूचित जनजाति की सूची से बाहर करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्मांतरण करने वाले आदिवासी समाज के अधिकारों पर कब्जा कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा नहीं हुई तो एक बार फिर "उलगुलान" शुरू होगा।

तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में लगी मासिक लोक अदालत

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सर्वोच्च न्यायालय, झारखंड उच्च न्यायालय एवं जिला जज बोकारो के निदेर्शानुसार तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में आज लगे मासिक लोक अदालत में कुल 6 मामलों का निष्पादन एवं

15,000 रुपए जुमार्ना राशि वसूल किए गए। उक्त मासिक लोक अदालत के सफल संचालन के लिए तीन बेंच का गठन किया गया था । जिसके प्रथम बेंच में कुटुंब न्यायालय प्रेम नाथ पाण्डेय एवं अधिवक्ता प्रशांत पाल, दूसरे बेंच पर जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी एवं अधिवक्ता सुजीत कुमार जयसवाल तथा तीसरे बेंच पर प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडेय तथा अधिवक्ता नीरज कुमार मौजूद थे। उक्त जानकारी अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार समिति के सचिव सह एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल ने दी।

पानी बिजली की समस्या को लेकर पूर्व सांसद पी एन सिंह से मिला प्रतिनिधिमंडल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पूर्व सांसद धनबाद पशुपतिनाथ सिंह से बोकारो की पानी एवं बिजली समस्या को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने उनके धनबाद स्थित आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने श्री सिंह एवं उनकी धर्म पत्नी को शादी की 62 वीं वर्षगांठ की बधाई व शुभकामनाएं दीं। सभी ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और दीघार्यु की कामना करते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। प्रतिनिधिमंडल ने श्री सिंह के समक्ष जिले में लगातार गहराते पेयजल संकट, अनियमित विद्युत आपूर्ति तथा इससे आम लोगों को हो रही परेशानियों को विस्तार से रखा। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि लंबे समय से इन बुनियादी समस्याओं के कारण लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। शीघ्र समाधान की आवश्यकता है। प्रतिनिधिमंडल में अवधेश यादव, ए. के. वर्मा, शंकर रजक, मृगेंद्र प्रताप सिंह, विनय आनंद तथा रामशंकर सिंह शामिल थे। सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि बोकारो के विभिन्न क्षेत्रों में पानी और बिजली की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है, जिससे आम जनता के साथ-साथ छात्रों, व्यवसायियों और किसानों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पूर्व सांसद से इस विषय में प्रभावी पहल करने का आग्रह किया। पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि वे इस जनहित के मुद्दे को संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के समक्ष प्रमुखता से उठाएंगे। उन्होंने कहा कि आम जनता की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मामलों का त्वरित समाधान होना चाहिए और इस दिशा में आवश्यक प्रयास किए जाएंगे, ताकि बोकारो के लोगों को जल्द राहत मिल सके। प्रतिनिधिमंडल ने जनसमस्याओं के प्रति पूर्व सांसद के सकारात्मक दृष्टिकोण, आत्मीय स्वागत और सहयोगात्मक आश्वासन के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

वालंटियर्स बीएलओ के लिए फ्रेंड, फिलॉसफर एवं गाइड की भूमिका निभाएं : उपायुक्त

विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 को लेकर वालंटियर्स का प्रशिक्षण आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के सफल संचालन में वालंटियर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे डी.ए.वी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-2सी में आयोजित वालंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

बीएलओ के लिए फ्रेंड, फिलॉसफर एवं गाइड की भूमिका निभाएं

उपायुक्त ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यालय तक सीमित नहीं होते, बल्कि समाज में टीचर, फ्रेंड, फिलॉसफर एवं गाइड की भूमिका निभाते हैं। एसआईआर-2026 के दौरान वालंटियर्स को भी इसी भावना के साथ कार्य करना है। उन्हें बीएलओ और मतदाताओं के बीच प्रभावी सेतु बनकर दोनों को आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करना होगा।

प्रत्येक मतदाता तक पहुंचे प्रपत्र

उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण कार्य की पहली प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची में शामिल प्रत्येक व्यक्ति तक प्रपत्र पहुंचे। एक परिवार में जितने भी मतदाता हों, सभी को अलग-अलग प्रपत्र उपलब्ध कराना आवश्यक है। सभी पात्र मतदाताओं तक प्रपत्र पहुंच जाना इस अभियान की सफलता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

मतदाताओं से संवाद स्थापित करें

डीईओ सह डीसी ने कहा कि वालंटियर्स अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर मतदाताओं से संपर्क स्थापित करें, उन्हें प्रक्रिया की जानकारी दें तथा उनकी शंकाओं का समाधान करें। जागरूकता और संवाद के माध्यम से ही पुनरीक्षण कार्य को सफल बनाया जा सकता है।

वालंटियर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : एसी

अपर समाहर्ता (एसी) सह निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सुनील चंद्र ने कहा कि एसआईआर-2026 के दौरान वालंटियर्स प्रशासन और आमजन के बीच महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाएंगे। आम नागरिकों को निर्वाचन प्रक्रिया, प्रपत्रों एवं आवश्यक दस्तावेजों की सही जानकारी उपलब्ध कराना उनकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी।

तकनीकी जानकारी को समझना जरूरी

उन्होंने कहा कि यह कार्य तकनीकी प्रकृति का है। इसलिए वालंटियर्स को पूरी प्रक्रिया एवं तकनीकी पहलुओं को अच्छी तरह समझना होगा, ताकि वे मतदाताओं का प्रभावी मार्गदर्शन कर सकें। उन्होंने सभी वालंटियर्स से दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि कोई भी पात्र मतदाता जानकारी के अभाव में छूटने नहीं पाए। अधिकारियों ने दी विस्तृत जानकारी

इससे पूर्व, अनुमंडल पदाधिकारी, चास

प्रांजल ढांडा तथा सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ)-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचल अधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 की प्रक्रिया, प्रपत्रों के वितरण एवं संग्रहण, मतदाता सत्यापन, वालंटियर्स की भूमिका तथा अन्य तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

एन्यूमरेशन फॉर्म अवश्य भरें, कोई भी पात्र मतदाता नहीं छूटेगा : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) -सह-उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के सफल संचालन को लेकर विभिन्न मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील की।

मतदाता सूची में नाम बनाए रखने के लिए एन्यूमरेशन फार्म भरना आवश्यक

बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने कहा कि सभी पात्र मतदाता निर्धारित समयावधि में अपना गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) अवश्य भरें, ताकि प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची-2026 में उनका नाम दर्ज हो सके तथा नाम मतदाता सूची में बना रहे। उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश मतदाता स्वयं हस्ताक्षर करने में सक्षम नहीं हैं, तो परिवार का कोई सदस्य भी गणना प्रपत्र पर हस्ताक्षर कर सकता है।

संविधान और निर्वाचन प्रक्रिया पर भरोसा रखें

डीईओ सह डीसी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं नियमसम्मत है। आम नागरिकों एवं राजनीतिक दलों को संविधान तथा निर्वाचन प्रक्रिया पर पूरा भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पात्र मतदाताओं को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है तथा किसी भी पात्र मतदाता का नाम नहीं छूटेगा।

राजनीतिक दलों से जागरूकता बढ़ाने की अपील

बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपने-अपने कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के माध्यम से मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने के लिए जागरूक करने का अनुरोध किया गया। कहा गया कि अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित कर ही मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाया जा सकता है। बैठक में अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, डीसीएलआर पूर्णिमा कुमारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा,एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे। वहीं, विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से भाकपा (माले) के जिला सचिव मंगीराम शर्मा, आजसू पार्टी के बिहारी सिंह, झारखंड मुक्ति मोर्चा के राकेश सिन्हा, कांग्रेस के जवाहर महतो एवं बदरे आलम, आम आदमी पार्टी के विधान चंद्र राय, भाकपा के जितेंद्र यादव तथा अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बीएसएल ने प्लॉट एवं दुकान आवंटियों के लिए जारी किए अग्नि एवं भवन सुरक्षा संबंधी निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जीवन एवं संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी), अग्नि सुरक्षा नियमों, विद्युत सुरक्षा मानकों एवं अन्य वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन को लेकर बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) प्रबंधन ने प्लॉट एवं दुकान आवंटियों/मालिकों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं. बीएसएल की ओर से जारी निर्देश के अनुसार, जिन लोगों को प्लॉट या दुकान आवंटित की गई है, उन्हें अपने प्रतिष्ठानों एवं भवनों में हर समय पर्याप्त अग्निशमन व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी. इसके तहत अग्निशामक यंत्र एवं अन्य अग्निशमन उपकरण कार्यशील अवस्था में रखना अनिवार्य होगा. यह भी स्पष्ट किया गया है कि जहां आवश्यक हो, वहां सक्षम प्राधिकारी से जारी वैध फायर सेफ्टी एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) तथा अन्य आवश्यक वैधानिक स्वीकृतियां प्राप्त करना अनिवार्य होगा. साथ ही भवनों में पर्याप्त आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट) एवं सुरक्षित निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी. निर्देशों में कहा गया है कि किसी भी भवन में आवागमन के लिए केवल एक संकरी सीढ़ी पर निर्भर नहीं रहा जा सकता. सीढ़ियां, गलियारे, निकास द्वार एवं आपातकालीन मार्ग हर समय अवरोधमुक्त रहने चाहिए। सभी विद्युत प्रतिष्ठान निर्धारित विद्युत सुरक्षा मानकों के अनुरूप होने चाहिए. बीएसएल ने यह भी कहा है कि किसी भी भवन में एक समय में उपस्थित लोगों की संख्या स्वीकृत क्षमता से अधिक नहीं होनी चाहिए तथा परिसर का उपयोग केवल

दुगार्पुर पंचायत में यौन, प्रजनन स्वास्थ्य एवं अधिकार प्रशिक्षण आयोजित

कसमार (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सहयोगिनी संस्था द्वारा दुगार्पुर में किशोरियों एवं युवा महिलाओं के लिए यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य एवं अधिकार तथा स्वास्थ्य प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किशोरियों को स्वास्थ्य, शिक्षा, अधिकार, नेतृत्व क्षमता तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक कुमारी मंजू ने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों, मासिक धर्म स्वच्छता, पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता, एनीमिया की रोकथाम तथा प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किशोरावस्था जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसमें सही जानकारी और सकारात्मक मार्गदर्शन युवाओं को स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की ओर अग्रसर करता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी संस्था की विनीता देवी ने बताया कि संस्था कसमार प्रखंड के 30 गांवों में किशोरी नेतृत्व क्षमता विकास तथा उन्हें सरकारी योजना से जोड़ने को लेकर निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संस्था किशोरियों को स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवन कौशल एवं नेतृत्व विकास से जोड़ने के साथ-साथ विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ दिलाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जागरूक एवं सशक्त किशोरियां अपने अधिकारों की रक्षा करने के साथ-साथ बाल विवाह, लैंगिक भेदभाव एवं अन्य सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं। इस दौरान स्वास्थ्य एवं अधिकारों से जुड़े विषयों पर खुलकर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में किशोरियों ने अपने गांवों में स्वास्थ्य जागरूकता, बाल विवाह रोकथाम एवं सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया। मौके पर सहयोगिनी संस्था की विनीता कुमारी, एएनएम, आंगनबाड़ी सेविका तथा किशोरी लीडर्स बिंदु कुमारी, लाडली खातून, प्रीति कुमारी, खुशबू कुमारी, मनीषा कुमारी, मालवती कुमारी, नेहा कुमारी, पूनम कुमारी, वर्षा कुमारी, डोली कुमारीआदि मौजूद रही।

चास एवं बोकारो औद्योगिक क्षेत्र की बिजली व्यवस्था में शीघ्र सुधार हो : बोकारो चैंबर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष मनोज चौधरी के नेतृत्व में झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड, चास सर्किल के विद्युत अधीक्षण अभियंता दिनेश्वर सिंह से उनके कार्यालय में मिला तथा चास शहरी क्षेत्र एवं बोकारो औद्योगिक क्षेत्र में विगत कई दिनों से जारी अनियमित एवं बाधित विद्युत आपूर्ति के संबंध में एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। चैंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहा कि चास शहरी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की स्थिति अत्यंत दयनीय है। लगातार लो-वोल्टेज एवं बार-बार बिजली कटौती के कारण आम नागरिकों, व्यापारियों एवं उद्यमियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसका प्रतिकूल प्रभाव व्यापारिक गतिविधियों, औद्योगिक उत्पादन तथा विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कार्यक्षमता एवं आयु पर भी पड़ रहा है। चैंबर महामंत्री राजकुमार जायसवाल कहा कि वर्तमान बिजली व्यवस्था में तत्काल सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि लो-वोल्टेज की समस्या के कारण व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं उद्योगों को प्रतिदिन आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। महामंत्री ने मांग की कि चास शहरी क्षेत्र में स्थापित सभी 400 केवीए एवं 500 केवीए क्षमता वाले विद्युत ट्रांसफार्मरों की केमिकल अर्थिंग कराई जाए, ताकि लो-वोल्टेज की समस्या का स्थायी समाधान हो सके। साथ ही, जर्जर एवं पुराने विद्युत पैनल तथा बसबार बॉक्स को तत्काल बदलकर उच्च गुणवत्ता वाले नए पैनल स्थापित किए जाएं, जिससे विद्युत आपूर्ति अधिक सुरक्षित एवं निर्बाध हो सके। विद्युत अधीक्षण अभियंता दिनेश्वर सिंह ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श किया। उन्होंने बताया कि चास एवं आसपास के क्षेत्रों की बिजली समस्या के स्थायी समाधान के लिए एक नए पावर ग्रिड की स्थापना का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसके लिए लगभग 10 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। इस संबंध में जिला प्रशासन से भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है तथा सिलफोर क्षेत्र में भूमि चिन्हित किए जाने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। इस पर बोकारो चैंबर ने सुझाव दिया कि सिलफोर चास शहर से लगभग 13 किलोमीटर दूर स्थित होने के कारण भविष्य में वोल्टेज एवं आपूर्ति संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। चैंबर ने सुझाव दिया कि नेशनल हाईवे स्थित गरगा पुल के समीप, रणविजय कॉलेज के पीछे बोकारो स्टील प्लांट (इस्छ) की उपलब्ध भूमि को झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड को हस्तांतरित कर वहां पावर ग्रिड की स्थापना की जाए। यह स्थान चास शहरी क्षेत्र एवं बोकारो स्टील प्लांट सहित आसपास के क्षेत्रों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अधिक उपयुक्त होगा। चैंबर ने इस महत्वपूर्ण विषय पर शीघ्र ही बोकारो के उपायुक्त से मुलाकात कर उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने एवं पावर ग्रिड स्थापना की दिशा में आवश्यक पहल करने का निर्णय लिया है। प्रतिनिधिमंडल में विद्युत अधिशासी अभियंता शशि भूषण तिवारी, राजेश पोद्दार, राजीव कुमार सहित बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

धनबाद को मिली बड़ी सौगात, 90 लाख की लागत से बने पहले आधुनिक फॉरेस्ट रेस्ट हाउस का उद्घाटन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। धनबाद वन विभाग को शनिवार को एक नई सौगात मिली है। 8 लेन रोड स्थित वन विभाग के नए कार्यालय परिसर में करीब 90 लाख रुपये की लागत से तैयार धनबाद के पहले आधुनिक फॉरेस्ट रेस्ट हाउस का भव्य उद्घाटन किया गया। इस मौके पर जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने रेस्ट हाउस परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। धनबाद के वन विभाग कार्यालय परिसर में बने इस आधुनिक फॉरेस्ट रेस्ट हाउस का उद्घाटन सांसद ढुल्लू महतो, विधायक राज सिन्हा, झारखंड वन विभाग के बोकारो रेंज के क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक आर. थंगा पांडियन, उपायुक्त आदित्य रंजन, डीएफओ विकास पालीवाल, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव और ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब सहित कई अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया।

डीईओ सह डीसी ने ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया, सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को कैंप-टू स्थित ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने किया। निरीक्षण के दौरान मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

सुरक्षा एवं तकनीकी व्यवस्थाओं की हुई समीक्षा

निरीक्षण के दौरान डीईओ सह डीसी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, तकनीकी उपकरणों की स्थिति तथा भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की। अधिकारियों द्वारा ईवीएम की वर्तमान स्थिति, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, अग्निशमन यंत्र, यूपीएस बैकअप एवं अन्य तकनीकी सुविधाओं की जानकारी दी।

नियमित निरीक्षण एवं प्रतिवेदन पर दिया बल

डीईओ सह डीसी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप ईवीएम वेयरहाउस का नियमित निरीक्षण किया जाता है तथा मशीनों की सुरक्षा एवं क्रियाशीलता से संबंधित प्रतिवेदन समय-समय पर मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग, रांची को प्रेषित किया जाता है। उन्होंने निर्वाचन शाखा को आवश्यक प्रतिवेदन निर्धारित समय पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

अगस्त माह में वज्रगृह की साफ-सफाई कराने का निर्देश

निरीक्षण के दौरान डीईओ सह डीसी ने दिवारों पर दीमक को देखते हुए अगस्त माह में तिथि निर्धारित कर वज्रगृह की साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्य डीईओ सह डीसी तथा मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कराया जाए, ताकि निर्वाचन सामग्री के सुरक्षित रख-रखाव एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर ईआरओ सह एसी सुनील चन्द्र, डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

आशालता दिव्यांग विकास केंद्र में मनाई गई हेलेन केलर की जयंती

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सक्षम बोकारो महानगर इकाई द्वारा बोकारो इस्पात नगर स्थित आशालता दिव्यांग विकास केंद्र के हेलेन केलर हॉल में हेलेन केलर जयंती का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता, भक्तिकालीन कवि सूरदास जी, महर्षि अष्टावक्र जी एवं हेलेन केलर के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर हुई । तत्पश्चात सक्षम के पारंपरिक संगठन मंत्र, ओजस्वी संगठन गीत तथा संगठन के उत्कृष्ट दृष्टिकोण और दूरगामी परिकल्पना का वाचन हुआ। आशालता के प्राचार्य सह मुख्य अतिथि प्रमोद कुमार दुबे द्वारा हेलेन केलर के जीवन पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। हेलेन केलर दृष्टिहीन के साथ-साथ मूकबधिर होने के बाबजूद भी पूरा जीवन विकलांग लोगों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए उनके कल्याण के लिए अपने आप को समर्पित कर दिया । आगे चलकर वह अमेरिकी लेखिका, राजनीतिक कार्यकर्ता और व्याख्याता भी बनीं। उन्होंने 22 वर्ष की अवस्था में अपनी आत्मकथा 'द स्टोरी ऑफ माई लाइफ' लिखा। सन 1964 में अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'प्रेसीडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' से उन्हें सम्मानित किया गया। इस समारोह में सक्षम महानगर

इकाई की अध्यक्ष डॉ शारदा रानी, मुख्य अतिथि सह दृष्टि प्रकोष्ठ प्रमुख प्रमोद कुमार दुबे, कोषाध्यक्ष मुखराम सिंह, क्रीडा प्रकोष्ठ प्रमुख संजीव कुमार सिंह के अलावा मुख्य रूप से दयाल कुमार ईश्वर, अमलेश कुमार, गुरुदयाल मुनु , गीता सिंह,विक्की कुमारी, वैष्णवी कुमारी जी सहित अन्य कई प्रबुद्ध पदाधिकारी व गणमान्य सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे । कार्यक्रम के अंतिम चरण में सक्षम बोकारो महानगर की अध्यक्ष डॉ शारदा रानी द्वारा एक अत्यंत सारगर्भित और ऊजार्वान अध्यक्षीय उद्बोधन दिया गया, जिसमें उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े दिव्यांग जनों की सेवा और सशक्तिकरण के लिए सभी कार्यकताओं को पूरी निष्ठा से जुटने का आह्वान किया। इसके बाद सामूहिक कल्याण मंत्र के पवित्र वाचन के साथ ही इस बैठक की विधिवत समाप्ति की घोषणा की गई ।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com